

मुक्त बेसिक शिक्षा स्तर-ग (कक्षा-८) सिंधी

C 130



राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62

नोएडा-201309 (उत्तर प्रदेश)

वेबसाइट : www.nios.ac.in | टॉल फ्री नं. : 18001809393

एनआईओएस वाटरमार्क 70 जीएसएम पेपर पर मुद्रित।

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

जनवरी 2025 (..... प्रतियाँ)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201309 द्वारा प्रकाशित
एवं मैसर्स द्वारा मुद्रित।

सलाहकार-समिति

प्रो. पंकज अरोड़ा अध्यक्ष राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा (उत्तर प्रदेश)	डॉ. राजीव कुमार सिंह निदेशक (शैक्षिक) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा (उत्तर प्रदेश)	डॉ. बालकृष्ण राय उप निदेशक (शैक्षिक) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा (उत्तर प्रदेश)
--	--	---

पाठ्यक्रम-समिति

प्रो. (डॉ.) हासो दादलाणी प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत्) कॉलेज शिक्षा विभाग अजमेर (राजस्थान)	प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश टेकचंदाणी निदेशक राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद दिल्ली	डॉ. हूंदराज बलवाणी अकादमिक सचिव गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक बोर्ड, गांधीनगर (गुजरात)
--	---	---

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलाणी सहायक प्रोफेसर सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर (राजस्थान)	श्री अशोक के. मुक्ता अध्यक्ष सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)	श्रीमती कांता मथराणी प्राचार्य राजकीय मॉडल बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सुंदर विलास, अजमेर (राजस्थान)
--	--	--

श्री एम. वी. भीमाणी अध्यापक (सेवानिवृत्) सरकारी कन्याशाला ऊना (गुजरात)	श्री विजय राजकुमार मंगलाणी प्रधानाध्यापक आर. एस. आदर्श हाई स्कूल भूसावल (महाराष्ट्र)	श्रीमती हीना सामनाणी वरिष्ठ अध्यापिका सरकारी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जयपुर (राजस्थान)
---	---	--

डॉ. तमन्ना लालवाणी सहायक प्रोफेसर महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (गुजरात)	डॉ. राजीव कुमार सिंह निदेशक (शैक्षिक) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा (उत्तर प्रदेश)	डॉ. बालकृष्ण राय उप निदेशक (शैक्षिक) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा (उत्तर प्रदेश)
--	--	---

श्रीमती मीना शर्मा सलाहकार (सिंधी भाषा) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा (उत्तर प्रदेश)
--

संपादक-मंडल

प्रो. (डॉ.) हासो दादलाणी
प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत्)
कॉलेज शिक्षा विभाग,
अजमेर (राजस्थान)

प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश
टेकचंदाणी
निदेशक
राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास
परिषद, दिल्ली

डॉ. हूंदराज बलवाणी
अकादमिक सचिव
गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक
बोर्ड, गांधीनगर (गुजरात)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलाणी
सहायक प्रोफेसर
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय
महाविद्यालय, अजमेर (राजस्थान)

श्री अशोक के. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)

श्री एम. वी. भीमाणी
अध्यापक (सेवानिवृत्)
सरकारी कन्याशाला,
ऊना (गुजरात)

श्री विजय राजकुमार मंगलाणी
प्रधानाध्यापक
आर. एस. आदर्श हाई स्कूल
भूसावल (महाराष्ट्र)

श्रीमती इंद्रा टेकचंदाणी
अध्यापिका
साधू वासवानी इंटरनेशनल स्कूल
फॉर गर्ल्स, दिल्ली

डॉ. रमेश एस. लाल
सचिव
सिंधी अकादमी, दिल्ली

डॉ. तमन्ना लालवाणी
सहायक प्रोफेसर
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,
बड़ौदा (गुजरात)

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा
संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा
संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. हूंदराज बलवाणी
लेखक
अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. जेठो लालवाणी
पूर्व निदेशक (एन.सी.पी.एस.एल.)
अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. रमेश एस. लाल
सचिव
सिंधी अकादमी, दिल्ली

डॉ. परमेश्वरी पमनाणी
सह-आचार्य (सेवानिवृत्)
स. पृ. चौ. राज. महाविद्यालय
अजमेर (राजस्थान)

डॉ. जयराम दरड़ा
पी.एच.डी.
भूसावल (महाराष्ट्र)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलाणी
सहायक प्रोफेसर
सम्राट पृथ्वीराज चौहान
राजकीय महाविद्यालय
अजमेर (राजस्थान)

श्री विजय राजकुमार मंगलाणी
प्रधानाध्यापक
आर. एस. आदर्श हाई स्कूल
भूसावल (महाराष्ट्र)

श्री अशोक एम. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)

डॉ. तमन्ना लालवाणी
सहायक प्रोफेसर
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,
बड़ौदा (गुजरात)

श्री एम. वी. भीमाणी
अध्यापक (सेवानिवृत्)
सरकारी कन्याशाला,
ऊना (गुजरात)

पाठ्यक्रम-समन्वयकर्ता

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

रेखाचित्रांकन

श्री प्रभाकर जोशी
दिल्ली

डी.टी.पी. कार्य

आशा प्रिन्टर्स
हाथी भाटा, अजमेर (राजस्थान)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित एवं एन.सी.पी.एस.एल. की योजना के अन्तर्गत विकसित

फ़हिरिस्त

नंबर	सबक जो नालो	सिन्फ़	मूल भाव	सुफ्हो
1.	ओ साई	कवीता	प्रार्थना	1-7
2.	ज़हनी रोशनी	जीवनी	आत्म निर्भरता	8-15
3.	पंजकड़ा	कवीता	सच्चाई	16-22
4.	मंगल यान	मज़मून	तकनीकी तरकी	23-31
5.	भारत जा साइंसदान	लेखु	खोजनाऊं	32-40
6.	डायरी	डायरी	वाकिआति	41-48
7.	रिपोर्टाज	रिपोर्टाज	हकीकत बयान	49-55
8.	गुम थियल छोकिरो	कहाणी	अकुलमंदी	56-62
9.	आडुरियूं ऐं मुंडी	कवीता	नम्रता	63-71
10.	सुहिणी मेहार	लोक कथा	प्रेम	72-80
11.	हिंगलाज तीर्थ	वर्णन	संस्कृती	81-87
12.	आज़ादी आंदोलन में सिंधियुनि जो योगदान	मज़मून	स्वतंत्रता संग्राम	88-96
13.	काको लछीराम	कहाणी	हास्य	97-104

ओ साईं



स्कूलनि में थियण वारी प्रार्थना-सभा में इहो बैत तमाम सिक सां गायो वेंदो आहे। बार जडहिं पंहिंजे कोमल हिरदे सां परमात्मा खे वेनिती कंदा आहिनि त परमात्मा बि राजी थी बारनि ते महिर कंदो आहे। परमात्मा सजे संसार खे पालण वारो आहे। बैत में परमात्मा जी महिमा जो ज़िकिरु कयल आहे। परमात्मा जी महिर सां सारो संसार फले फूले थो। हिन प्रार्थना में सिंधी कवीता जूं अनेक खूबियूं आहिनि।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- कहाणी, कवीता वगैरह पढी, लिखण जे जुदा जुदा तरीक़नि ऐं शैलियुनि खे सुजाणनि था ऐं खुदि लिखनि था;
- पंहिंजे सबक ऐं लिखण जे मक़सद खे ध्यान में रखंदे साईंअ जी महिमा बयानु कनि था;
- ऊच-नीच जो भेद भुलाए, सभिनी सां सिक सां रहणु सिखनि था ऐं इन बाबत दोस्तनि सां गालिह बोलिह कनि था।



1.1 बुनियादी सबकु



साईं महिर वसाईं,
ओ साईं महिर वसाईं!

1. सारीअ विसु खे पालण वारा,
महिर मया जा करि वसिकारा,
रिम झिम रंग रचाई- ओ साईं!
2. चरनि सरनि तुंहिंजे संगति सारी,
फूले फले शल हीअ फुलवाड़ी,
गुल फुल बाग् बणाई- ओ साईं!
3. देश जी भगिती, देश जी शेवा,
सुर्ग जे बाग् जा मिठड़ा मेवा,
डेई भाल भलाई- ओ साईं!
4. पाक ख्याल एं दिल पवित्र डे,
हमदर्दी तंहिं सां शामिल डे,
सीरत सर्सु सदाई- ओ साईं!
5. ऊच एं नीच जो भेद भुलायूं,
पाण खां कहिं खे घटि न भायूं,
प्रेम जी जोति जगाई- ओ साईं!
6. बालक आहियूं नंदिड़ा नंदिड़ा,
पेर असां जा कचिड़ा कचिड़ा,
शाल सएं दगि लाई- ओ साईं!



1.2 अचो त समुद्घूं

1. शाइरु धणीअ दरि प्रार्थना कंदे चवे थो त हे परमात्मा! शल तूं महिर जा मींहं वसाईदो रहीं, असां ते सदा महिर कंदो रहीं। तूं सारे जगत खे पालण वारो आहीं, सभिनी ते महिर जा शीतल छंडा हणीं थो। जडहिं रिम झिम बरसात पवंदी आहे त सिज जी रंग बिरंगी रोशनीअ सां पूरो वातावरण चिमकण लगंदो आहे। इहो सभु परमात्मा जी महिर सां थिए थो।

2. हे ईश्वर! सजी संगति तुंहिंजे चरणनि में अची वेठी आहे। तुंहिंजी दया सां शल हीअ दुनिया रूपी फुलवाडी फले फूले। छाकाणि गुलनि फुलनि ऐं बाग़नि खे ठाहिण वारो बि तूं ई आहीं।

3. हे परमात्मा! तूं असां ते कृपा करि, जीअं असां हिन देश जी भगिती ऐं शेवा करे सघूं। तूं असां खे सुर्ग जे बाग जा मिठिडी मेवा डुई करे असां सां भलाई या कुर्बु करि।

4. हे साई! तूं असां खे पवित्र ख्यालनि सां गडु अहिडी पवित्र दिल बि अता (प्रदान) करि, जंहिं में हमदर्दी बि शामिल हुजे। अहिडी पवित्र दिल डे, जंहिं में बियनि सां हमदर्दीअ भरियो वहिंवार असां करे सघूं। अहिडी सीरत, अहिडो गुण असां खे झाझे अंदाज में बख्शो डे, जीअं असां हिन समाज खे वधीक सुंदर ठाहे सघूं।

5. हे साई! असां ते अहिडी महिर करि, जीअं असां ऊच ऐं नीच जे फळ्क खे भुलाए सघूं। तंहिं खां सवाइ कंहिं बि सुठे कम खे करण लाइ असां पाण खे कंहिं खां बि घटि न समुद्घूं। संसार में सभिनी सां प्रेम सां रही सघूं शल! तूं असांजे दिल में अहिडे प्रेम जी जोति जगाइ।

6. पछाडीअ में धणीअ दरि वेनिती कंदे पंहिंजी मासूमियत ऐं अबोझाई जाहिर कंदे चवनि था त ए साई! असां नंदिडा बार आहियूं ऐं असां जा पेर बि कचिडा कचिडा आहिनि, जेके हिन संसार जे पचिरुनि खां अणजाणु आहिनि। शल तूं असां ते महिर करे, संएं रस्ते ते आणे, असां जी राह खे रोशन करि, जीअं असां गळति कम न करियूं।





सबकू बाबत सुवाल 1.1

1. हेठियनि मां सही जवाब चूँडे ब्रेकेट में लिखो :
 - (i) सुर्ग जे बाग जा मेवा कीअं थींदा आहिनि :

(अ) खटा	(ब) फिका
(स) कचिडा	(द) मिठिडा

()
 - (ii) महिर जा करि वसिकारा :

(अ) दया	(ब) ममता
(स) मया	(द) हया

()
2. सही (✓) या गळत (✗) जा निशान लगायो :
 - (i) साईं सारी विसु खे पालण वारो आहे। ()
 - (ii) बारनि खे ऊच ऐं नीच जो भेद करण खपे। ()
 - (iii) बारनि जी दिल पवित्र थींदी आहे। ()



मशिगूलियूं 1.1

- (1) तव्हां साईंअ जी प्रार्थना कीअं कंदा आहियो, उन बाबत लिखो।
- (2) दुखायल या बेवसि जी का बि हिक सिंधी प्रार्थना या धणीअ दरि वेनिती गोल्हे माना समेति लिखो।



तव्हीं छा सिखिया

- साईं याने परमात्मा सभिनी जो पालणहारु आहे।
- बार साईंअ खे महिर वसाइण जी प्रार्थना कनि था।

- बारनि में देश भगिती ऐं देश जी शेवा जो जज्बो जागे थो।
- बार ऊच नीच जो भेद भुलाइनि था, जहिं सां उन्हनि में भाइपीअ जी भावना वधे थी।



वृद्धीक ज्ञान

प्रार्थना में वडी शक्ती आहे। प्रार्थना ज़रीए ईश्वर सां जणु रूबरू थिजे थो, जहिं सां आत्मिक बुल वधे थो, मन एकाग्र थिए थो। ईश्वर जी प्रार्थना नित नेम सां करण सां बारनि में सभिनी गुणनि जो विकास थिए थो। हुननि में अलौकिक ताकत पैदा थिए थी, जहिं सां हू सही राह ते हली करे पहिंजो जीवन सफल करे सघनि था। असांजनि केतिरनि कवियुनि सुठियूं सुठियूं प्रार्थनाऊं लिखियूं आहिनि। जीअं त-

1. तूं सखी आहीं सबाझो,
दरु अथमि तुंहिंजो झलियो। – परसराम ‘जिया’
2. जिंदगीअ जी राह में डोडी,
जडहिं थकिजी पवां,
याद तोखे थो करियां। – नारायण ‘श्याम’
3. सभु कनि तुंहिंजी साराह
कुदरत वारा,
निर्मल ज्योती नूर नजारा। – किशनचंद ‘बेवसि’



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) सारीअ विसु खे केरु पालींदो आहे?
- (ii) कवी परमात्मा खे पांदु कहिं सां भरण लाइ चवे थो?
- (iii) कवीता में देश जी भगितीअ बाबत कमि आंदल सिटूं लिखो।
- (iv) कवी कहिडा भेद भुलाइणु चाहे थो?

2. ज़िद लिखो :

- (i) देस
- (ii) मिठो
- (iii) पवित्र
- (iv) भलाई
- (v) ऊच
- (vi) फुलवाड़ी

3. सांगिए आवाज़ वारनि लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

मिसालु :	लाई	-	साई
(i)	शेवा		(अ) कचिड़ा
(ii)	भलाई		(ब) सरनि
(iii)	नंदिड़ा		(स) मेवा
(iv)	चरनि		(द) सदाई

4. जोड़ा मिलायो :

(i)	गुल		(अ) रिमझिम
(ii)	जोति		(ब) खुशिबूझ
(iii)	बरसात		(स) रोशनी

5. ब्रेकेट मां सही जवाब गोलहे ख़ाल भरियो :

- (i) पाक ख़ाल ऐं पवित्र डे। (दिल, दिमाग़, मन)
- (ii) गुल फुल बणाई। (फुलवाड़ी, बाग़, संगति)
- (iii) ऊच ऐं जो भेद भुलायूं। (महान, मूर्ख, नीच)



ਸਬਕੁ ਬਾਬਤ ਸੁਵਾਲਨਿ ਜਾ ਜਵਾਬ

1. (i) ਮਿਠਿਡਾ
(ii) ਮਥਾਂ
2. (i) ✓
(ii) ✗
(iii) ✓



ਨਵਾਂ ਲਫੜੇ

- ਮਹਿਰ = ਦਿਆ, ਕ੃ਪਾ
- ਚਰਨਿ = ਪੇਰ
- ਮੇਵਾ = ਫਲ
- ਪਾਕ = ਪਵਿਤ੍ਰ
- ਹਮਦੰਦੀ = ਬਿਧਨਿ ਲਾਇ ਦਿਲ ਮੌਦਿਆ
- ਸੀਰਤ = ਗੁਣ, ਚਰਿਤ੍ਰ
- ਸਦਾਈ = ਹਮੇਸ਼ਾਹ
- ਭਾਂਧੂਂ = ਸਮੁੱਝੂਂ
- ਦਗਿ = ਰਸ਼ਟੇ
- ਵਸਿਕਾਰਾ = ਬਰਸਾਤ ਪਵਣੁ
- ਸਰਨਿ = ਸ਼ਰਣ
- ਭਾਲ ਭਲਾਇਣੁ = ਭਲਾਈ ਕਰਣੁ
- ਖੁਲਾਲ = ਵੀਚਾਰ
- ਸਾਰੁ = ਝੜ੍ਹੇ ਅੰਦਾਜ਼ੇ ਮੌਦਿਆ
- ਭੇਦੁ = ਫ਼ਕੂਰ
- ਸਾਂਏ = ਸਹੀ



ज़हनी रोशनी

असां पंहिंजे आसपास घणनि ई माणहुनि खे डिसंदा आहियूं, जेके बदनी तौर ठीक हूंदा आहिनि। उहे पंहिंजी किरित कारि में लग्ल हूंदा आहिनि पर के माण्हूं अहिडा बि हूंदा आहिनि, जेके बदनी ख्याल खां अपाहिज हूंदा आहिनि, तड्हिं बि अहिडा अहिडा कम कंदा आहिनि, जिनि खे डिसी असां खे अचिरज लग्दो आहे। उहे पंहिंजी बदनी ऊणाईअ खे ताक में रखी, अहिडा कम कंदा आहिनि, जेके असां लाइ मिसाल बणिजी वेंदा आहिनि। के शख्स अहिडा बि डिसिबा आहिनि, जिनि जी शख्सयत असां ते बेहद असर कंदी आहे। उहे असां लाइ प्रेरणा बणिजी वेंदा आहिनि। हिन सबक में अखियुनि जी रोशनी न हूंदे बि हिक शख्स पंहिंजे ज़हन जे बुल ते अहिडा कम करे डेखारिया आहिनि, जेके असां लाइ प्रेरणा डींदड आहिनि। उहा शख्सयत आहे डॉ. विनोद आसूदाणी।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- पंहिंजे आसपास नज़र ईदड दिव्यांग शख्सनि जी ज्ञाण हासिल करे, उन्हनि जे कमनि खां वाकुफु थी, हिक बिए सां गालिह बोलिह कनि था ऐं खेनि अगिते वधण लाइ हिमथाइनि था;
- पढण जे अलग अलग मवाद खे पढ़दे, उन्हनि जे शिल्प जी साराह कनि था ऐं सतह अनुसार ज़बानी, लिखियल, ब्रेल/इशारनि जे रूप में उन जे बारे में पंहिंजा वीचार ज़ाहिर कनि था;

- इन तरह जे अलग_ अलग_ मवाद खे पढ़ंदे दिव्यांग शख्सनि जी साराह कनि था ऐं सतह अनुसार ज़्बानी, लिखियल, ब्रेल / इशारनि जे रूप में उन जे बारे में पंहिंजा वीचार ज़ाहिर कनि था।



2.1 बुनियादी सबकु

कडुहिं कडुहिं रात जे वक्त असां जे घर जी बती गुल थी वेंदी आहे त चइनी तरफ ऊंदहि छांझी वेंदी आहे। कुझु बि नजर न ईदो आहे। असां हिक कमरे खां बिए कमरे ताई वजण में बि थाबा खाईदा आहियूं। पंहिंजे हथ सां रखियल शइ बि न खणी सघंदा आहियूं। रुगो अंधेरे में पिया हथोराडियूं हणंदा आहियूं।

छा अव्हां खे जाण आहे त हिन दुनिया में के अहिडा शख्स आहिनि, जिनि खे नजर न हूंदी आहे। हू अखियुनि सां दुनिया न डिसी सघंदा आहिनि। खेनि ‘नाबीन’ या ‘दृष्टीहीण’ चइबो आहे। अहिडनि शख्सनि कडुहिं चंद जी सूंहं, गुलनि जा रंग, कंहिं माण्हूंअ जे चहरे जी मोहींदड मुर्क जहिडा दिलकश नजारा पंहिंजे अखियुनि सां न डिठा हूंदा आहिनि। इन जो मतलब इहो न समुझणु खपे त दृष्टीहीण शख्स जिंदगीअ में कुझु बि न करे सघंदा आहिनि। उहे पंहिंजे परिवार ऐं समाज ते बोझ न बणिजंदा आहिनि।

इहा गालिह सही आहे त खेनि अखियुनि जी रोशनीअ खां महरूम रहिणो पवंदो आहे। पर संदनि बिया हवास जहिडोकि बुधणु, छुहणु वगैरह पूरीअ तरह सालिम हूंदा आहिनि। संदनि सोच ऐं समुझ पिणु बियनि आम माण्हुनि वांगुरु हूंदी आहे। हू बि तालीम पिराए, नौकरी पेशो करे समाज में पंहिंजो मुकाम ठाहींदा आहिनि। दुनिया में घणा ई नेत्रहीण शख्स थिया आहिनि, जिनि पंहिंजी कडी महिनत, ज़हनी ताकत जे भरोसे खूब नालो कमायो आहे।

सिंधी समाज में पिणु हिकिडो अहिडो नेत्रहीण शख्सु आहे, जंहिं पंहिंजी महिनत, लगन ऐं काबिलियत ज़रीए अदबी ऐं समाजी खेतर में पंहिंजो नालो रोशन कयो आहे। उन्हीअ शख्स जो नालो आहे डॉ. विनोद हरदयाल आसूदाणी। विनोद जो सज्जो जीवन असां लाइ, ख़ासि तौर नौजुवान पीढीअ लाइ राह रोशन कंदड आहे, सधिनी लाइ प्रेरणा आहे।



विनोद जो जनमु 1 जनवरी 1969 ई. ते महाराष्ट्र जे नागपुर शहर में थियो। पिता हरदयाल ऐं माता लक्ष्मी देवीअ खे चार पुट, चार धीअरु हुयूं। अठनि बारनि मां टे पुट ऐं बु धीअरि जाए जुम खां ई न डिसी सघंदा हुआ। विनोद जी किस्मत में पिणु जाए जुम खां अंधेरो लिखियल हो। पिता हरदयाल हिकु नंदो मणिहारको दुकान हलाईदो हो। घर में ग्रीष्मी हुई। 12 भातियुनि जी रोज़ी रोटीअ जो सुवाल हमेशह ई हरदयाल खे परेशान कंदो रहंदो हो। के डुंहं त अहिडा बि ईदा हुआ, जो परिवार खे बुखिए पेट गुजारो करिणो पवंदो हो। बारनि जे अखियुनि जे इलाज लाइ माता पिता का कसर न छडी। न दवाऊं, न वरी दुआउनि मां को फ़र्कु पियो। हरदयाल महसूस कयो त तालीम ई उहा ताकृत आहे, जंहिं जे ज़रीए संदसि नाबीन बारनि जी जिंदगीअ में रोशनी अची सधे थी।

विनोद नंदपिण खां ई पढण में होशियार हो। सतें दर्जे ताई संदसि तालीम नागपुर जे अंध विद्यालय में थी। अठें दर्जे खां वठी डिसंडे बारनि जे स्कूल कोरवेज़ न्यू मॉडल हाई स्कूल में दाखिला वरिती। विनोद ऐं संदसि वडो भाऊ घनश्याम भारत जा पहिरियां नाबीन शागिर्द हुआ, जिनि मैट्रिक में बोर्ड जे इम्तहान में 16 ऐं 17 नम्बर हासिल कयो हो। संदनि हिन कामयाबीअ सजे समाज खे अचिरज में विझी छडियो। अखबारुनि जे पहिरिएं सुफ़हे ते नाबीन आसूदाणी भाउरनि जे कामयाबीअ जो संदनि फोटुनि सां ज़िकिरु थियण लगो। उन वक्त जे महाराष्ट्र जे मुख्यमंत्री शरद पवार आसूदाणी भाउरनि जे घर अची खेनि वाधायूं डिनियूं। भारत सरकार जे फ़िल्म डिवीज़न पारां आसूदाणी भाउरनि जे कामयाबीअ ते ‘क्षितिज की ओर’ नाले डाक्युमेंट्री ठाही वेर्ई, जेका हर थिएटर में डेखारी वेर्ई। उन खां पोइ विनोद कडहिं पुठिते मुडी न डिठो न आहे। 12 दर्जे में मेरिट लिस्ट में पंजें नम्बर, बी.ए. में पूरी यूनीवर्सिटीअ में पंजें नम्बर ऐं एम.ए. में यूनीवर्सिटीअ में गोल्ड मेडल खटी सभिनी खे अचिरज में विझी छडियो। उन खां पोइ बि हिन घणा इम्तहान सफलता सां पास कया। इतिहास विषय में एम.ए., समाज शास्त्र में एम.ए., साइकोलॉजी सां एम.एस.सी. पास करे हिन भारत जो नाबीन साइकोलॉजिस्ट, मनोविज्ञानिक हुअण जो शरफु हासिल कयो। बइदि में अंग्रेज़ी ऐं साइकोलॉजीअ में पीएच.डी. हासिल करे हिन दुनिया खे बुधाए छडियो त कामयाबीअ लाइ ब्राह्मिरियुनि अखियुनि जी न पर इंसान जो ज़हन रोशन हुअणु घुरिजो।

विनोद अदबी खेतर में बि कमाल करे डेखारियो आहे। हिन सिंधी, हिंदी ऐं अंग्रेज़ीअ में वीहारो खनु किताब लिखिया आहिनि। खेसि मर्कज़ी साहित्य अकादमीअ तरफ़ां संदसि ग़ज़लुनि जे संग्रह ‘हथु पकिड़िजाई’ ते राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल थियलु आहे। बिया बि केतिरा इनाम ऐं अवार्ड हासिल करे हिन सिंधी जातीअ जो मानु वधायो आहे।



2.2 अचो त समझूं



दुनिया में अहिडा केतिरा ई शख्स थिया आहिनि, जिनि पंहिंजी शारीरिक कमीअ तरफ़ को ध्यान न डेर्ई अहिडा अहिडा कार्य कया आहिनि, जिनि ते दुनिया डुन्दे आडुरियूं डिनियूं आहिनि। अहिडनि शख्सनि खे दया जी ज़रूरत न हूंदी आहे। हू चाहींदा आहिनि त मथिनि क्यासु करण बदिरां संदनि कयल कार्य खे महसूस कयो वजे। हुननि जी प्रबल इच्छा शक्ती ऐं मज़बूत मन जणु हिक किस्म जी पूंजी हूंदी आहे। उन्हनि जो क़दुरु करणु असांजो फर्ज आहे।

हिन सबक में सिंधी भाषा जे मशहूर कवी डॉक्टर विनोद आसूदाणीअ जे जीवन ऐं कार्य जो बयान कयल आहे। हुन नाबीन हूंदे बि सिंधी अदब खे तमाम सुहिणियूं रचनाऊं डिनियूं आहिनि। हुन अखियुनि जी रोशनी न हुअण खे कडहिं पंहिंजी कमज़ोरी न समुझियो आहे। अहिडनि माण्हुनि खे ईश्वर वटां जेका ज़हनी रोशनी मिलियल हूंदी आहे, उन्हीअ खे आधार बणाए हमेशह अगिते वधंदा आहिनि। अगिते ऐं अगिते वधणु हुननि जी फितरत बणिजी वेंदी आहे। सिंधी समाज लाइ इहा फ़खुर जी गालिह आहे जो असांजे हिन शख्सियत खे देश विदेश जे केतिरियुनि संस्थाउनि तरफ़ां काफी इनाम इकराम मिलिया आहिनि। अहिडा शख्स असांजी प्रेरणा आहिनि।



सबक बाबत सुवाल 2.1

1. हेठियां खाल भरियो :

- (i) ऊंदहि में हिक कमरे खां बिए कमरे में वजण में असां खाईदा आहियूं।
- (ii) विनोद जो सजो जीवन असां लाइ रोशन कंदड आहे।
- (iii) पिता हरदयाल हिकु नंदो दुकान हलाईदो हो।
- (iv) घर में हुई।
- (v) विनोद नंदपिण खां ई में होशियार हो।

2. सही (✓) या गळत (✗) जा निशान लगायो :

- (i) अंधेरे में असां आराम सां घुमी फिरी सघंदा आहियूं। ()
- (ii) विनोद जनम खां ई नाबीन आहे। ()
- (iii) विनोद जे वडे भाउ घनश्याम पिण विनोद सां गडु मैट्रिक जो इम्तहान पास कयो। ()
- (iv) 'क्षितिज की ओर' हिक किताब जो नालो आहे। ()

3. हेठि डिनल सुवालनि जा सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

- (i) विनोद आसूदाणीअ जो जनमु थियो :
- (अ) मुम्बईअ में (ब) नागपुर में
(स) भोपाल में (द) अजमेर में ()
- (ii) विनोद जे पिता खे छा जो दुकान हो :
- (अ) किरयाने जो (ब) मजिहारको
(स) फलनि जो (द) दवाउनि जो ()
- (iii) कहिडे इम्तहान में विनोद खे गोल्ड मेडल मिलियो :
- (अ) बी.ए. में (ब) बारहें दर्जे में
(स) एम.ए. में (द) डॉक्टरीअ में ()
- (iv) विनोद आसूदाणीअ खे 'हथु पकिडिजांइ' किताब ते कहिडे इनाम मिलियो आहे :
- (अ) साहित्य अकादमीअ जो (ब) महाराष्ट्र सरकार जो
(स) भारत खां बाहिर जो (द) संगीत कला अकादमीअ जो ()



मशिगूलियूं 2.1

- (1) भारत जे विकलांग शाख्सनि इरा सिंघल, ज्योति आम्टे, सुधा चंद्रन, रविंद्र जैन जे जीवन बाबत जाण हासिल करे, उन्हनि कहिड़नि कहिड़नि खेतरनि में पंहिंजो नालो कढियो आहे, सो जाण पाण वटि नोट करे लिखो।
- (2) हेलन केलर जे जीवन बाबत जाण हासिल करियो।
- (3) दिव्यांग शाख्सनि जे कार्यनि खे उत्साह डियारण लाइ छा छा करे सधिजे थो, सो नोट करियो।



तक्हीं छा सिखिया

- शारीरिक ऊर्णाई जीवन जीअण लाइ कडूहिं बि रुकावट बणिजे नथी, डॉ. विनोद आसूदाणी उन जो सुहिणो मिसाल आहे।
- डॉ. विनोद जे जीवन जीअण जे ढंग मां इहो साबित थिए थो त अहिड़नि शाख्सनि ते दया करण बजाइ उन्हनि सां पंहिंजाइप जो वहिंवार कजे ऐं जेतिरो थी सधे, ओतिरो खेनि सहयोग डिजे।
- मन जी मज़बूताई ऐं संकल्प शक्ती असांजे जीवन जो आधार आहे।



वधीक जाण

- (1) डॉ. विनोद आसूदाणीअ जे तालीमी, अदबी ऐं समाजी खेतर में कयल सेवाउनि जे लाइ खेसि घणनि ई इनामनि इकरामनि सां नवाजियो वियो आहे।

कुझु अहम हिन रीति आहिनि :

- सिंधू रतन पुरस्कार, सिंधू मुक्ती संगठन पारां (2011)
- युवा पुरस्कार भारती भाषा परिषद, कोलकाता पारां (2012)
- अंतर्राष्ट्रीय अदबी पुरस्कार, अखिल भारत सिंधी बोली ऐं सहित सभा पारां (2014)
- काव्य पुरस्कार, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली (2015)

- सिंधी शान पुरस्कार (2017)
 - महाराष्ट्र सिंधी साहित्य अकादमी पुरस्कार (2018)
- (2) डॉ. विनोद जी शादी हिक पढियल लिखियल छोकिरी आरती सां थी आहे। खेनि आस्था नाले धीअ ऐं विनय नाले पुटु आहे।



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- रात जे वक्ति बती गुल थी वजण सां असांजी कहिडी हालत थींदी आहे?
- 'नाबीन' कर्हिं खे चइबो आहे?
- विनोद आसूदाणीअ कहिडे खेतर में नालो कढियो आहे?
- विनोद जो जनम कडहिं ऐं किथे थियो?
- विनोद जी तालीम बाबत थोरे में ज्ञाण डियो।

2. हेठियनि लफऱ्यानि खे जुमिलनि में कम आणियो :

- | | | |
|------------|------------|------------------|
| (i) मुक्त | (ii) रोशनी | (iii) रोज़ी रोटी |
| (iv) अचिरज | (v) कमाल | |

3. दिव्यांग लफऱ्यांजी समुझाणी लिखो।

- अव्हां 'दिव्यांग' शब्दानि लाइ कहिडीअ तरह मददगार थी सघो था?
- अव्हां कर्हिं दिव्यांग शब्द खे सुजाणंदा हुजो त उन बाबत ज्ञाण डियो।



सबकं बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) थाबा (ii) राह (iii) मजिहारको
(iv) गरीबी (v) पढ़नु
2. (i) ✕ (ii) ✓
(iii) ✓ (iv) ✕
3. (i) (ब) (ii) (ब)
(iii) (स) (iv) (अ)



नवां लफ़ज़

- ज़हिनी = दिमागी, तेज़ बुद्धीअ वारे
- थाबा = धिका, ठोकरूं
- हथोराडियूं = ऊंदहि में हथनि सां कहिं चीज़ खे गोल्हणु
- नाबीन = डिसी न सघंडु
- महरूम = वाँझियल, छुटल
- सालिम = सही सलामत, सुठीअ हालत में
- मुकाम = स्थान, जग्ह
- अदबी = साहित्यिक
- मणिहारको = फैसी सामान जो दुकान



पंजकडा

पंजकडा हिकु शाइरीअ जो किस्मु आहे, जेहिं में पंज सिटूं हूंदियूं आहिनि। हिन में पहिरीं एं आखिरी सिट जो दुहिराव हूंदो आहे। सिंधी अदब में ‘पंजकडा’ प्रभू वफा जी देन आहे।

अजु असां सचु बोलि, नक़ाबु एं प्यार जो जादू, इहे टे पंजकडा पढ़ंदासीं। हरहिकु पंजकडा पंहिंजो पाण में सिखिया जो सागर आहे। अचो त सिंधीअ जी इन्हीअ सिंफ जो मज़ो माणियूं एं सिखूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- सिंधी शाइरीअ जी सिंफ पंजकडा जी ज्ञाण हासिल करे, पाण बि नवां पंजकडा ठाहे दोस्तनि खे बुधाइनि था;
- सबक़ एं लिखण जे मक़सद खे ध्यान में रखंदे, पंहिंजी ग्रालिह खे असरदार तरीके सां लिखनि था;
- इज़हार जे अलग_अलग इबारतुनि / रूपनि खे सुजाणनि था, खुदि लिखनि था। जीअं त कवीता, कहाणी, मज़मून वगैरह।



3.1 बुनियादी सबकु



सचु बोलि

चई डे जो चविणो थी सचु
 न करि तूं डाढनि जी परवाह
 उथी ही डाहि ठगीअ जा ठाह
 ज़हर जो जाम खणी पियो नचु
 चई डे जो चविणो थी सचु

नक़ाबु

चडो आ केरु ऐं केरु ख़राबु
 पराओ आ की पहिंजो आहि
 न समुझणु कंहिंखे संहिंजो आहि
 लग्लु आ हर मुंहं मथां नक़ाबु
 चडो आ केरु ऐं केरु ख़राबु

प्यार जो जादू

प्यारु हीअ कहिडी वस्तू आहि?
 प्यार में ग़मु भी राहत आहि
 प्यार में विहु भी अमृत आहि
 प्यार में कहिडो जादू आहि?
 प्यारु हीअ कहिडी वस्तू आहि?



3.2 अचो त समझूं

‘सचु ब्रोलि’ पंजकडे में शाइरु लिखे थो त जेको सचु चविणो अथेर्ई सो चई डे, तूं ज़ोरावर माणहुनि जी परवाह न करि। जेके बि मन में ठगीअ जा वीचार था अचनि, उन्हनि खे त्यागि। सच जे पुठियां ज़हर रूपी जाम बि पीअणो पवे त पी नचु।

हिन पंजकडे में कवीअ सचु ग्राल्हाइण जी सिखिया डिनी आहे। सचु ग्राल्हाइण करे असां खे कहिडा बि कष्ट अचनि, खिली खिली सहिणा आहिनि, पर सच जो दामन न छडिणो आहे।

‘नक़ाबु’ पंजकडे में शाइरु चवे थो, केरु सुठो आहे केरु ख़राबु, पराओ आहे कि पंहिंजो आहे, कंहिं खे बि समुझणु सवलो न आहे। हर कंहिं जे मुंहं मथां नक़ाबु लग्ल आहे।

शाइरु हिन पंजकडे मार्फत बुधाए थो त हर इंसान जा अजु कल्ह ब्रु चेहरा आहिनि। इंसान चवे हिकिडो थो ऐं उन जे मन में बियो कुझु ई हले पियो। अहिडे वक्त में इंसान खे समुझणु तमाम डुखियो कमु आहे। इन करे हर वक्ति सावधान रहिणो आहे।

‘प्यार जो जादू’ में शाइरु बुधाए थो त प्यार अहिडी वस्तू आहे, जेका ग्रम में बि राहत थी डिए, ज़हर बि अमृत थो बणिजी वजे। प्यार में अहिडो जादू आहे।

कवी प्यार जी महानता बुधाईदे लिखे थो त प्यार हिक अहिडी शइ आहे, जा ग्रम जे बादलनि खे हटाए, राहत जी वर्खा थी करो। प्यार में अहिडो जादू आहे, जो ज़हर खे बि अमृत बणाए छडे थो। असां खे सभ कंहिं सां प्यार सां वहिंवार करण घुरिजे। प्यार में अहिडी ताक़त आहे, जो दुश्मननि खे दोस्त बणाए छडे थी।



सबक़ बाबत सुवाल 3.1

1. हेठियूं सिटूं पूरियूं करियो :

- (i) न करि तूं
- (ii) ज़हर जो जाम
- (iii) लग्लु आ हर
- (iv) प्यार में विहु

2. हेठियुनि सिटुनि जो नसुरी रूप लिखो :

- (i) “न समुद्दणु कहिंखे संहिंजो आहे।”
- (ii) “लग्लु आ हर मुंहं मथां नकळु।”



मशिगूलियूं 3.1

- (1) प्रभू वफा जा बिया बु पंजकडा लिखो ऐं उन्हनि जी माना समुद्दण जी कोशिश करियो।
- (2) नसुर ऐं नज़म में तफ़ावत लिखो।



तव्हीं छा सिखिया

- सिंधी शाइरीअ में नई सिंफ 'पंजकडा' बाबत ज्ञाण हासिल कई।
- पंजकडनि जा मोजूअ गूनागूं विषयनि ते थींदा आहिनि।
- जुदा जुदा विषयनि जे करे ज्ञान ऐं लफ़्जनि जो भंडार वधे थो।
- इंसान जी जिंदगीअ में प्यार जी घणी अहमियत आहे।



वधीक ज्ञाण

सिंधी शाइरीअ जे कुझु बियुनि सिंफुनि जे बारे में हेठि ज्ञाण डिजे थी :

- (1) गऱ्ज़ल- गऱ्ज़ल कहिं बि कसीदे जो शुरूआती हिसो हूंदी आहे। गऱ्ज़ल जो मुख्य तौर मज़मून इश्क़िया हूंदो आहे।
- (2) रुबाई- रुबाईअ जी माना आहे चोथों हिसो। मतलब चइनि सिटुनि वारो शइरु। हिन सिंफ जी शुरूआती ईरान खां शुरू थी।
- (3) वाई- वाई निजु सिंधी सिंफ मजी वेंदी आहे। वाईअ में दर्द जूं दाहूं हूंदियूं आहिनि। 'वाई' शाह अब्दुल लतीफ़ 'भिटाई घोट' जी देन आहे।

(4) काफी- काफीअ में ग़ज़ल जहिड़ो आशिकाणे मवादु हूंदो आहे। काफी संगीत सां जुड़ियल आहे। सचल चडे अंदाज़ में काफियूं लिखियूं आहिनि।

इन खां सवाइ बियूं बि शाइरीअ जूं सिंफूं आहिनि- चोडुसी, हाइकू, (तस्वीरूं),
डोहीडो वगैरह।



सबकू जे आखिर जा सुवाल

1. सही जवाब चुंडे ब्रेकेट में लिखो :

(i) 'सचु' जो जिद्दु :

(ii) ‘डाढो’ जो अद्दु वाहिदु :

(iii) 'विहु' जी माना :

(iv) 'संहिंजो' जो हम-आवाज़ी लफ्ज़ः

2. सिट पढ़ी जवाबु लिखो :

(i) ‘हरहिक’ लाइ लफ़्ज़-

(ii) 'हेठा' जो ज़िदु-

(iii) चेहरो ढकण लाइ-

(iv) 'आहे' लाइ लफऱ्या-

3. मिसालु समुद्दी खाल भरियो :

मिसालु : नचु - नचणु

(i) डे :

(ii) करि :

(iii) समुद्दा :

(iv) उथु :

4. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) सचु ग्रालहाइण बाबत शाझर जा वीचार लिखो।

(ii) 'प्यार जादू आहे' समुद्दायो।

(iii) शाझर मूजिबु अजुकाल्ह माणहुनि खे समुद्दणु डुखियो छो आहे?

5. अण ठहिकंडळ लफळ मथां गोल पायो :

(i) वस्तु, शइ, चीज़, किताब

(ii) जादू, तिलस्म, टोणो, सचाई

(iii) राहत, मज़ो, आनंद, दुख

(iv) ठगी, धोखो, ईमानदारी, दगा



सबकृ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) डाढनि जी परवाह (ii) खणी पियो नचु
(iii) मुंहं मथां नकळाबु (iv) भी अमृत आहि
2. (i) कंहिंखे समुद्दणु संहिंजो न आहे।
(ii) हर मुंहं मथां नकळाब लगुल आ।



ਨਵਾਂ ਲਪੜ੍ਹ

- ਡਾਢੇ = ਤਾਕਤਵਰ, ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ
- ਠਗੀ = ਧੋਖੇ
- ਨਕਾਬੁ = ਮੁਖੌਟੇ
- ਸੰਹਿੰਜੋ = ਸਵਲਾਂ
- ਵਿਹੁ = ਜੱਹ਼ੁ

मंगल यान



चवंदा आहिनि त 'जां जीएं, तां सिखु'। इंसान बिं पहिंजे वजूद खां सिखी ऐं पहिंजे आसपास जे शयुनि खे समुद्राण जी कोशिश कंदो रहियो आहे। इंसान में आसमानी जिस्मनि बाबत सिखण जी बिं जगियासा रही आहे। जीअं जीअं पोलारी तकनीक में वाधारो थींदो वियो, तीअं दुनिया जा देश चंड ऐं बियनि ग्रहनि जी वधीक ज्ञाण गडु करण लाइ उते हथिरादू उपग्रह बिं मोकिलण लगा। भारत बिं इन्हीअ डिस में बियनि देशनि खां पुठिते न आहे। भारत मंगल ग्रह जी वधीक ज्ञाण हासिल करण लाइ सन् 2014 ई. में 'मंगल यान' मंगल ग्रह ते मोकिलियो। अचो त इन्हीअ दिलचस्प किसे जी ज्ञाण हासिल करियूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- अखबारुनि ऐं पत्रिकाउनि में पोलारी तकनीक ऐं वाधारे बाबत आयल लेख कठा कनि था;
- वैज्ञानिक खोजनाउनि बाबत किताब पढी, नयुनि खोजनाउनि बाबत पहिंजनि दोस्तनि सां गुल्हि बोल्हि कनि था;
- सिंधी भाषा में अलग अलग किस्मनि जी सामग्री (खबरूं, अखबारूं, मैगज़िनूं, ज्ञान डींडड़ सामग्री, इंटरनेट ब्लॉग ते शाया थींडड़ सामग्री वगैरह) खे समुद्री पढनि था ऐं उन में पहिंजी पसंदगी-नापसंदगी, रायज़नी, नतीजनि वगैरह खे जुबानी / इशारनि जी भाषा में ज़ाहिर कनि था।



4.1 बुनियादी सबकू

24 सेप्टम्बर 2014 ई. जो डींहुं : भारत जे बैंगलोर में इसरो जे मिशन कंट्रोल रूम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ऐं इसरो (ISRO) जी विज्ञानिक तवारीख खे ठहंदे डिसी रहिया हुआ। संदनि नज़र हुई भारत जे मार्स आरबिटर मिशन (MOM) याने मंगल यान जे मंगल ग्रह जे दाइरे (Orbit) में दाखिल थियण ते भारत दुनिया जो पहिरियों देश बणिजण वारो हो, जेको पंहिंजी पहिरींअ ई कोशिश में मंगल ग्रह ते को हथिरादू उपग्रह (Artificial Satellite) पहुचाइण वारो हो।

हकीकत में इहो सफ़र शुरू थियो 2012 ई. में, जडहिं भारत जे विज्ञानिकनि मंगल ग्रह ते हिकु आरबिटर मोकिलण जो फैसिलो कयो। तैयारियूं करण में हिकु साल लगी वियो। ऑक्टोबर 2013 ई. में मंगल यान खे ओडीसा जे श्री हरि कोटा जे सतीश धवन स्पेस सेंटर मां पोलार (Space) में मोकिलण जूं तैयारियूं शुरू थियूं। इन्हीअ कम लाइ इसरो जे विज्ञानिकनि चूंडियो पंहिंजे भरोसेमंद राकेट PSLV-C25 खे। इन्हीअ राकेट जी ऊचाई 15 माड़नि वारी इमारत जेतिरी आहे। विज्ञानिकनि वटि वक्तु घटि हो, छो जो उपग्रह खे मंगल ग्रह ते पहुचाइण जी बि सहूलियत भरी तारीख 26 महीननि खां पोइ हुई।



विज्ञानिकनि हिक अनोखी रिथा पेशि कई, जंहिं मूजिबु मंगल यान खे पहिरीं धरतीअ जे दाइरे में पहुचाइणो हो। धीरे धीरे उनजी रफ्तार वधाए, उन खे धरतीअ जे असर जे दाइरे (Sphere of Influence) खां बाहिर मोकिले, मंगल ग्रह डांहुं अगिते वधाइणो हो। MOM जे लांच खां पोइ उन जी पल पल जी जाण खपंदी हुई। इन लाइ विज्ञानिकनि सजी दुनिया में 32 ग्राऊंड स्टेशन ठाहिया। विज्ञानिकनि डुखण पैसफ़िक महासागर में ब एनटीना लगल जहाज मोकिलिया, पर उन वक्त ई पहिरीं मुशिकलाति अगियां आईं।

महासागर में मौसम ख़राब हुअण सबब जहाज वक्त ते उते पहुची न सघियो, इन करे लांच जी तारीख हिकु हफ्तो अगिते वधाए, 5 नवम्बर 2013 ई. तइ कई वेई। मुक़रर डींहुं ते कामियाब लांच

थियो। लांच जे चोर्थें ड्राके में मंगल यान राकेट खां अलग थियो ऐं धरतीअ जे दाइरे में पहुतो, अहिडी जाण बिए जहाज़ डिनी। कंट्रोल सेंटर में खुशी छांइजी वई।

मंगल यान जो आकार हिक आँटो रिक्षा खां घटि पर वज़न अटिकल उन खां टीणो आहे। उन में लगुल उपकरण तमाम नंदा या हलिका आहिनि। मंगल यान जो दिमागु हिकु बहितरीनि सिस्टम आहे, जेको किरोडँ किलोमीटर मुफासिले ते कंट्रोल रूम सां राबितो रखण ऐं



पाण फैसिला वठण जो कमु करे थो। उन खे शक्ती शम्सी (Solar) पैनल्स मां मिले थी। उन जी गैर मौजूदगीअ में लीथियम आयन बैटरी कम कंदी आहे। मंगल यान में जलाऊ शक्ती (Fuel) महदूद हुओ, जेको मिशन लाइ हिक वडी मुशिकलाति हुई।

लांच खां पोइ मंगल यान धरतीअ जे दाइरे में 25 डींहं रहियो। उन जो दाइरो धीरे धीरे वधाइण लाइ विज्ञानिकनि उनजी इंजिण 6 दफ़ा फ़ायर कई, पर चोर्थें दफ़े में हिक डुखियाई पेशि थी। मंगल यान जी इंजिण सही नमूने शुरू न थी, जंहिं करे उन ज़रूरी रफ़्तार हासिल न कई। विज्ञानिकनि जोखम खणी वरी इंजिण ते फ़ायर कई ऐं उनजी रफ़्तार दुरुस्त कई। धरतीअ जे असर जे दाइरे खां बाहिर निकिरंदे मंगल यान मोकिलाणी संदेश जे रूप में धरतीअ जी हिक सुहिणी तस्वीर मोकिली।

मंगल यान 20 किलोमीटर फ़ी सेकंड रफ़्तार सां मंगल ग्रह डांहुं अगिते वधी रहियो हो। हाणे उनजी इंजिण बंद कई वई। हाणे तकरीबनि ग्राठ रहित रस्ते ते हू 300 डींहं वधण वारो हो। विज्ञानिकनि जो इहो वीचार आहे त मंगल ग्रह ते जिंदगीअ जी शुरूआति जा राज़ मौजूद आहिनि। केतिरियुनि ई ग्रालिहयुनि में इहो नंदिडी धरतीअ वांगुरु आहे। उनजी सतह काफ़ी कुझु धरतीअ वांगुरु आहे। उनजो हिकु डींहुं 24 कलाकनि खां थोरो वडो थींदो आहे। मंगल जो हिकु साल धरतीअ जे बिनि सालनि जे बराबर आहे। मंगल ग्रह ते कंहिं शइ जो वज़न धरतीअ जी भेट में टियों हिसो हूंदो आहे। माहिरनि जी राइ मूजिबु कुझु डहाकनि खां पोइ माणहू शायद मंगल ते बस्ती वसाईनि।

मंगल यान खे इएं ठाहियो वियो आहे, जीअं हू पोलार में बेहद गर्मी ऐं थधि जो मुक़ाबिलो करे सघे। मंगल यान खे पंहिंजे सही रस्ते ते बणाए रखण में विज्ञानियुनि खूब महिनत कई। उन लाइ हुननि तारनि ऐं बियनि आसमानी जिस्मनि जी मदद वरिती। हाणे मंगल यान सां राबिते जो कम करे रहियो

हो। बैंगलोर वेज्ञो बिलायू में हलंड़ लाऊड माऊथ याने डीप स्पेस एंटीना, जेको पोलार मां आयल कमज़ोर सिग्नल खे बि झटे पियो सधे।

मंगल यान हाणे मंगल ग्रह वेज्ञो पहुचण वारो हो। विज्ञानिक चिंता में हुआ, छाकाणि त मंगल यान जी इंजिण 300 ड्रीहॉनि खां बंद हुई। मंगल यान जुणु त 9 महीना कोमा में हो। मंगल यान खे मंगल ग्रह जे दाइरे में दाखिल कराइण लाइ इंजिण वरी शुरू करिणी हुई। रफ्तार बि एतिरी रखिणी हुई, जीअं उहो दाइरे खां दूर बि न थिए ऐं न वरी दाखिल थी ब्राह्मिक निकिरी वजे। विज्ञानिकनि 22 सेप्टम्बर 2014 ई. ते इंजिण शुरू करे डिठी, जेका कामियाब वर्वै। मंगल यान जी रफ्तार घटाई वर्वै।

मुख्य डुहाको अजां बाकी हो। मंगल यान दाइरे में दाखिल थींदे ई मंगल ग्रह जे पुठियां लिकण वारो हो, उनखे ग्रहण याने Sight of Non Visibility चइजे थो, जिते उनजो कंट्रोल रूम सां राबितो टुटण वारो हो। मंगल यान खे हाणे पाण फैसिला वठिणा हुआ। उन लाइ उन खे सूर्य शक्तीअ जी घुरिज हुई पर मंगल जे पुठियां वजण ते सूर्य शक्तीअ जी गैर मौजूदगीअ में उन में लग्नल लीथियम आयन बैटरी कमु करण वारी हुई। विज्ञानिकनि जो मतो हो- 'Hope for the best prepare for the worst.' 24 सेप्टम्बर 2014 ई. ते मंगल यान मंगल ग्रह जे दाइरे में दाखिल थियो। उन पहिंंजी इंजिण वरी शुरू कई। हाणे इहो पहिंंजे बैक बैटरीअ ते कम करे रहियो हो। उन जो मिशन कंट्रोल सां राबितो टुटी चुको हो ऐं बियो सिग्नल 25 मिन्टनि खां पोइ मिलिणो हो। मिशन कंट्रोल रूम में खामोशी छाइंजी वर्वै। ग्रहण ख़तम थींदे ई मंगल यान पहिरियों सिग्नल मोकिलियो। मंगल यान कामयाबीअ सां मंगल जे दाइरे में दाखिल थी चुको हो। प्रधान मंत्री ऐं विज्ञानिकनि जे खुशीअ जी हद न रही। भारत जो मिशन मंगल यान कामियाब थियो। भारत लग्नभग्न नामुमकिन गाल्ह मुमकिन करे डेखारी।



4.2 अचो त समझूँ



मंगल यान मिशन खे कामियाब बणाइण में देश जे साइंसदाननि घणी महिनत कई। मंगल यान मिशन मंगल ग्रह जी ज्ञाण हासिल करण वारो भारत जो पहिरियों मिशन हो। पहिंंजी पहिरीं ई कोशिश

में मंगल ग्रह ते राकेट ज़रीए उपग्रह मोकिलण में कामियाब थींडृ भारत दुनिया जो पहिरियों देश आहे। सोवियत रूस, अमेरिका ऐं यूरोपीय संघ खां पोइ भारत दुनिया जो चोथों देश आहे, जंहिं इहा कामियाबी हासिल कई आहे। मंगल यान मंगल ग्रह ते मोकिलियल सभ खां सस्तो मिशन बि आहे।



सबकृ बाबत सुवाल 4.1

हेठियनि मां सही जवाब चूँडे ब्रेकेट में लिखो :



मशिगालियूं 4.1

- (1) ਮੰਗਲ ਧਾਰ ਜੇ ਸਫਰ ਏਂ ਕਾਮਿਆਬੀ ਬਾਬਤ ਇੰਟਰਨੈੱਟ ਤੇ ਮੌਜੂਦ ਵੀਡਿਓ ਏਂ ਫਿਲ੍ਮਾਂ ਡਿਸੋ।

(2) ਚੰਦ੍ਰਯਾਨ-3 ਬਾਬਤ ਹੇਠਿਧਿ ਸ੍ਰਵਾਲਨਿ ਜਾ ਜਵਾਬ ਇੰਟਰਨੈੱਟ ਤਾਂ ਗੋਲਿਹਿਓ :

- चंद्रयान-3 जे लैंडर जो नालो -
 - चंद्रयान-3 जे रोवर जो नालो -
 - चंद्रयान-3 जे लांच जी तारीख -
 - चंद्रयान-3 जे लांच जी जग्ह -
 - चंद्रयान-3 जी चंड ते लैंडिंग जी तारीख -



तव्हीं छा सिखिया

- भारत इसरो संस्था ज़रीए केतिरा ई पोलार प्रोग्राम कामियाबीअ सां पूरा कया आहिनि। जिनि में मुख्य आहिनि चंद्रयान- 1, 3, मंगल यान वगैरह। मंगल यान मिशन भारत जे साइंसदाननि जी काबिलियत जो हिकु उम्दो मिसालु आहे। मंगल यान मिशन में भारत जे साइंसदाननि खे कुझु तकलीफूं बि आयूं। वेळो ई इसरो सिज जी वधीक ज्ञाण लहण लाइ आदित्य एल-1 मिशन 2 सेप्टम्बर 2023 ई. ते लांच कयो वियो। ईंदड वक्त में इसरो मंगल यान-2, गगन यान मिशन लांच करण जी तैयारीअ में आहे।



वधीक ज्ञाण

इसरो (ISRO)

इसरो जो पूरो नालो आहे 'इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईजेशन'। हकीकत में इहा संस्था 1962 ई. में 'इंडियन नेशनल कामेटी फॉर स्पेस रिसर्च' नाले सां बर्पा कई वर्ई। सन् 1969 ई. में इन जो नालो इसरो रखियो वियो।

इसरो जो उसूली जुमिलो आहे 'मानव जाति की सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'। इसरो PSLV ऐं GSLV राकेट बि ठाहिया आहिनि। इन्हनि राकेटनि ज़रीए केतिरा ई उपग्रह लांच कया विया आहिनि। डॉ. विक्रम साराभाई खे भारतीय पोलार प्रोग्राम जो अबो करे मजियो वजे थो।



सबकू जे आखिर जा सुवाल

- हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक बिनि जुमिलनि में लिखो :
 - मंगल यान किथां लांच कयो वियो?
 - मंगल यान जे लांच जी तारीख बुधायो।
 - एम.ओ.एम. जे पल पल जी ज्ञाण लाइ विज्ञानिकनि छा कयो?

(iv) लाऊड माऊथ छा आहे?

(v) मंगल ग्रह ते पहुचण खां अगु मंगल यान जी इंजिण केतिरा डुँहं बंद हुई?

2. हेठियनि सुवालनि जा जवाब थोरे में लिखो :

(i) विज्ञानिकनि लांच जी कहिडी रिथा पेशि कई?

(ii) लांच वक्ति पहिरीं मुशिकलाति कीअं हलु कई वेई?

(iii) मंगल ग्रह जे दाझे में मंगल यान खे दाखिल कराइण लाइ कहिडियूं खबरदारियूं वरतियूं वेयूं?

3. हेठियां लफऱ्य कमि आणे जुमिला ठाहियो :

(i) धरती

(ii) मंगल

(iii) रफ्तार

(iv) बोझो

(v) कामियाबी

4. हेठियनि लफऱ्यनि जा जिंद लिखो :

(i) कमज़ेरु

(ii) थोरे

(iii) हथिरादू

(iv) खुशी

(v) मौजूदगी

5. सबक़ में आयल अंग्रेजीअ जा के बि पंज लफऱ्य लिखो।

6. मिसालु समुझी चौकुंडा भरियो :

	सुवाल	जवाब
मिसाल :	डॉक्टर	अस्पताल
	मास्तर	स्कूल
	वकील	कोर्ट
(i)	राम	रामायण
	अर्जुन	महाभारत
	कृष्ण
(ii)	राठौड़	राजस्थानी
	शाह	गुजराती
	मोटवाणी
(iii)	महाराष्ट्र	मुम्बई
	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
	आंध्र प्रदेश
(iv)	असां	জ়মীর
	রাকেশ	ইস্মু
	বড়ো



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (अ)
2. (स)



नवां लफ़्ज़

- राबितो = सम्पर्क
- दाइरो = कक्षा (Orbit), ग्रह जो सिज जे चौधारी घुमण जो रस्तो
- ग्राठ = घर्षण (Friction)



भारत जा साइंसदान

कंहिं बि देश ऐं उनजी रईयत जे वाधारे, बहिबूदीअ ऐं सलामतीअ जो मदार संदसि देश जे साइंसदाननि ऐं उन्हनि जी कयल खोज ते हूंदो आहे। भारत में अयामनि खां ज्ञान विज्ञान जो सुहिणो सिरिश्तो रहियो आहे। दुनिया अजु असां खे साइंस ऐं तकनीकीअ जे बुलंद सतह ते डिसे थी। इहो सभु महान साइंसदाननि जे ईजादुनि, संदनि ज़्हिनी हैसियत जो नतीजो आहे।

हिन सबक में भारत जे कुझु महान साइंसदाननि बाबत पढ़ंदासीं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- सबक में आयल साइंस जे नवनि लफ़्ज़नि खे समुझी जुमिलनि में कमि आणीनि था;
- पढ़ियल सामग्रीअ ते चिंतन कंदे वधीक बहितर समुझण जे लाइ सुवाल पुछनि था;
- अलगु अलगु किस्मनि जी पाठ्य सामग्री पढ़ंदे उन जो अनुमान लगाइनि था, छंडछाण कनि था, खासि नुक्तनि खे गोल्हिनि था।

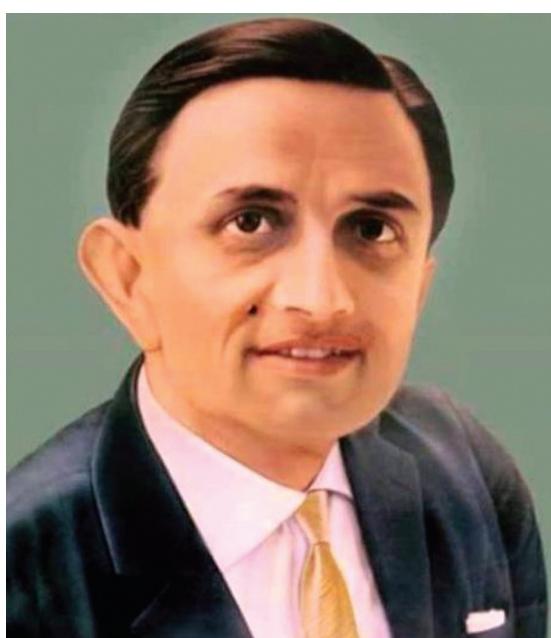
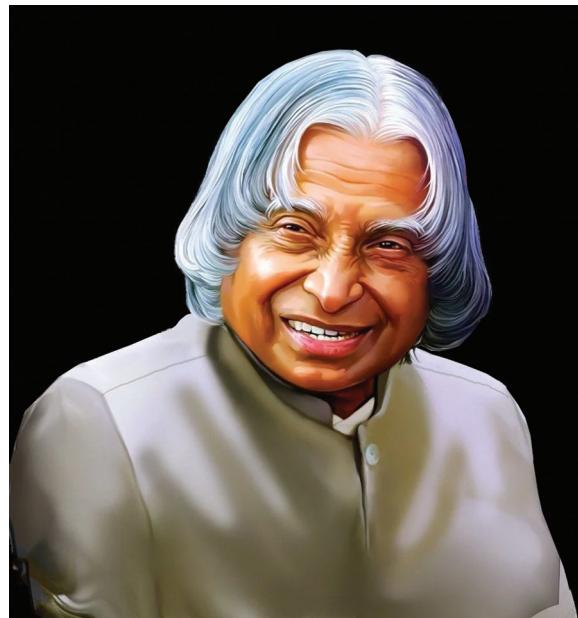


5.1 बुनियादी सबकु

दुनिया अजु असां खे तरकीअ जी जेका बुलंद सतह ते डिसिजे थी, उहा साइंस ऐं साइंसदाननि जे महान ईजादुनि जे करे आहे। साइंस जी दुनिया लगातार खोजना तब्दीलियुनि ईजादुनि डांहुं वधी रही

आहे। खासि गालिह इहा आहे त दुनिया जे हिन तस्वीर खे तब्दील करण में भारत जे साइंसदाननि जो बि अहम किरदार आहे।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत जो अग्रणी राष्ट्रपति ऐं भारत रत्न पिण हिंदुस्तान में मिसाईल मैन तौर सुजातो वजे थो। 1962 ई. में ही 'इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईज़ेशन' में शामिल थियो। कलाम खे प्रोजेक्ट डायरेक्टर जी हैसियत सां भारत जो पहिरियों सैटेलाईट (SLV-III) मिसाईल ठाहिण जो जसु आहे। 1980 ई. में कलाम रोहिणी सैटेलाईट खे धरतीअ जी परीधीअ जे वेज्ञो थापियो। डॉक्टर कलाम जे कोशिशुनि जे करे भारत पिण 'इंटरनेशनल स्पेस क्लब' जो मेम्बर बणियो। डॉक्टर कलाम Indian Guided Missile ठाहियो। खासि गालिह इहा आहे त कलाम मुल्की टेक्नालॉजीअ सां अग्नी ऐं पृथ्वीअ जहिडा मिसाईल ठहिया।



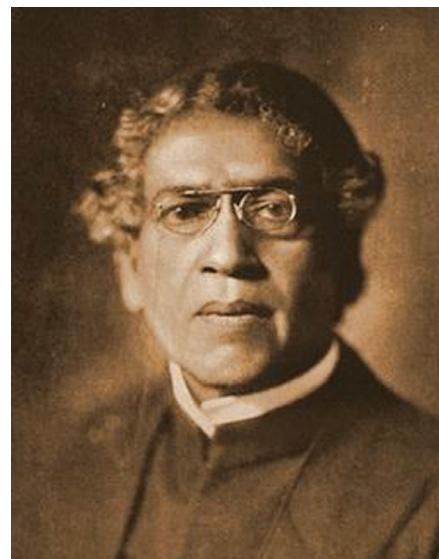
विक्रम अंबालाल साराभाई खे भारत जे अंतरिक्ष तवारीख् जो पीउ चई सघिजे थो। हिन भारत में अंतरिक्ष प्रोग्राम जो बुनियाद रखियो। हिन मुल्क में 40 अंतरिक्ष जी रिसर्च सां वास्तो रखंदड इदारा खोलिया। हिन एटमी ताक़त इलेक्ट्रॉनिक्स ऐं बियनि केतिरनि ई खेत्रनि में बि बराबर जो योगदान डिनो। गुजरात जे अहमदाबाद शहर मां आयल साराभाई जे तिरुवनंतपुरम में थापियल 'Thumba Equatorial Rocket Launching Station' (TERLS) जो नालो बदिलाए विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर रखियो वियो। इहो इदारे इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईज़ेशन (ISRO) जो हिकु वडो अंतरिक्ष रिसर्च मर्कज तौर उभिरी आयो।

डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा खां सवाइ भारतीय एटमी पॉवर प्रोग्राम जो तसवुर बि नथो करे सघिजे। खेसि 'Architect of the Indian National Programme' बि सड़ियो वजे थो। हिन जे करे मुल्क 1974 ई. में पहिरियों एटमी तजुब्बों करण में कामियाब थियो। हिक तरह सां हिन मुल्क खे एटमी ताकत बणाइण में अहम किरदार अदा कयो। हैरत अंगेज़् गुलिह इहा हुई त हिन एटमी साइंस में कमु तड़हिं शुरू कयो, जड़हिं उन बाबत इलम जी अणाठि हुई। एटमी ताकत मां बिजली पैदा करण वारे संदसि ख्याल खे केरु बि मञ्चण लाइ तैयार न हो।



सी. वी. रमन जो पूरो नालो चंद्रशेखर वेंकटरमन हो। हू पहिरियों साइंसदान हो, जंहिं साइंस जे खेतर में नोबल अवार्ड हासिल कयो। 1930 ई. में खेसि फिजिक्स जो नोबल अवार्ड डिनो वियो। वेंकटरमन रोशनीअ ते गहरो अभ्यास कयो। संदसि ईजाद रमन किरण जे नाले सां मशहूर थी। रमन प्रभाव स्पेक्टम पदार्थ खे सुजाणण ऐं उन्हनि जे अंदिरूनी एटमी योजना जी ज्ञाण हासिल करण जो हिकु अहम ज़रीयो बणिजी वियो। रमन खे 1954 ई. में भारत रत्न सां नवाजियो वियो।

डॉक्टर जगदीश चंद्र बोस खे सर बोस बि चयो वेंदो आहे। खेसि फिजिक्स, बाइलॉजी, बॉटनी ऐं आरक्योलॉजी जो गढ़ो अभ्यास हुअसि। ही दुनिया जो पहिरियों साइंसदान हो, जंहिं रेडियो ऐं माईक्रोवेवज़ जे ऑपिटक्स ते कमु कयो। इन खां सवाइ हिन बॉटनीअ में बि केतिरियूं ई अहम खोजनाऊं कयूं। ही पहिरियों भारतीय साइंसदान हो, जंहिं खे अमेरिकी पेटेंट हासिल थियो। डॉक्टर जगदीश खे सजी दुनिया में रेडियो साइंस जो पीड सड़ियो वजे थो।





5.2 अचो त समझूं

असांजी समूरी जिंदगीअ में साइंस हिकु अहम किरदार निभाए थी। साइंस ऐं साइंसदाननि जे कयल ईजादुनि ऐं खोजुनि, मानव जातीअ जी लासानी शेवा कई आहे। हक्कीकत में सज्जी सृष्टी साइंस जे जेरदस्त आहे।

असांजे भारत देश में पिणु सदियुनि खां घणेई आळा अज्ञीम साइंसदान आहिनि। उन्हनि जे बेमिसाल आविष्कारनि ऐं खोजुनि जरीए विश्व जे नक्शे में भारत जो नालो दर्ज करायो आहे।

‘भारत जा साइंसदान’, हिन सबक में पंजनि महान साइंसदाननि जी जीवनी ऐं संदनि कयल आविष्कारनि जी ज्ञान डिनी वर्ई आहे। संदनि कयल ज़हिनी कमनि खे देश विदेश में मजुता मिली आहे।

(1) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत देश जो अगुणो राष्ट्रपति त रही चुको आहे, पर खेसि स्वदेशी मिसाईल मैन जे रूप में पिण याद कयो वेंदो आहे।

(2) विक्रम साराभाई खे अंतरिक्ष इतिहास जो पायो रखंडड, पितामह चर्ई सघिजे थो। अगु जो ‘इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईजेशन’ (ISRO) हिकु वडो रिसर्च मर्कज, संदसि कयल कोशिशुनि जो फल आहे।

(3) डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा ‘एटमी पॉवर प्रोग्राम’ जे इक्वदाई इल्म जो ज्ञाणूं हो।

(4) सी. वी. रमन खे 1930 ई. में इल्म तबई जो ‘नोबल अवार्ड’ डिनो वियो। संदसि ईजाद ‘रमन प्रभाव स्पेक्ट्रम’ हिकु वरदान साबित थियो। खेसि 1954 ई. में भारत रत्न सां नवाज़ियो वियो।

(5) डॉक्टर जगदीश चंद्र बोस खे 1917 ई. में ‘नाईट’ (KNIGHT) जो लकडु डिनो वियो ऐं जल्दु ई भौतिकी ऐं जीव विज्ञान जे लाइ रॉयल सोसायटी लंदन जो फैलो चूंडियो वियो।



सबक बाबत सुवाल 5.1

1. खाल भरियो :

(i) अब्दुल कलाम भारत जो अगुणो हो।

- (ii) विक्रम साराभाई खे भारत जे तवारीख़ जो पीड़ चई सधिजे थो।
- (iii) डॉक्टर होमी भाभा खां सवाइ जो तसवुर बि नथो करे सधिजे।
- (iv) वेंकटरमन ते गहिरो अभ्यास कयो।
- (v) डॉक्टर जगदीश चंद्र बोस जे ऑप्टिक्स ते कमु कयो।

2. सही जोड़ा मिलायो :

- | | |
|--------------------------------|---|
| (i) डॉक्टर अब्दुल कलाम | (अ) पहिरियों एटमी तजुर्बो कयो। |
| (ii) विक्रम साराभाई | (ब) 1954 में भारत रत्न सां नवाज़ियो वियो। |
| (iii) डॉक्टर होमी जहांगीर बाबा | (स) मिसाईल मैन। |
| (iv) सी. वी. रमन | (द) रेडियो साइंस जो पीड़। |
| (v) डॉक्टर जगदीश चंद्र बोस | (य) इसरो खे उभारींदुः |



मशिगूलियूं 5.1

(1) इंटरनेट तां हेठि डिनल मुदनि बाबत ज्ञाण हासिल करियो :

- सैटेलाईट (SLV-III) मिसाईल
- अग्नी मिसाईल
- रोहिणी सैटेलाईट
- पृथ्वी मिसाईल

(2) हेठि डिनल साइंसदाननि ऐं उन्हनि जे खोजनाउनि बाबत ज्ञाण हासिल करे लिखो :

- आइरिक न्यूटन
- थॉमस एडीसन



तब्हीं छा सिखिया

- विज्ञान माँ अनेक फ़ाइदा आहिनि।
- विज्ञान जो उपयोग मानव शांतीअ लाइ करण घुरिजे।

- महिनत करण सां कामियाबी हासिल थींदी आहे।
- भारत जे विज्ञानी संस्थाउनि जे करे भारत जो नालो सजी दुनिया में मशहूर थियो आहे।



वधीक ज्ञाण

कुळु मुख्य साइंसदान ऐं उन्हनि जूं खोजनाऊं :

- एलबर्ट इंसटाईन- थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी
- मेज़ी क्योरी- रेडियो एक्टिविटी
- जे. जे. थॉमसन- इलेक्ट्रान
- जॉर्ज ओहम्- ओहम् कायदे
- थॉमस एडीसन- इलेक्ट्रिक बल्ब
- जॉन डॉल्टन- अणु
- माईकल फैराडे- इलेक्ट्रिक इंडक्शन
- रॉनटिजन- एक्स-रे



सवक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) अब्दुल कलाम जे कयल ईजादुनि जो बयान करियो।
- (ii) भारत जो पहिरियों सैटेलाईट कहिडे ऐं कंहिं साइंसदान ठाहियो?
- (iii) विक्रम अंबालाल साराभाईअ कहिडे रिसर्च-विषय सां लागापो रखंडे 40 इदारा ठाहिया?
- (iv) 'Thumba Equatoria Rocket Launching Station (TERLS) जो नालो बदिलाए कहिडे वडो रिसर्च मर्कजू उभारियो वियो आहे?

2. अण ठहिकंड़ मथां गोलो पायो :

- (i) विज्ञान, खोजना, साइंसदान, कुर्सी
- (ii) विक्रम साराभाई, बुश जिम ब्रस, किशनचद बेवसि, सी. वी. रमण
- (iii) बल्ब, रोशनी, मेज़, ट्यूब लाईट
- (iv) सैटेलाईट, मिसाईल, टैंक, काग़ज़
- (v) फ़िज़िक्स, हिस्ट्री, बॉटनी, बॉयोलॉजी

3. ब्रेकेट मां मुनासिब जवाब गोल्हे ख़ाल भरियो :

(अभ्यास, खोजना, धरती, भारत, मर्कज़)

- (i) थॉमस एडीसन बिजली बल्ब जी कई।
- (ii) अजु बैंगलोर तकनीक जो बणिजी वियो आहे।
- (iii) सिज जे चौधारी घुमंदी रहंदी आहे।
- (iv) चंड जे डुखण ते पहुचण वारो दुनिया में पहिरियों देश आहे।

4. चौकुंडे में साइंसदाननि जो नालो लिखो :

(i) एटमी ताक़त	-	<input type="text"/>
(ii) पहिरियों सैटेलाईट	-	<input type="text"/>
(iii) बॉटनीअ में खोजनाऊं	-	<input type="text"/>
(iv) रोशनीअ जा किरिणा	-	<input type="text"/>

5. सिफ़तुं ठाहियो :

- (i) भारत
- (ii) बुनियाद

(iii) ताकूत

(iv) मर्कज़

6. ब्रेकेट मां सही लफ़्ज़ु गोलहे लिखो :

(i) अगूनो : (इस्मु, ज़मीर, सिफ़ति)

(ii) ठाहिणु : (इस्मु, फ़इलु, हफ़ जर)

(iii) शहरु : (इस्मु, हफ़ जुमिलो, सिफ़ति)

(iv) उन्हनि : (इस्मु, हफ़ निदा, ज़मीर)

7. गोल मां विज्ञान सां सिधो लाग्यापो रखंदड़ लफ़्ज़ु गोलहे लिखो :

इलमु कीमिया, दरवाज़ो,

खोजना, न्यूकलस,

ऑक्सीजन, कपड़ो, किताब

तजुबौख़ानो, थर्मामीटर

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

8. डिनल हिदायत मूजिबु ज़मान बदिलायो :

(i) राम अंबु खाधो। (ज़मान हाल)

(ii) असां रोटी खाऊं था। (ज़मान हाल इस्तमुरारी)

(iii) राजेश दिल्लीअ वेंदो। (ज़मान माज़ी)

(iv) मां ख़तु लिखां थो। (ज़मान मुस्तक़बिल)



सबकं बाबत सँवालनि जा जवाब

1. (i) राष्ट्रपति एँ भारत रत्न
(ii) अंतरिक्ष (iii) भारतीय एटमी पॉवर प्रोग्राम
(iv) रोशनीअ (v) रेडियो एँ माईक्रोवेवज़

2. (i) (स) (ii) (य)
(iii) (अ) (iv) (ब)
(v) (द)



नवां लफ्ज़

- सतह = दर्जा, स्तर, Class, Status, Category, Level
 - अगूणो = पहिरियां जो, भूतपूर्व, Formore, Previous
 - जसु = यश, नामूस, Fame, Glory, Credit
 - परिधी = घेरो, परिसीमा, Circle, Circumference
 - तसवुर = वीचार, कल्पना, Thinking, Thought
 - किरदार = रोल, भूमिका, Actor
 - अणाठि = घटिताई, कमी, Paycity, Dearth
 - गहिरो = गृह्णो, अंदर ताई, Deep, Profound, Intimate
 - ईजाद = आविष्कार, कल्पना सां गोल्हे कढणु, का नई गाल्हि, Invention
 - लक्खु = इज़त सां डिनो वियो, Honour, Award
 - तकनीक = अनुसंधान, तलाश, गोल्हा, Search, Discovery



ડायरी लिखणु

इंसानु हिकु समाजी साह वारो आहे। हू समाज में रहे थो। पंहिंजनि घर वारनि, दोस्तनि, मिटनि माइटनि सां खेडे थो, खाए थो ऐं वाधारो करे थो। हू पंहिंजा आज़मूदा, पंहिंजा वीचार, पंहिंजूं भावनाऊं बियनि सां वंडे थो। बियनि जूं गालिह्यूं, वीचार बुधे थो। पर कडहिं कडहिं हू पंहिंजा ख्याल, पंहिंजूं भावनाऊं बियनि खे बुधाइण खां छिरिके थो। बिया छा सोचींदा, छा चवंदा, इहो सोचे हू शांत करे थो विहे। पंहिंजा वीचार, आज़मूदा, भावनाऊं ज़ाहिर करण जे हिक बिए वसीले बाबत असीं हिन सबक में पढ़दासीं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- कर्हिं दर्सी मवाद खे पढण वक्ति समुझण जे लाइ ज़रूरत पवण ते पंहिंजे हम-क्लासीअ जी मदद वठी कम ईदड संदर्भ सामग्री, जीअं त लुग़त, विश्वकोष, नक्शनि, इंटरनेट या बियनि किताबनि जी मदद वठनि था;
- लिखण जे मक़सद खे ध्यान में रखी, पंहिंजी गालिह खे असरदायक तरीके सां लिखनि था;
- ज़िंदगीअ जे अहम यादगीरियुनि खे याद करे, उन्हनि खे डायरीअ जे रूप में लिखनि था।



6.1 बुनियादी सबकृ

माणहू पंहिंजियुनि सोनहरी यादगीरियुनि, खुशहाल पलनि खे हमेशह सहिजे रखणु चाहे थो। हू उन्हीअ गुजिरियल वक्त खे याद करे खुशि थिए थो। उन्हनि यादियुनि, उन्हनि पलनि खे वरी जीअण जो अहिडो ई हिकु तरीको आहे डायरी लिखणु।

इन में शरख्यु पंहिंजी रोजानी जिंदगीअ में थियल वाक़अनि जो वर्णन कंदो आहे। डींहं में थियल कुन्नु खासि गालिहयुनि बाबत पंहिंजा वीचार, पंहिंजो रदअमल या पंहिंजा आज़मूदा बयान कंदो आहे। डायरी लिखणु लिखावट जे हुनुर जो हिकु गैर दस्तूरी रूप आहे।

डायरी लिखण जा मक़सद

डायरी लिखण जा मुख्य मक़सद हेठि ज्ञाणायल आहिनि :

(1) असां मां केतिरा ई अहिडा शरख्य आहिनि, जेके पंहिंजे अंदर जी गालिह बियनि खे बुध इण में घबिराईदा आहिनि। असां खे लगंदो आहे त बिया असां बाबत पंहिंजी राइ काइमु कंदा या खेनि असांजी गालिह समुझ में न ईदी। इनकरे जेकी गालिह असां बियनि खे न समुझाए सघंदा आहियूं या जाहिर न करे सघंदा आहियूं, उहा डायरीअ में लिखी सघंदा आहियूं। डायरी हिक सचे दोस्त या साहेडीअ वांगुरु हूंदी आहे, जेहिं खे असां सभु बुधाए सघंदा आहियूं।

(2) जीअं असां पंहिंजे फोटो खे डिसी, उन्हनि पलनि जूं यादगीरियूं ताजो करे वठूं था, सागिए नमूने असीं डायरीअ वसीले माज़ीअ में मोटी सघूं था।

(3) डायरी लिखण सां असांजी शग्भिस्यत में वाधारो थिए थो। असांजी यादाश्त शक्ती वधूं थी ऐं असां जी माणहुनि बाबत समुझ वधे थी।

डायरी लिखण जो तरीके

डायरी लिखण वक्ति हेठियुनि गालिहयुनि जो ध्यान डियणु घुरिजे :

(1) डायरी पंहिंजे लाइ लिखिबी आहे, इनकरे डायरी पहिरिएं पुरुष याने मां / असां जे रूप में लिखण घुरिजे।

(2) डायरी ज़मान माज़ीअ में लिखण घुरिजे।

(3) डायरीअ जो खाको चिटो हुअणु घुरिजे। अलगु अलगु मुंदुनि लाइ अलगु पैराग्राफ़ खणण घुरिजनि। इन्हनि मुंदुनि सां गडु पंहिंजी राइ बि लिखण घुरिजे।

(4) वाक़आ उन ई सिलसिले में लिखणु घुरजिनि, जीअं उहे थिया आहिनि। याने पहिरियों थियल वाक़ओ पहिरियां ऐं पोइ थियलु पोइ लिखणु घुरिजे।

(5) शुरूआति में तारीख ऐं वक्तु लिखणु घुरिजे।

तव्हीं बि डायरी लिखो ऐं डिसो त तव्हांजी शख्सयत में कीअं न वाधारो थिए थो।

डायरीअ जो हिकु नमूनो

अजु मां दिल्लीअ में मॉल घुमण वियसि

दिल्ली

27 जुलाई 2024 ई.

अजु मां पहिंजे मम्मी पापा सां दिल्लीअ में मॉल घुमण वेई हुअसि। शाम जो 4 बजे पापा हिक कार बुक कराई। 10 मिन्टनि में कार असांजे घर वटि अची बीठी। मां, मम्मी ऐं पापा कार में वेठासीं। अधु कलाक में असीं नोएडा जे डी.एल.एफ. मॉल आँफ़ इंडिया में वजी पहुतासीं।

सभ खां पहिरीं असां हिक रांदीकनि जे स्टोर में वियासीं। उते तरह तरह जा गुडा हुआ। उहे नरम गुडा रिढ, घोडा, रिछ, मछियूं, अलग_ अलग_ आकार जा हुआ। उन्हनि खे डिसी मुहिंजी दिल ई ठरी पेई। इन खां सवाइ उते गुडियूं, विंदुर ऐं दिमाग_ हलाइण वारियूं कार्ड रांदियूं, निशानो लगाइण वारा ऐं बुदबुदा उडाइण वारा किस्में किस्में रांदीका मुयसर हुआ। मां उतां बबल्स (पाणीअ जा बुदबुदा) उडाइण वारो रांदीको वरितो।

पोइ असीं अलग_ अलग_ झूला ऐं गेम्स वारे भाडे में वियासीं। उते मां कार हलाइण वारी गेम खेडी। मां उन झूले में बि वेठसि, जीहिं में धीरे धीरे मथे वजिबो आहे ऐं पोइ यकिदमु हेठि फिटी कंदो आहे। मूँखे उते बि घणो मज़ो आयो।

आखिर में असीं जिते अलग_ अलग_ खाधे जूं शयूं मिलंदियूं आहिनि, उते वियासीं। उते असां थोरो नाश्तो कयो ऐं पोइ घर डांहुं मोटियासीं।

मूँखे उते सचु पचु डाढो मज़ो आयो। इहो डींहुं मूँखे घणे वक्त ताई याद रहंदो।

सलोनी



6.2 अचो त समुझूं



असां समुज्जियो त डायरी लिखणु पहिंजो पाण खे इज़हार करण जो हिकु वसीलो आहे। को बि शख्सु डायरीअ में कंहिं वाक्य बाबत खुलीअ दिल सां बिना कंहिं मूळी जे पहिंजा वीचार ज़ाहिर करे सधे थो। डायरी लिखण सां कंहिं हालत में माणहूअ कहिडो फैसिलो वरितो या बिए कंहिं शख्स बाबत कहिडी राइ काइमु कई, उन ते कुळु डींहनि खां पोइ वरी सोच वीचार करे जाइजो वठी सधे थो। जंहिं सबब उन जी वीचार शक्ती ऐं फैसिलो वठण जी शक्तीअ में वाधारो थिए थो।

शख्सु माजीअ जे खुशीअ जे पलनि खे जडहिं डायरीअ में वरी पढे थो त वरी आनंद जो अहसास माणे थो। कुल मिलाए डायरी पहिंजो पाण खे समुझण जो हिकु बहितरीनि जरीयो आहे।



सबक बाबत सुवाल 6.1

सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

1. डायरी लिखणु लिखावट जो हिकु रूप आहे :
 (अ) दस्तूरी (ब) गैर दस्तूरी
 (स) गैर ज़रूरी (द) अजाई
 ()
2. शुरूआति में ऐं वक्तु लिखणु घुरिजे :
 (i) तारीख (ii) स्थान
 (iii) राइ (iv) सही
 ()



मशिगूलियूं 6.1

- (1) मशहूर माणहुनि जूं डायरियूं पढो, जेके आम माणहुनि लाइ मुयसर आहिनि।
- (2) तव्हां सां डींहं में थियल कंहिं खासि वाक्य बाबत पहिंजी डायरीअ में लिखो।



तव्हीं छा सिखिया

डायरी लिखणु लिखावट जे हुनुर जो हिकु रूप आहे। डायरी लिखणु पंहिंजो पाण खे इज़हार करण जो हिकु सुहिणो वसीलो आहे। इन में शख्सु बिना कंहिं डप डाव या बियाईअ सां पंहिंजूं भावनाऊं, पंहिंजा वीचार एं आजमूदा ज़ाहिर करे सघे थो। डायरी लिखण सां माणहूंअ जी इज़हार करण जी शक्ती, फैसिलो शक्ती वधे थी। शख्सु गुज़िरियल पलनि खे याद करे वरी खुशी माणे सघे थो। थोरे में चइजे त डायरी लिखण जा केतिरा ई फ़ाइदा आहिनि, इनकरे डायरी ज़रूर लिखण घुरिजे।



वधीक जाण

एनी फ्रेंक जर्मनी देश में जनमु वरितल हिक यहूदी छोकिरी हुई। उन जो जनमु 12 जून 1929 ई. ते जर्मनीअ में थियो। 1934 ई. में एनी एं संदसि कुटुंब खे जर्मनीअ जे नीदरलैंड ते ज़ाबिते सबब एम्स्टरडम लडे वजिणो पियो। 1942 ई. में जर्मनीअ जे यहूदी माणहुनि खे पीढण में वाधि सबब संदसि कुटुंब खे हिक इमारत में किताबनि जे कबूट पुठियां लिकिणो पियो। कुटुंब खे 4 आगस्ट 1944 ई. ते गेस्ट्यापो (जर्मन पुलिस) द्वारां गिरफ्तार करण ताई एनी पंहिंजी डायरीअ में रोज़ जिनि वाक़अनि खे नोट कंदी रहंदी हुई, उहा डायरी खेसि 1942 ई. में जनम डुंहं ते सूखिड़ीअ तौर मिली हुई। 15 वरहिनि जी उमिर में हूअ गुज़ारे वई। इन कुटुंब जो हिकु भाती जेको जर्मनीअ जे जुलमनि में ज़िंदह बची वियो, उन एनी फ्रेंक जी इच्छा मूजिबु उहा डायरी छपाई। जंहिंजो नालो रखियो वियो 'द डायरी ऑफ़ अ यंग गर्ल।' इहो किताब दुनिया जो हिकु मजियल एं मशहूर किताब आहे।



6.4 सबक जे आखिर जा सुवाल

1. खालनि में मुनासिब लफ़्ज़ लिखो :

- शख्सु पंहिंजी रोज़ानी ज़िंदगीअ में थियल जो वर्णन कंदो आहे।
- हिक सच्चे दोस्त या साहिड़ीअ वांगुरु हूंदी आहे।

(iii) डायरी लिखण सां असांजी में वाधारे थिए थो।

(iv) डायरी ज़मान में लिखणु घुरिजे।

2. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

(i) पंहिंजियुनि यादगीरियुनि खे वरी जीअण जो कहिडो तरीको आहे?

(ii) डायरीअ में मुदनि सां गडु छा लिखणु घुरिजे?

(iii) डायरी लिखण वक्त शुरूआति में छा लिखणु घुरिजे?

(iv) डायरीअ जे डिनल नमूने में मॉल जे घुमण जो वर्णन कर्हिं कयो आहे?

(v) मॉल में केरु केरु घुमण विया?

3. हेठियनि सुवालनि जा जवाब थोरे में लिखो :

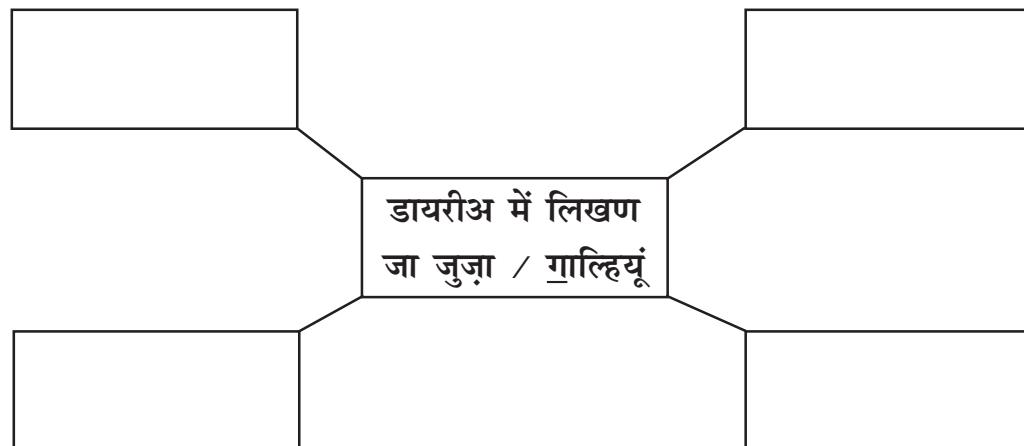
(i) डायरी लिखण जा मकःसद थोरे में लिखो।

(ii) डायरी लिखण वक्ति कहिडियुनि गाल्हियुनि डुंहुं ध्यान डियणु घुरिजे?

(iii) डायरी हिक सच्चे दोस्त या साहिडीअ वांगुरु कीअं आहे?

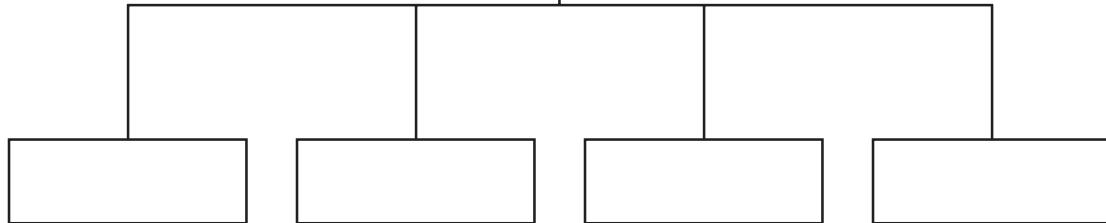
4. हेठियां लफ़्ज़ी ज्ञार पूरा करियो :

(i)



(ii)

सलोनीअ जूं मॉल में डिठल शयूं



5. अण ठहिकंड़ लफ़्ज़ अग्रियां गोलो पायो :

- (i) डायरी, किताब, लेख, गिलास
- (ii) हर्फ जर, हर्फ जुमिलो, हर्फ इस्मु, हर्फ निदा
- (iii) ज़मान हाल, ज़मान वक्तु, ज़मान माज़ी, ज़मान मुस्तक़बिल
- (iv) फ़ाइल, फ़इलु, फ़सुल, मफ़ऊल

6. हिदायत मूजिबु ज़मान बदिलायो :

- (i) असां ख़तु लिखूं था। (ज़मान माज़ी बईद)
- (ii) राजा, विद्वाननि जी इज़त कई। (ज़मान हाल इस्तमुरारी)
- (iii) वीना बूटा पोखींदी आहे। (ज़मान माज़ी)
- (iv) मूं मंघाराम मलकाणीअ जो मशहूर नाटक 'टी पार्टी' पढियो। (ज़मान माज़ी इस्तमुरारी)
- (v) भाविका बाज़ार मां नओं मोबाईल ख़रीद कयो। (ज़मान मुस्तक़बिल)



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (ब)

2. (अ)



ਨਵਾਂ ਲਫੜ੍ਹ

- ਪਹਿਰਿਯੋਂ ਪੁਰਖ = ਪ੍ਰਥਮ ਪੁਰਖ (First Person)
(ਮਾਂ, ਅਸਾਂ)
- ਸ਼ਾਗ੍ਰਿਸ਼ਯਤ = ਵਿਕਿਤਤਵ
- ਆਜਮੂਦਾ = ਅਨੁਭਵ

रिपोर्टाज



कंहिं बि घटना जो अहिवाल पेश करण जो रिपोर्टाज हिकू बहितरीनि ज़्यायो आहे। रिपोर्टाज में अहिवालु तफ़सीलुनि सां डिनो वेंदो आहे। पढ़ंडड जी दिलचस्पी काइमु रहे, इन लाइ सवली भाषा, सचा चित्र ऐं कहाणीअ जा तत्व सिलसिले में इस्तेमाल कया वेंदा आहिनि। अचो त हिन सबकु में रिपोर्टाज बाबत वधीक ज्ञाण हासिल करियूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबकु खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- रोज़ाने जीवन खां अलगु कंहिं घटना/हालत ते अलगु अलगु तरीके सां सृजनात्मक ढंग सां लिखनि था। जीअं त सोशल मीडिया ते, नोट बुक ते या सम्पादक जे नाले ख़तु वगैरह;
- अलगु अलगु मौक़नि / हवालनि में चयल बियनि जे गालिह्युनि खे पंहिंजे ढंग सां लिखनि था। जीअं त स्कूल जे कंहिं प्रोग्राम जी रिपोर्ट ठाहिण या वरी पंहिंजे गोठ जे मेले जे दुकानदारनि सां गालिह बोलिह;
- जुदा जुदा वाक़अनि बाबत रिपोर्टाज पढी, पाण रिपोर्टाज लिखण में महारत हासिल कनि था।



7.1 बुनियादी सबकु

रिपोर्ट लिखण जे बारे में सभिनी खे ज्ञाण आहे। रिपोर्ट जो वास्तो अख़बार / रसाले सां हूंदो आहे, पर रिपोर्टाज अजु जे नएं ज़माने में नसुर जो हिकू नओं किस्मु आहे। रिपोर्ट में फ़कति हकीकतुनि जो

लेखो जोखो शामिल हूंदो आहे पर रिपोर्टज में फ़न ऐं साहित मौजूद हूंदो आहे, इएं चई सधिजे थो। जड्हिं रिपोर्ट में फ़न ऐं अदब जोड़ियो वजे थो, उहो रिपोर्टज जो रूप धारण करे थो। रिपोर्ट में वाक़अनि जो ज़िकिरु हूंदो आहे, पर रिपोर्टज में वाक़अनि जो ज़िकिरु हिक कशिश कंडडे ऐं आनंद डींडडे लय सां हूंदो आहे। रिपोर्ट लिखंडडु कंहिं अख़बार जो एविज़ी थी सघे थो, पर रिपोर्टज लिखंडडु साहित्यकार ई हूंदो आहे।

कंहिं अखियुनि डिठल वाक़ए जो अहिडे दिलचस्पु नमूने बयानु करणु, जो उन जे पढ़ण बइदि, पाठक उन खां जल्दु मुतासिर थी पवे, उन खे रिपोर्टज चइबो आहे। जेतोणीकि रिपोर्टज में, लेखक खे कल्पना जो सहारो बि वठिणो पवंदो आहे, पर सिफ़्र कल्पना जे आधार ते ई सुंदर रिपोर्टज जी रचना मुमकिन कान्हे। रिपोर्टज-लेखक खे, पत्रकार ऐं साहित्यकार बिन्ही जो रोल अदा करिणो पवे थो।

रिपोर्टज-लेखक असां जे हकीकी जीवन जो तवारीख नवीस आहे। इन्हीअ करे हुन लाइ इहो ज़रूरी आहे त हू उन्हीअ विषय ते कलमु हलाए, जंहिं खे हू पंहिंजे अखियुनि सां डिसी चुको हुजे या उन जी चडीअ तरह मालूमात हासिल करे चुको हुजे।

रिपोर्टज लाइ ज़रूरी ग्राल्हियूं :

- रिपोर्टज लिखण में लेखक जी बोली सवली, असिराइती ऐं विषय वाबस्ता हुजे।
- घटना हकीकी हुअणु घुरिजे। पेशि करण में कहाणीअ जा तत्व समायल हुअणु घुरिजनि।
- रिपोर्टज पढ़ंडडनि जे अखियुनि साम्हं हिक ज़िदंह तस्वीर पेश कंडडु हुअणु घुरिजे।
- रिपोर्टज लिखंडडु हिक तिखी जाच वारी नज़र रखंडडु हुअणु घुरिजे।
- रिपोर्टज में घटनाउनि जो सिलसिलो मुँझाईदडु न हुअणु घुरिजे। सिलसिलो हिक असिराइती रिथा मूजिबु ब्रधल हुअणु घुरिजे।
- रिपोर्टज लेखक खे फ़कति रिपोर्ट पेश करिणी न आहे पर हिन खे साहित्यकार जी भूमिका बि अदा करिणी आहे।
- रिपोर्टज में साहित जी खुशिबूझ, चित्रनि जी नुमाइश ऐं लिखण जा फ़न समायल हुअणु घुरिजनि।

रिपोर्टज जा केतिरा ई किस्म आहिनि। मिसाल समाजी रिपोर्टज, सभ्यतिक रिपोर्टज, डायरी लिखणु रिपोर्टज, कौमी रिपोर्टज, खासि वाक़ए रिपोर्टज, संस्मरण रिपोर्टज, तनज़ी रिपोर्टज वगैरह।



7.2 अचो त समुद्धूं

रिपोर्टाज नसुर जी हिक नई शाखा आहे, जंहिं में को बि वाक़ओ तफ़सीलुनि सां पेश कयो वेंदो आहे। इहो वाक़ओ हकीकी घटना ते आधार रखंडड हूंदो आहे। रिपोर्ट पेश करण मतलब कंहिं वाक़ए खे फ़कति लफ़ज़नि में पेश करण न हूंदो आहे, पर रिपोर्टाज में लफ़ज़नि सां गडोगडु केतिरा दिलचस्पी पैदा कंडड इस्म जोडिया वेंदा आहिनि। मिसाल लफ़ज़नि जी सही चूंड, तुज संदेश डींदड लफ़ज़, बयान जी सर्सु बोली, बयान जो मुनासिब सिलसिलो, घटना जो इतिहास ऐं सागिए वक्ति घटना जूं तस्वीरूं वगैरह। समुद्धो किथे वडो रेल हादसो थिए थो त उन रिपोर्टाज में तारीख, डींहुं, जग्हि, जानि माल जो नुक़सान, सभु कारण ऐं असर सवली बोलीअ में सिलसिलेवार चित्रनि समेति समायल हूंदा आहिनि।

हिन सबक में सवले नमूने रिपोर्टाज बाबत ज्ञाण डिनल आहे। आम तौर रिपोर्ट ऐं रिपोर्टाज सागिया समुद्धिया वेंदा आहिनि। सबक में रिपोर्ट ऐं रिपोर्टाज जो फ़कुर्कु बि समुद्धायो वियो आहे। सबक में रिपोर्टाज जा किस्म बुधाया विया आहिनि। सागिए वक्ति रिपोर्टाज कीअं लिखणु घुरिजे, उन लाइ ज़रूरी मुदा बि डिना विया आहिनि।



सबक बाबत सुवाल 7.1

1. सही (✓) या ग़लत (✗) जा निशान लगायो :

- (i) रिपोर्ट ऐं रिपोर्टाज में को बि फ़कुर्कु न आहे। ()
- (ii) रिपोर्टाज लेखक खे केतिरियूं ई भूमिकाऊं अदा करिणियूं पर्वंदियूं आहिनि। ()
- (iii) रिपोर्टाज नसुर जी हिक नई शाखा आहे। ()



मशिगूलियूं 7.1

- (1) तव्हां जे आसपास कंहिं घटना जो थोरे में रिपोर्टाज ठाहियो, मिसाल को हादसो, चोरी वगैरह।
- (2) झूनियुनि अख़बारनि/रसालनि मां घटनाउनि जा चित्र कटे पर्हिंजी कॉपीअ ते चिपकायो।



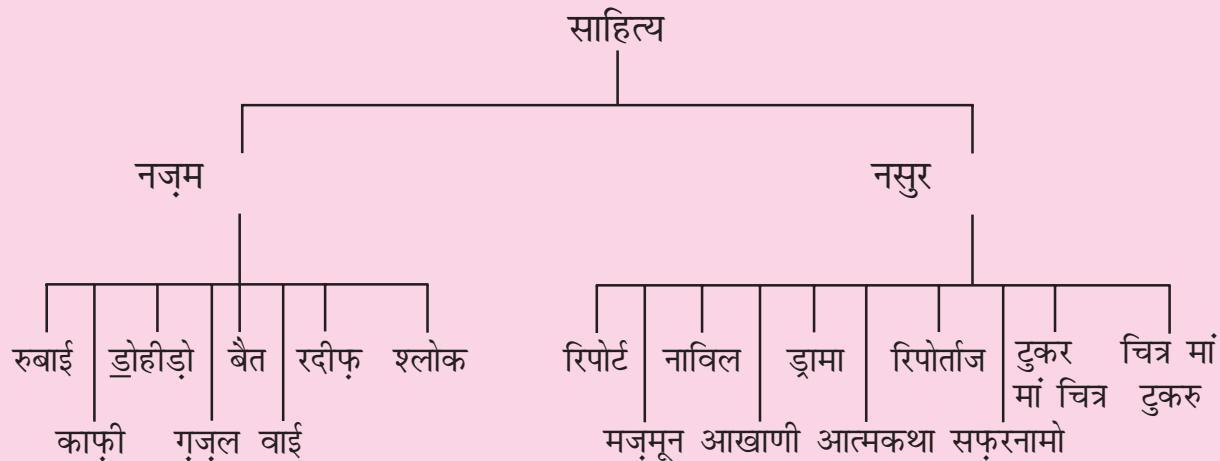
तव्हीं छा सिखिया

- रिपोर्टज अजु जे नएं ज़माने में कॅहिं घटना खे पेश करण जो हिकु नमूने आहे।
- रिपोर्टज में अहिवाल मुकमल हुअणु घुरिजे।
- रिपोर्टज पेश करण में तकनीक जो इस्तेमाल करे सधिजे थो।
- रिपोर्टज में सज्जी घटना जो ई ज़िकिरु हूंदो आहे।



वधीक ज्ञाण

(1) असां जे राबिते जो मुख्य ज़रीयो आहे बोली। ग्राल्हाइण असां खे जानवरनि खां अलग करे थो। असीं पहिंजे वीचार, इज़हार, ग्राल्हाइण ज़रीए पेश करियूं था। ग्राल्हाइण खां पोइ लिखण ज़रीए बि असां पहिंजा ख्याल, तसवुर, बयान, अहिवाल, भावनाऊं केतिरनि मुख्तलिफ़ तरीक़नि ज़रीए पेश करे सधूं था। अचो त उन बाबत कुझु ज्ञाण हासिल करियूं।



(2) रिपोर्टज लफ़ज़ फ्रेंच बोलीअ मां निकितल आहे। बी महाभारी लड़ाईअ में इन्हीअ नई शाखा जो जनपु थियो। फ्रेंच बोलीअ में इन खे 'रि-पोर्टज' चयो वेंदो आहे, जॅहिं जो मतलब आहे 'सभिनी जी ज्ञाण डियणु, बुधाइणु या लाग्यापो डुखारणु' या वरी खणणु। अजु रिपोर्टज सभिनी बोलियुनि में इस्तेमाल कयो वेंदो आहे। रिपोर्टज ज़रीए हकीकी घटनाउनि जी ज्ञाण खे वापस ज़िंदह कयो वेंदो आहे।

मशहूर लेखक विश्वम्भरनाथ उपाध्याय मूजिबु रिपोर्टर्ज कर्हिं वाक्‌ए जो कलात्मक एं साहित्यिक रूप आहे एं बिना तखील (कल्पना शक्तीअ) जे आजमूदे रिपोर्टर्ज असफल आहे एं साग्रिए वक्ति आजमूदे खे तखील में पुऱ्हो करण बिना रिपोर्टर्ज कामियाबीअ सां न लिखी सधिबो।

(3) बी महाभारी लडाईअ वक्ति, नसुर जी हीअ नई अद्बी शाख मगर्बी मुल्कनि में उसिरी हुई एं पोइ उहा दुनिया भरि में फहिलिजी वेई। सिंधीअ में गोवा जे आजादी आंदोलन ते लिखियल मोहन कल्पना जी रिपोर्टर्ज ‘अजा रात बाकी आहे’, काफी मशहूर आहे।



सबक जे आखिर जा सुवाल

1. हेठि डिनल आपदाउनि खे ‘कुदिरती आपदा’ एं ‘हथरादू आपदा’ में विरहायो :
 - (i) जिलजिलो
 - (ii) बोडि
 - (iii) बादलनि जो फाटणु
 - (iv) रेल हादसो
 - (v) बिजली सर्किट सबब बाहि
 - (vi) बमबाजी
2. ‘रिपोर्टर्ज’ लफ्ज जा अखर इस्तेमाल करे, ठहियल नवां लफ्ज हेठि डिनल चौकुंडे में डिनल आहिनि। मुनासिब जवाब चूंडे खाल भरियो :

ताज, तार, रज, पूज, पुर, पोरज, तारिज

- (i) यामे जी बिजलीअ जी सुठी वाहक आहे।
- (ii) हे भगवान! असां खे मुसीबतुनि खां
- (iii) गुल जे नरवार में जा दाणा मौजूद हूंदा आहिनि।
- (iv) राजा हिकु सोने जो ठहिरायो।

3. हेठि डिनल सिट मां मुनासिब लफ़्ज़ गोलहे चौकुंडे में लिखो :

‘रिपोर्टज’ लिखण में लेखक जी बोली सवली, असिराइते विषय सां वाबस्ता हुअणु घुरिजे।

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (i) लिखंदड़ - | <input type="text"/> |
| (ii) समुझ में ईदड़ - | <input type="text"/> |
| (iii) असर कंडड़ - | <input type="text"/> |
| (iv) लगापो रखंदड़ - | <input type="text"/> |

4. ‘साहित्यकार’ लफ़्ज़ में ‘कार’ पछाड़ी आहे। हेठि डिनल चौकुंडे मां उहे लफ़्ज़ गोल्हियो, जिनि में ‘कार’ पछाड़ीअ जो इस्तैमाल थी सधे :

डींहुं, थधि, निरा, आ, गर्मी, मंझांदि, बे, सा, शाहू, कला, काग़ज़

5. हेठि डिनल लफ़्ज़नि मां ज़िदनि जा जोड़ा गोलहे लिखो :

सवलो, कुदिरती, बोडि, लड़ाई, हथिरादू, अमन, डुखियो, सोक।

6. मुनासिब जवाब मथां गोल पायो :

- (i) सिफ़ति : असिराइती, गाल्ह, सलाह, सिलसिलो
(ii) हम-आवाज़ी लफ़्ज़ : कार-मोटर, वार-हार, हार-सोन, सोन-चांदी
(iii) साग्री माना वारा लफ़्ज़ :

वास्तो-असर, वास्तो- लगापो, वास्तो- ज़रीयो, वास्तो-रस्तो

- (iv) बिना ‘म’ अखर वारो लफ़्ज़ : मुंहिंजो, माउ, माता, राजा
(v) ज़मान हाल :
- मां स्कूल वेंदुसि, मां स्कूल वजां थो, मां स्कूल वियुसि, मां स्कूल वियो होसि
- (iv) अदद जा जोड़ा : छोकिरो-छोकिरी, छाकिरो-छोकिरा, छोकिरो-भाउ, छोकिरो-दोस्त

7. जोडा मिलायो :

- | | |
|---------------------------|-------------|
| (i) 'त' अखरु शुरूअ में | (अ) सभ्यतिक |
| (ii) 'त' अखरु विच में | (ब) तमाम |
| (iii) 'त' अखरु आखिर में | (स) ध्यान |
| (iv) 'त' अखरु मौजूद न आहे | (द) बाबत |



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) ✗
- (ii) ✓
- (iii) ✓



नवां लफ़्ज़

- रिपोर्टज = अहिवाल पेश करण जो हिकु नमूने
- लेखो जोखो = हिसाब किताब
- फ़न = कला, हुनुरु
- तालुक़ = वास्तो
- बाबत = लाग्यापो रखंड़
- रिथा = योजना



गुम थियल छोकिरो

तव्हां कडहिं कंहिं बागीचे में या बिए किथे घुमण विया हूंदा। स्कूल मां ईदे ईदे रस्ते में कंहिं बार जे गुम थी वजण जो बुधो हूंदो। उहो बारु कीअं गुम थी वियो हूंदो, उन खे केरु पकिडे वठी वियो, उन वक्ति तव्हां सोचींदा हूंदा। तरह तरह जा वीचार तव्हांजे मन में अची सघनि था। अहिडे ई नमूने जो हिकु मज़मून (सबक) पढ़ंदासीं, जंहिं में हिकु छोकिरो गुम थी थो वजे।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- पढण जे जुदा जुदा सामग्रियुनि में कम आंदल लफ़्ज़नि, मुहावरनि, चवणियुनि जी माना समुझाईदे, उन्हनि जी साराह कनि था;
- अण सुजातल हालतुनि ऐं घटनाउनि जी कल्पना कनि था ऐं उन ते पंहिंजे मन में ठहियल तस्वीरुनि ऐं वीचारनि जे बारे में जुबानी/लिखियल भाषा में बुधाइनि था;
- कहाणी, कवीता वगैरह पढ़ी लिखण जे जुदा जुदा तरीक़नि ऐं शैलियुनि खे सुजाणनि था। मिसाल तौर बयानी, तफ़सीली वगैरह।



8.1 बुनियादी सबकु

गाल्ह पुराणी कान्हे, ताजी आहे। हिक गोठ में हिकु नंदिडे छोकिरो गुम थी वियो। माण्हू हुन जी तलाश में गोठ गोठ विया। आसपास जे सभिनी गोठनि में सनसनी फहिलिजी वेई। आखिर नंदिडे छोकिरो वियो त केडाहुं वियो?

स्कूल हली रहियो हो त दीपक ऐं मनोज जी डाडी भजंदी भजंदी आई ऐं खेनि चवण लगी, “पंहिंजे नंदे भाउ जो खऱ्याल रखिजो ऐं पाण सां गडु ई खेसि घर वठी अचिजो; गोठ में अलाए जे केरु हिक नंदिडे छोकिरे खे भजाए वियो आहे....।”



उहे टई भाउर गडिजी घर वजी रहिया हुआ त हुननि पंहिंजे गोठ जे हिक अपाहिज भिखारीअ खे वेंदे डिठो। हू पंहिंजे कुल्हे ते हिकु वडो झोलो लटिकाए, झटिपट झटिपट वजी रहियो हो। दीपक चयो, “अजु हिन लूले लंगडे भिखारीअ में अहिडी कहिडी जानि अची वेई आहे, जो एतिरो भारी थेल्हो खणी, डुकंदो डोडंदो वजी रहियो आहे?”

उहो भिखारी गोठ जे स्कूल खां काफी परे, पुराणे खंडहर डांहुं वजी रहियो हो। दूर हिक नंदी टकिरीअ ते पुराणी इमारत आहे। माण्हू चवंदा आहिनि, उहो जिननि भूतनि जो डेरो आहे। इनकरे उते केरु बि ईदो वेंदो न हो। लेकिन कुझु साल अगे के सरकारी माण्हू वडियूं वडियूं कैमेराऊं खणी उते आया हुआ ऐं उन जा फोटा कढी रहिया हुआ। उहे चवनि पिया, इहा पुराणी इमारत खिलजी घराणे जी आहे। दीपक ऐं मनोज खे याद आहे त उहे पाण बि हुननि सरकारी माण्हुनि पुठियां विया हुआ ऐं उन टकिरीअ जे हेठाहींअ में उसिरी आयल वणि ब्रूटनि ताई पहुता हुआ। पर उते हिकु कुतो ज़ोर ज़ोर सां भौंकी रहियो हो त उहे पंहिंजे गोठि मोटी आया हुआ।

घर अची हुननि पंहिंजीअ माउ खे उन बुढे, लूले लंगडे भिखारीअ जी सरबस्ती गालिह करे बुधाई ऐं खांउसि पुछियाऊं, “इहे माण्हू नंदिडनि छोकिरियुनि खे छो खणी वेंदा आहिनि?”

माउ वराणियो, “उहे उन्हनि बारनि खे अपाहिज बणाए, बिख्या पिनाराईदा आहिनि ऐं पंहिंजा पेट पालींदा आहिनि। लेकिन तव्हीं हुन जे बारे में जेकी कुझु सोचियो था, उहो कुझु नाहे। मूं पिण उहो बुढो लूलो लंगडो भिखारी डिठो आहे। हू अहिडो नाहे।”

ਕਰੀ ਬਿ ਦੀਪਕ ਏਂ ਮਨੋਜ ਜੇ ਮਨ ਮੌਂ ਸ਼ਾਂਕਾ ਬਰਕੁਰਾਰ ਹੁੰਈ। ਤਹੇ ਛੋ ਕੀਨ ਤਨ੍ਹੀਅ ਭਿਖਾਰੀਅ ਜੋ ਪੀਛੇ ਕਰੇ ਤਨ ਖੰਡਹਰ ਤੁਹਾਂਹੁੰ ਵਜਨਿ? ਹੂ ਬੁਈ ਕੋ ਬਹਾਨੇ ਕਰੇ ਘਰਾਂ ਬਾਹਿਰ ਨਿਕਿਤਾ ਏਂ ਸਿਧੋ ਟਕਿਰੀਅ ਜੇ ਹੇਠਾਹੀਅ ਵਾਰਨਿ ਵਣਨਿ ਬੂਟਨਿ ਤਾਈ ਪਹੁੰਚੀ ਟਕਿਰੀਅ ਤੇ ਮਥੇ ਚਢਣ ਲਗਾ।

ਹੋਡਾਂਹੁੰ ਸੰਦਨਿ ਮਾਡ ਡਿਠੋ ਤ ਤਹੇ ਬੁਈ ਕਿਥੇ ਗ੍ਰਾਇਬੁ ਹੁਆ। ਪੋਝ ਤ ਘਰ ਮੌਂ ਬਾਏਤਾਲ ਖਣੀ ਮਚਾਯਾਈ।

ਦੀਪਕ ਏਂ ਮਨੋਜ ਪੁਰਾਣੇ ਖੰਡਹਰ ਮੌਂ ਧੀਰੇ ਧੀਰੇ ਕੁਦਮ ਰਖਿਆ। ਬਿਨ੍ਹੀਂ ਜੇ ਹਥਨਿ ਮੌਂ ਨੋਕਦਾਰ ਪਥਰ ਹੁਆ। ਲੇਕਿਨ ਤਨ੍ਹਨਿ ਬਿਨ੍ਹੀਂ, ਤਤੇ ਪਹੁੰਚਣ ਖਾਂ ਅਗੁ ਇਰਾਦੇ ਕਿਧੇ ਹੋ ਤ ਤਹੇ ਕੱਹਿੰ ਬਿ ਮਾਣਹੂਅ ਸਾਂ ਝਾਗਿਡੋ ਗਿਨ੍ਹੀਂ ਨ ਵਠਦਾ; ਸਿਫ਼ ਤਤੇ ਜੋ ਸਮਾਉ ਲਹੀ ਈਂਦਾ ਏਂ ਘਰ ਸੂਧੋ ਗੁਠ ਵਾਰਨਿ ਖੇ ਤਨ ਬਾਬਤ ਬੁਧਾਈਂਦਾ।

ਦੀਪਕ ਸੁਰਕਾਟ ਮੌਂ ਚਿਧੇ, “ਚਡੋ ਥਿਧੋ, ਜੋ ਹਿਨ ਭੇਰੇ ਅਸਾਂ ਖੇ ਤਹੋ ਭੌਂਕਦੁ ਕੁਤੋ ਨ ਗਡਿਧੋ। ਹਾਣੇ ਤ ਅਸੀਂ ਹਣੀ ਵਜੀ ਹਨਧੁ ਕਦਾਸੀਂ।” ਮਨੋਜ ਵਾਤ ਤੇ ਆਡੁਰਿ ਰਖੀ, ਦੀਪਕ ਖੇ ਸੁਰਕਾਟ ਮੌਂ ਬਿ ਗਲਹਾਇਣ ਖਾਂ ਰੋਕਿਧੋ।

ਏਤਿਰੇ ਮੌਂ ਸੰਦਨਿ ਕਡੇ ਚਾਚੇ ਜੋ ਪੁਟੁ ਪੱਹਿੰਜਨਿ ਘਣਨਿ ਦੋਸਤਨਿ ਖੇ ਕਠੀ ਅਚੀ ਤਤੇ ਸਹਿਡਿਧੋ। ਸੁਮਿਹਲੁ ਖੰਡਹਰੁ ਜਾਣੀ ਧਿਧੋ। ਤਨ ਜੇ ਅਡਣ ਮੌਂ ਏਤਿਰਾ ਸਾਰਾ ਛੋਕਿਰਾ! ਤਹੋ ਬੁਢੀ ਲੂਲੀ ਲਾਂਗਡੀ ਭਿਖਾਰੀ ਖੰਡਹਰ ਜੀ ਅਲਾਇਜੇ ਕਹਿਡੀਅ ਕੁਂਡ ਮਾਂ ਨਿਕਿਰੀ ਨਿਰਵਾਰ ਥਿਧੋ। ਹੁਨ ਏਤਿਰਨਿ ਛੋਕਿਰਨਿ ਖੇ ਖੰਡਹਰ ਮੌਂ ਡਿਸੀ, ਪੱਹਿੰਜੀਅ ਸਲਾਮਤੀਅ ਲਾਇ ਭਜੀ ਵਤਣੁ ਚਾਹਿਧੋ।

ਕੁਝੁ ਛੋਕਿਰਾ ਹੁਨ ਜੇ ਪੁਠਿਆਂ ਵਿਧਾ ਏਂ ਕੁਝੁ ਛੋਕਿਰਾ ਸੰਦਸਿ ਰਸਤੋ ਰੋਕਣ ਲਾਇ ਬੀਠਾ ਰਹਿਆ। ਜੀਅਂ ਈ ਹੁਨਨਿ ਨਜ਼ਰ ਵਰਾਏ ਡਿਠੋ, ਤੀਅਂ ਈ ਖੇਨਿ ਹਿਕੁ ਨਾਂਫਿਡੀ ਛੋਕਿਰੇ ਬੇਹੋਸ਼ੀਅ ਜੀ ਹਾਲਤ ਮੌਂ ਜ਼ਮੀਨ ਤੇ ਸੁਮਿਹਲੁ ਡਿਸਣ ਮੌਂ ਆਧੋ। ਛੋਕਿਰਾ ਤਨ੍ਹੀਅ ਭਿਖਾਰੀਅ ਏਂ ਗੁਮਸ਼ੁਦਾ ਛੋਕਿਰੇ ਖੇ ਗੁਠਿ ਕਠੀ ਆਧਾ। ਪੋਝ ਤ ਛੋਕਿਰੇ ਹੋਸ਼ ਮੌਂ ਆਧੋ। ਗੁਠ ਵਾਰਨਿ ਪੁਲਿਸ ਖੇ ਸੂਚਨਾ ਡਿਨੀ ਏਂ ਪੁਲਿਸ ਤਨ੍ਹੀਅ ਭਿਖਾਰੀਅ ਖੇ ਗਿਰਫ਼ਤਾਰ ਕਿਧੋ। ਅਗਿਤੇ ਹਲੀ ਦੀਪਕ ਏਂ ਮਨੋਜ ਖੇ ਗੁਠ ਵਾਰਨਿ ਏਂ ਪੁਲਿਸ ਤਰਫ਼ਾਂ ਬਿ ਇਨਾਮ ਮਿਲਿਧੋ।

– ਡਾਕਟਰ ਮੋਤੀਲਾਲ ਜੋਤਵਾਣੀ



8.2 ਅਚੋ ਤ ਸਮੁੜ੍ਹੁ



ਹਿਨ ਆਖਾਣੀਅ ਮੌਂ ਅਜੁ ਕਾਲਹ ਜੇ ਮਾਹੋਲ ਜੀ ਜਾਣ ਮਿਲੇ ਥੀ ਤ ਕੀਅਂ ਅਬਹਮ, ਨਂਢਨਿ ਛੋਕਿਰਨਿ ਏਂ ਛੋਕਿਰਿਧੁਨਿ ਖੇ ਚੋਰੀ ਕਰੇ, ਅਪਾਹਿਜ ਥਾ ਕਨਿ ਏਂ ਬਿਖਾ ਥਾ ਪਿਨਾਇਨਿ, ਜਾਣੁ ਇੰਸਾਨਿਧਤ ਮਰੀ ਚੁਕੀ ਆਧੋ।

पुराणियुनि इमारतुनि में ग़्लत ऐं बुरा कम करण लाइ उन्हनि में जिननि भूतनि जो वासो तुधाए, समाज में दहशत पैदा थी कई वजे। पर जड्हिं के समाज जा माण्हू हिमथ करे अहिड़नि कारनामनि जे तह ताई पहुचनि था त अपराधी पंहिंजो पाण खे कानून जे हवाले करे छडींदा आहिनि ऐं अबहम बारनि जी जानि बची वजे थी। जहिड़ीअ तरह हिन आखाणीअ में दीपक ऐं मनोज हिमथ डेखारींदे खंडहर मां लूले लंगड़े भिखारीअ वटां बेहोश छोकिरे खे रडियल हथें पकिड़ियो ऐं जड्हिं उन्हीअ भजणु पिए चाहियो त बियनि बारनि अची उन खे पकिड़े पुलिस जे हवाले कयो।

अहिड़ीअ रीति हिमथ करण वारनि खे समाज में बि इज़त मिले थी ऐं उन्हनि जी हौसला अफ़ज़ाई थिए थी।



सबक़ बाबत सुवाल 8.1

1. सागीअ माना वारनि लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

- | | |
|--------------|---------------------|
| (i) सनसनी | (अ) गोल्हा |
| (ii) खंडहर | (ब) सिलसिलेवार |
| (iii) तलाश | (स) काइमु |
| (iv) सरबस्ती | (द) टुटल फुटल इमारत |
| (v) बरक़रार | (य) दहशत |

3. ब्रेकेट मां सही लफ़्ज़ चूंडे खाल भरियो :

(इमारत, कैमराऊं, नंदिड़ो छोकिरो, अपाहिज भिखारी, नोकदार)

- हिक गोठ में हिकु गुम थी वियो।
- टिन्हीं भाउरनि पंहिंजे गोठ जे हिक खे डिठो।
- दूर हिक नंदी टकिरीअ ते पुराणी आहे।
- बिन्हीं जे हथनि में पत्थर हुआ।
- सरकारी माण्हू वडियूं वडियूं खणी आया हुआ।



मशिगूलियूं 8.1

- (1) हिन सबक खे पढण ऐं समुझण सां तव्हां बि कंहिं ज़रूरतमंद जी मदद करे, उन्हीअ किस्से जो वर्णनु पंहिंजनि लफ़्ज़नि में करियो।



तव्हां छा सिखिया

- हिन सबक मां तव्हां खे इहा ज्ञान मिली त माझटनि सां सचु गाल्हाइणु खपे ऐं जेकडुहिं का ग़लत गाल्हि या कमु थिए थो त चुप करे वेही न रहिजे, बल्कि हिमथ रखी उन्हीअ परेशानीअ जो समाधान कजे, जीअं दीपक ऐं मनोज गुम थियल छोकिरे खे बचायो। हू पंहिंजनि माझटनि सां वापस वजी मिलियो।



वधीक ज्ञान

बाल वीरता पुरस्कार

भारत में बारनि खे गैर मामूली बहादुरी डेखारण लाइ इहो सनमान डिनो वेंदो आहे। ही इनाम उन्हनि बारनि खे डिना वेंदा आहिनि, जेके डुखियुनि या ख़तरनाक हालतुनि में बि मिसाल पेशि करे हिमथ ऐं हौसले जी वाक्फ़यत डींदा आहिनि।

हिननि इनामनि जी शुरूआति 1957 ई. में थी हुई, जडुहिं राष्ट्रपति भवन जे वेज्ञो बुरंदड खेमे में फाथल बारनि खे बचाइण में बिनि बारनि बहादुरी डेखारी। तडुहिं खां हर साल प्रजावादी डींहं जे मौके ते ही इनाम विरहाया वेंदा आहिनि। हिन सनमान में बारनि खे मेडल, सर्टीफ़िकेट ऐं नक़द इनाम डिना वेंदा आहिनि ऐं अवार्ड हासिल कंदड बार बि प्रजावादी डींहं जी परेड में शिकरत कंदा आहिनि।

बारनि जे बहादुरीअ जा अवार्ड केतिरनि ई भाडनि में डिना वेंदा आहिनि, जिनि में अहम आहिनि-

1. भारतीय बाल वीरता पुरस्कार
2. संजय चोपडा पुरस्कार
3. गीता चोपडा पुरस्कार
4. बापू गांधीजी पुरस्कार



सबकू जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) दीपक ऐं मनोज कहिडे इरादे सां खंडहर में विया?
- (ii) खंडहर में बिन्हीं भाउरनि छा डिठो?
- (iii) दीपक ऐं मनोज जी मदद लाइ केरु आया?
- (iv) पुलिस पंहिंजो फ़र्जु कीअं पूरो कयो?

2. हेठि डिनल जुमिला कहिं, कहिं खे चया आहिनि :

- (i) “पंहिंजे नंदे भाउ जो ख्यालु रखिजो ऐं पाण सां गडु ई खेसि वठी अचिजो।”
- (ii) “इहे माण्हू नंदिडनि छोकिरनि छोकिरियुनि खे छो खणी वेंदा आहिनि?”
- (iii) “उहे उन्हनि बारनि खे अपाहिज बणाए बिख्या पिनाईदा आहिनि।”
- (iv) “चडो थियो, जो हिन भेरे असां खे उहो भौकंदड कुतो न गडियो।”

3. सही (✓) या गळत (✗) जा निशान लगायो :

- (i) हिक गोठ में हिकु नंदिडो छोकिरो गुम थी वियो। ()
- (ii) स्कूल हली रहियो हो त दीपक ऐं मनोज जी माउ भजंदी भजंदी आई। ()
- (iii) दीपक ऐं मनोज पुराणे खंडहर में धीरे धीरे क़दम रखिया। ()
- (iv) दीपक ऐं मनोज खे गोठ वारनि ऐं पुलिस तरफ़ां इनाम मिलिया। ()

4. हेठियनि सुवालनि जा जवाब थेरे में लिखो :

- (i) डाडीअ बारनि खे कहिडी ताकीद कई ऐं छो?
- (ii) स्कूल मां मोटंदे टिन्हीं भाउरनि छा डिठो?
- (iii) दीपक ऐं मनोज कहिडी सरबस्ती गाल्ह कई?
- (iv) दीपक ऐं मनोज जी माउ भिखारीअ जे बारे में छा बुधायो?
- (v) हिन भेरे असां खे उहो भौकंदड कुतो गडियो। ()



ਸਬਕੁ ਬਾਬਤ ਸੁਵਾਲਨਿ ਜਾ ਜਵਾਬ

1. (i) ਸਨਸਨੀ - ਦਹਸਤ
 (ii) ਖੰਡਹਰ - ਟੁਟਲ ਫੁਟਲ ਇਮਾਰਤ
 (iii) ਤਲਾਸ਼ - ਗੋਲਹਾ
 (iv) ਸਰਬਸਤੀ - ਸਿਲਸਿਲੇਵਾਰ
 (v) ਬਰਕਰਾਰ - ਕਾਇਮੁ
3. ਖਾਲ :
 (i) ਨੰਢਿਡੇ ਛੋਕਿਰੇ
 (ii) ਅਪਾਹਿਜ ਭਿਖਾਰੀ
 (iii) ਇਮਾਰਤ
 (iv) ਨੋਕਦਾਰ
 (v) ਕੈਮਰਾਊ



ਨਵਾਂ ਲਫ਼ਜ਼

- ਤਲਾਸ਼ = ਗੋਲਹਾ
- ਸਨਸਨੀ = ਦਹਸਤ
- ਖੰਡਹਰ = ਟੁਟਲ ਫੁਟਲ ਇਮਾਰਤ
- ਤਾਕੀਦ = ਆਗਾਹੁ, ਹਿਦਾਯਤ
- ਸਰਬਸਤੀ = ਸਿਲਸਿਲੇਵਾਰ, ਸਮੂਰੀ
- ਬਰਕਰਾਰ = ਕਾਇਮੁ
- ਸੁਰਖਾਟ = ਭੁਣਿਕੇ ਸਾਂ, ਧੀਰੇ



आडुरियूं ऐं मुंडी

ईश्वर, कुदरत वारे, अनेक नायब रचनाऊं रचियूं आहिनि। समूरी कायनात जे सिरजणहार सभिनी में का न का खूबी बख्शी आहे, जेका उन जो कळुरु कराए थी। जीअं रंगा रंगी गुलनि मंडिं खुशिबूझ उन्हनि जे रंग ऐं सूंहं में इजाफ़ो करे थी, आसमान मंडिं सिजु, चंदु ऐं तारा सूंहं वधाइनि था। उन्हीअ ख़ालिक़ इंसान खे ख़लिक़, किस्में किस्में जी ड्राति बख्शो मालामाल कयो आहे। इनकरे इंसान खे सभिनी खां वधीक खूबियुनि सां भरपूर सुंदर कारीगरी लेखिजे थो। ईश्वर इंसान खे अनेक गुण डिना आहिनि, इन करे हर इंसान जी पंहिंजी पंहिंजी अहमियत आहे। किनि इंसाननि में खासि गुण, के खासि खूबियूं उन खे बियनि इंसाननि खां बहितर बणाईनि थियूं। ख़ालिक़ इंसान खे प्यार, निवडत, हलीमाई (निहठाई या नम्रता), शेवा, सहनशीलता ऐं महिनत करण जी जेका ड्राति बख्शी आहे, उहा हिक इंसान खे बिए इंसान खां जुदा ऐं बहितर बणाए थी पर इन्हनि मां जंहिं खे निवडत जो नियाज अता थियल आहे, उहो सभ खां अगिरो मजियो वेंदो आहे।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- भाषा जे बारीकियुनि / बंदोबस्त खे लिखियत में कमि आणीनि था। जीअं त कवीता जे लफ़ज़नि खे बदिले, माना ऐं लय खे समुझणु;
- इज़हार जे अलगु अलगु इबारतुनि / रूपनि खे सुजाणनि था, खुदि लिखनि था। जीअं त कवीता, कहाणी, मज़मून वगैरह;
- पढियल सामग्रीअ ते चिंतन कंदे समुझ जे लाइ सुवाल पुछनि था।



9.1 बुनियादी सबकु



(1)

ठही आई ठाठ सां चोखी चिलिकेदार,
मुंडीअ मचायो मामलो मुश्किल मजेदार,
पाइण लाइ अची पेई पंजनि ई मंझि पचार,
हरिका रही होशियार, हुजत हलाइण वास्ते।

(2)

सोनारो अमीन थी आसण ते आयो,
हुकुम हर कंहिं खे थियो : हुजत हलायो,
पंहिंजी पंहिंजी लाइकी बेशक बतायो,
जॉहिं साबित सुणायो, मुंडी सा मूं खां वठे।

(3)

विचींअ उथी वाह जो डिनो दादु दलीलु,
चे वडिपणु वरिसे में मिलियो डिसो मुंहिंजो डीलु,
मूं खां आहे केतिरो बियनि जो कळु कळीलु,
जा सभिनि सुरखील मुंडी तंहिंखे ई मिले।

(4)

बहुगुण ब्राच उथी चयो खोले खूबु गलो,
पवित्र आहियां, पायां आऊं ई डभ-छलो,
मूं बिन हिंदुनि जो न थिए क्रिया कर्मु भलो,
पंडित वट चलो त चवंदो सचीअ साख सां।



(5)

ਡੁਸਿਣੀਅ ਡਾਢੇ ਡੁਂਵ ਸਾਂ ਚਧੋ ਚੁਸ਼ੁ ਵਰੀ,
ਡੁਸੇ ਮਾਗੁ ਮੁੰਝਿਯਲ ਖੇ ਥੀ ਕਰਿਆਂ ਰਹਬਰੀ,
ਚਿਲਾਏਮ ਨ ਚੌਂਕ ਤੇ ਜੇ ਸਾਂਦਹਿ ਸੰਤਰੀ,
ਟੁਕਿਰਾ ਥੀ ਟਕਿਰੀ, ਹੂਂਦ ਗਾਡਿਯੂਂ ਪਵਨਿ ਗੋਡੇ ਮੌ।

(6)

ਆਡੂਠੀਅ ਜੋ ਆਸਿਰੇ ਆਹਿਆਂ ਆਡੂਠੋ,
ਜੁੰਗਿ ਬਹਾਦੁਰੁ ਜਬਿਰੇ ਮਿਡਨੀ ਮੌਂ ਮੋਟੋ,
ਠਾਹਿਆਂ ਘਣੇ ਠਾਹ ਸਾਂ ਠੋਕਰ ਲਾਇ ਠੋਂਸ਼ੋ,
ਚਾਫਿਆਂ ਤਿਲਕੁ ਥੋ ਨਿਰਿਡੇ ਮਥੇ ਮਾਂ ਨਾਜੁ ਸਾਂ।

(7)

ਉਥੀ ਫ਼ਖੁਰ ਏਂ ਨਿਯਾਜੁ ਸਾਂ ਚਧੋ ਚੀਚ ਚਡਿਨਾਂ,
ਅਭਿਰੀ, ਨੰਫਿਡੀ ਨਾਰ ਮਾਂ, ਹੀਣੀ ਏਂ ਹੇਠਾਂ,
ਕੁਹਾਰੀਦੇ ਜਾਇ ਜੇ ਜਿਅਂ ਕੁਹਰ ਕੁਕ ਭਰਿਆਂ,
ਹਰ ਹਰ ਧਰਤੀਅ ਸਾਂ, ਪਾਣੁ ਗਸਾਯਾਂ ਪਾਹਿੰਜੋ।

(8)

ਮੇਡਣ ਮਿਠਿਡੀ ਥੀ ਲਗੇ, ਪੇਰਨਿ ਪਾਕ ਪਿਣੀ,
ਹਲਦੇ ਜੁਤੀਅ ਹੋਤ ਤਾਂ ਪੇਈ ਛਾਰੁ ਛਣੀ,
ਮੂੰਖੇ ਟਹਲ ਟਕੋਰ ਜੀ ਵਧੀਕ ਵਾਟ ਵਣੇ,
ਮੰਜ਼ਾਂ ਖਾਕ ਖਣੀ, ਸਰਹੋ ਕਜੋ ਸੋਨ ਸਾਂ।

(9)

ਚਧੋ ਅਮੀਨ, ਚਡੀ ਡਿਸੀ ਚੀਚ ਚਤੁਰਾਈ,
ਖਿੱਜਮਤ ਖਾਸੀ ਤੂਂ ਕਰੀਂ, ਨਿਉਡ੍ਰਤ, ਨੀਚਾਈ,
ਮੁਕ ਤੁਹਿੰਜੀ ਭਾਇਆਂ, ਮੁੰਡੀ ਹੀਅ ਮਾਈ,
ਪਿਰਤਊਂ ਪਹਿਰਾਈ, ਸੋਨੀ ਮੁੰਡੀ ਚੀਚ ਖੇ।



9.2 अचो त समुद्भूं

हिन कथा-काव्य में हथ जूं पंज आडुरियूं किरदार अदा करे रहियूं आहिनि। इंसान हर वक्ति मां वडो, मां वडो जो तकबरु कंदो रहे थो। हकीकत में प्यार, नियाज, निवडत जा गुण इंसान खे महान बणाईनि था। हिक कथा-काव्य जे ज़रीए जेका समुद्भाणी डुनी वेर्ई आहे, उन में निवडत जो वडो दर्जो आहे। ‘जो वहे, सो लहे’। जो महिनत कंदो, सो पाईदो। जेको निमी-खिमी हलंदो, उहो सभिनी जो प्यार पाईदो। निवडत जो गुण इंसान खे बेशकीमती बणाए थो।

हिक दफे जी गाल्ह आहे त हिक सोनी मुंडीअ पंजनि ई आडुरियुनि में थिरथिलो मचायो। सुहिणी, सुठी, चिलिकेदार मुंडी जडहिं ठही-जुडी अची हथ में पहुती त विचीं, डसिणी, ब्राच, आडूठे ऐं चीच- पंजनि ई आडुरियुनि में मुंडी पाइण जी लालसा जागी। आखिर न्याउ कराइण लाइ हलियूं सोनारे डु। उन्हीअ वटि मुंडीअ खे अमानत तौर रखी चयाऊं त तव्हां फैसिलो करे बुधायो त मुंडी केरु पाए। सोनारो बि ठाठ सां अची आसण ते वेठो ऐं चयाई त तव्हां मां हरिका पंहिंजी खूबी ऐं सरसाई साबित करे। जेका आडुरि पंहिंजो पाण खे साबित कंदी, उहो मुंडी मूं खां वठी पाए। सभ खां पहिरीं विचीं आडुरि चयो- मां कळ-बुत में सभिनी खां वडी आहियां ऐं इहो वडपिणो मूंखे वरिसे में मिलियो आहे। बियूं सभेई मूं खां नंदियूं आहिनि, तंहिं करे जेकडहिं मुंडी मां पाईदियसि त सूंहंदी। ब्राच उथी वडे वाके चयो त मां सभिनी खां पवित्र आहियां, छो त हिंदुनि जा सभेई धर्म कर्म वारा कम मूंखे हथ जे गाह जो छलो पाइण खां सवाइ पूरा न थींदा आहिनि ऐं जे इनजी साबिती खपेव हलो पंडित वटि। इन करे मुंडी पाइण जी हकळार मां आहियां। इन ते ‘मां सभिनी खां चुस्त आहिया’ चई डसिणी उथी खडी थी ऐं चवे त मां भिटकियलनि ऐं मुंझियलनि खे मंजिल जो डसु डियण जो भलो कमु त कंदी ई आहियां ऐं चौक ते सुजागु रही जे चिलायां न त न जाणि त केतिरा हादसा थी पवनि ऐं आमदरपत्त जो मसइलो खडो थी पवे। इन सवाब में भलाईअ जे कम करण वारी हुअण करे मुंडीअ जी हकळार मां आहियां। एतिरे में आडूठे चयो त आडुरियुनि जो बुलु त मुंहिंजे करे आहे; मां थुल्हो, मतारो ऐं जबिरो आहियां। किथे जंगि करण जी ज़रूरत पवे त मां ठौंशो ठहियो पवां। कंहिंजो मान सनमान करिणो हुजे त निरिडे ते तिलकु लगाइण जी ज़िमेवारी मां निभायां। अहिडीअ तरह मां सभिनी खां अगिरो आहियां। हाणे बाकी बची चीची। तंहिं निवडत, निहठाई ऐं ऐजाज सां अर्जु कयो त मां त नंदिडी ऐं नाजुक चीच आहियां। सफाई करण लाइ बुहारी पाईदे मां हेठाहीं थियां त कमु थिए। मूंखे पट तां मिट्टी मेडणु मिठो लगंदो आहे। पेरनि जी पाक मिट्टी ऐं जुतीअ मां किरंडड खाक यानी रख खे निमी करे मेडण में मूंखे सुखु मिलंदो आहे। मूंखे टहिल-टकोर याने शेवा करणु वधीक वणंदो आहे। मुंहिंजी खाक खणी सोन सां मिलाइजे त मुंहिंजो मानु बि सरहो थी पवंदो।



ਸਬक ਬਾਬਤ ਸੁਵਾਲ 9.1

1. ਬ੍ਰੇਕੇਟ ਮਾਂ ਸਹੀ ਅਖਰ ਗੁਲਹੇ ਖਾਲ ਭਰਿਯੋ :

(ਮਜ਼ਦਾਰ, ਹੁਜਤ, ਟਹਿਲ-ਟਕਾਰ, ਚਿਲਿਕੇਦਾਰ, ਮਾਨੁ ਮੁੱਝਿਧਲ, ਅਮੀਨ, ਦਾਦੁ ਦਲੀਲੁ, ਬਾਚ)

- (i) ਠਹੀ ਆਈ ਠਾਠ ਸਾਂ ਚੋਖੀ
- (ii) ਮੁੰਡੀਅ ਮਚਾਯੋ ਮਾਮਲੋ ਮੁਸ਼ਕਲ
- (iii) ਹਰਿਕਾ ਰਹੇ ਹੋਸ਼ਿਆਰ, ਹਲਾਇਣ ਵਾਸਤੇ।
- (iv) ਸੋਨਾਰੇ ਥੀ ਆਸਣ ਤੇ ਆਯੋ।
- (v) ਵਿਚੀਂਅ ਉਥੀ ਵਾਹ ਜੋ ਡਿਨੋ
- (vi) ਬੁਹਗੁਣ ਉਥੀ ਚਧੋ ਖੋਲੇ ਖੂਬੁ ਗਲੋ।
- (vii) ਡੁਸੇ ਖੇ ਥੀ ਕਰਿਆਂ ਰਹਬਰੀ।
- (viii) ਮੂੰਖੇ ਜੀ ਵਧੀਕ ਵਾਟ ਵਣੇ।



ਮਣਿਗੁਲਿਧੁ 9.1

- (1) ਪੱਹਿੰਜੇ ਹਥ ਜੇ ਪੰਜੇ ਖੇ ਰੰਗ ਮੌਕੇ ਵਿੱਚ ਬੋਡਿਆਂ ਏਂ ਅਛੇ ਪਨੇ ਤੇ ਤਨ ਜੋ ਛਾਪੇ ਹਣੀ, ਹਰ ਆਡੁਰਿ ਜੋ ਨਾਲੋ ਲਿਖੋ।
- (2) ਵਿਚੀਂ, ਬਾਚ, ਡੁਸਿਣੀਅ, ਆਡੂਠੇ ਏਂ ਚੀਚ, ਹਰਹਿਕ ਆਡੁਰਿ ਜੀ ਅਹਮਿਤ ਬਾਬਤ 1-1 ਸਿਟ ਲਿਖੋ।



तव्हीं छा सिखिया

- जानिब इंसान खे खूबसूरत गुणनि ऐं शख्सयतुनि सां नवाजियो आहे। प्यार, निवडत, निहठाई, समुझ, महिनत, शेवा, सहनशीलता जहिडा गुण इंसान ज़ाति जी सूंहं में इज़ाफे कनि था।
- हमेशा निवडत, नियाज् ऐं हलीमाईअ सां हलिजे।
- अजायो घमंड न करण घुरिजे।
- सच्चो सोन उहो, जो पाण गसे ऐं चिमके थो।
- असां खे महिनत, नियाज्, निवडत सां हलणु खपे। पोइ इंसान सचो सोन बणिबो।



वधीक ज्ञाण

(1) काव्य जे सिंफुनि मां हिक सिंफ कथा काव्य थींदी आहे, जंहिं में शाइरु काव्य ज़रीए हिक कहाणी बुधाईदो आहे। हीअ सिलसिलेवार लिखियल हूंदी आहे। शाइरु कहाणीअ ज़रीए का न का समुझाणी डर्हिंदो आहे।

(2) छंद शास्त्र मूजिबु 'अ', 'ई', 'उ' नंदा सुर हूंदा आहिनि।

'आ, ई, ऊ, औ' वडा सुर हूंदा आहिनि।

मिसालु : 'ठुंही आई ठाठ सां चोखी चिलिकेदार'

मर्थीं सिट में लीक डिनल 05 अखर नंदा सुर डेखारीनि था। इन खां सवाइ बिया 09 अखर वडा सुर डेखारीनि था।



9.4 सबकं जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- मुंझाईदडु मामलो कंहिं खडो कयो?
- आडुरियुनि कंहिं खे अमीन बणायो?

- (iii) ਸੋਨਾਰੇ ਫੈਸਿਲੋ ਕਰਣ ਖਾਂ ਅਗੁੜ ਆਡੁਰਿਯੁਨਿ ਖੇ ਛਾ ਚਹੋ?
 - (iv) ਵਿਚੀਂ ਆਡੁਰਿ ਜੋ ਛਾ ਚਵਣੁ ਹੋ?
 - (v) ਡੁਸਿਣੀਅ ਪੱਹਿੰਜੀ ਲਾਇਕੀਅ ਬਾਬਤ ਛਾ ਚਹੋ?
 - (vi) ਚੀਚ ਕਹਿਡੋ ਤਕੁੰ ਡਿਨੋ?
 - (vii) ਸੋਨਾਰੇ ਆਖਿਰ ਮੁੰਡੀ ਕਹਿੰ ਖੇ ਪਾਤੀ ਏਂ ਛੋ?

2. हेठियुनि सिटुनि जो नसुरी रूप लिखो :

- (i) ठही आई ठाठ सां चोखी चिलिकेदार।
 - (ii) हरिका रही होशियार हुजत हलाइण वास्ते।
 - (iii) मूँ खां आहे केतिरो बियनि जो कडु कळीलु।
 - (iv) उथी फुखर एं नियाज़ सां चयो चीच चडियां।

3. हेठीयनि ब्याननि सां लाग्यापो रखंदडु सिटूं बैत मां गोल्हियो :

- (i) हरिको पर्हिंजी लियाकृत बुधाए।
 - (ii) मूँ खां सवाइ हिंदुनि जो को कमु न थींदो आहे।
 - (iii) मां वट सां ठौंशो तैयार करियां थो।
 - (iv) मूँखे शेवा जी वाट वधीक वणे थी।

4. निस्बती लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

- | | |
|-------------|------------|
| (i) मुँडी | (अ) फैसिलो |
| (ii) अमीन | (ब) पूजा |
| (iii) पंडित | (स) निरिडु |
| (iv) तिलक् | (द) जेवर |



ਸਬਕੁ ਬਾਬਤ ਸੁਵਾਲਨਿ ਜਾ ਜਵਾਬ

- | | |
|--------------------|------------------|
| 1. (i) ਚਿਲਿਕੇਦਾਰ | (ii) ਮਜ਼ੇਦਾਰ |
| (iii) ਹੁਜਤ | (iv) ਅਮੀਨ |
| (v) ਦਾਦੁ ਦਲੀਲੁ | (vi) ਬਾਚ |
| (vii) ਮਾਣੁ ਮੁੱਝਿਯਲ | (viii) ਟਹਿਲ-ਟਕੋਰ |



ਨਵਾਂ ਲਫੜਾਂ

- ਠਾਠ = ਸ਼ਾਨ
- ਚਿਲਿਕੇਦਾਰ = ਤਜਲੇ ਵਾਰੇ, ਚਮਕਦਾਰ
- ਮਾਮਲੇ = ਝਾਗਿਡ੍ਹੇ, ਫਡ੍ਹੇ
- ਮੁਖਿਕਲ = ਭੁਖਿਧੋ, ਮੁੰਝਾਈਂਦ੍ਹੁ
- ਪਚਾਰ = ਗਾਲਿਹਿ, ਜਿਕਿਰੂ
- ਹੋਸ਼ਿਆਰ = ਬੁਢੀਮਾਨ, ਚਾਲਾਕ
- ਅਮੀਨ = ਫੈਸਿਲੇ ਕਦੂ, ਫੈਸਿਲੇ ਕਰਣ ਲਾਈ ਮੁਕ਼ਰ ਕਯਲ ਮਾਣਹੂ
- ਆਸਣ = ਵਿਹਣ ਲਾਈ ਸਾਫ਼ ਸੁਥਿਰੀ ਜਗ੍ਹਾ, ਪ੍ਰਯਾ ਲਾਈ ਵਿਛਾਇਲ ਕੋ ਸਾਫ਼ ਕਪਡੇ
- ਹੁਜਤ = ਦਲੀਲ, ਪੰਹਿੰਜੋ ਪਾਸੋ ਰਖਣੁ
- ਲਾਇਕੀ = ਲਿਯਾਕੁਤ
- ਬਤਾਧੀ = ਬੁਧਾਧੀ, ਜਾਣਾਧੀ
- ਸਾਬਿਤ = ਮੁਨਾਸਿਬ, ਪਕੋ-ਪੁੱਖਤੋ
- ਸੁਣਾਧੀ = ਬੁਧਾਧੀ, ਜਾਣਾਧੀ
- ਕੜੁ ਕਲੀਲੁ = ਨਨਢੋ ਕੜੁ
- ਸੁਰਖੀਲ = ਸਭਿਨੀ ਖਾਂ ਵਡੋ, ਊਚ

- बुहर = किचिरो
- खोले खूबु गलो = वडे वाके
- मागु = रस्तो
- साख = हाक, नामूस, ईमानदारीअ जे करे प्रतिष्ठा
- रहबरी = रस्तो डेखारणु
- संतरी = पहरेदार
- जुंगि बहादुर = वडो वीर
- नाज़ = दिलकश अदा, फ़खुरु, वडाई
- बुक = बिनि हथनि जੀ चੀच वारनि भाडਨि जੋ ਪਾਣ ਮੌਕੇ ਵਾਂਗੁਰੁ ਮੇਲਾਪ
- ਭਰਿਆਂ = ਖਣਾਂ
- ਪਾਕ = ਪਵਿਤ੍ਰ
- ਪਿਣੀ = ਸਨ੍ਹੀ ਮਿਟੀ
- ਛਾਰ = ਖਾਕ, ਰਖ
- ਚਤੁਰਾਈ = ਸਿਧਾਣਪ
- ਖਾਸੀ = ਨਿਜੁ
- ਖਿੜਮਤ = ਸ਼ੇਵਾ ਟਹਲ, ਆਜਿਧਾਂ
- ਪਿਰਤੱਤ = ਪਾਰ ਸਾਂ



सुहिणी मेहार

सिंधी शाइरीअ जो सरताज शाइरु शाहु अब्दुल लतीफ़ हिकु अहिडो शाइरु आहे, जीहिं जा लोक गीत ऐं लोक कहाणियूं सिंधी साहित्य में अहम दर्जा था वालारीनि। संदसि शाइरी लोक कथाउनि जे आधार ते लिखियल आहे। उन्हनि मां ‘सुहिणी मेहार’ जी लोक कथा जी जाण हिक सबक मां हासिल कंदासीं। हिन लोक कथा में आत्मा ऐं परमात्मा जो मेलाप डेखारियल आहे। ‘सुहिणी आत्मा आहे त मेहार परमात्मा’।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोइ शार्गिर्द-

- पंहिंजे आसपास मौजूद लोक कथाउनि ऐं लोक गीतनि जे बारे में बुधाइनि था;
- कहिं रचना खे पढी, उन जे समाजिक मुलहनि ते चर्चा कनि था। उन जा कारण जाणण जी कोशिश कनि था। पंहिंजे आसपास रहण वारनि कुटुंबनि खां सुवाल पुछनि था;
- शाह अब्दुल लतीफ़ जूं बियूं कहाणियूं पढनि था।



10.1 बुनियादी सबकु

जिनि डींहनि में हिंदुस्तान में मुग़ल घराणे जो शहंशाह राजु कंदो हो, उन्हनि डींहनि में पंजाब जे गुजरात शहर में हिकिडो मशहूर कुंभरु रहंदो हो। संदसि नालो तुला कुंभरु हो। हुन जा ठाहियल थांव खुदि बादशाह ऐं अमीर कमु आणींदा हुआ। इनकरे वटिसि हर किस्म जो सुखु मौजूद हो। खेसि हिक सिकीलधी धीअ हुई। संदसि चहरे मां नूरानी नूरु पियो ब्रहकंदो हो। अकुल में बि अकाबर हुई। संदसि

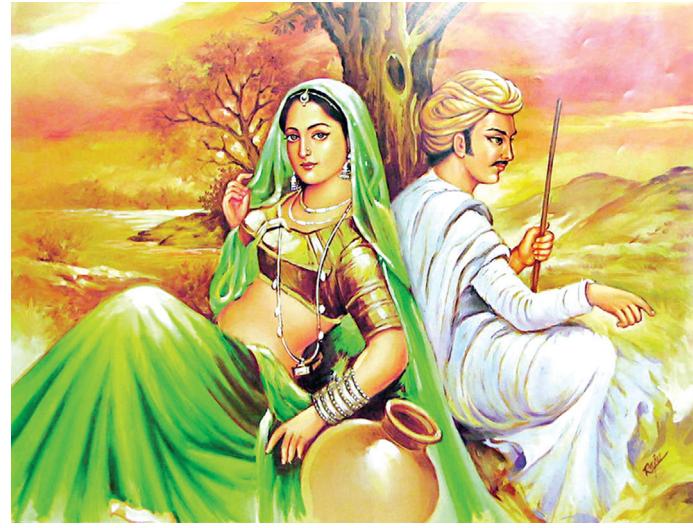
ਬੇਮਿਸਾਲ ਸ੍ਰੂਂ ਜੇ ਕਰੇ ਖੇਚਿ ਸਡੀਂਦਾ ਈ ਸੁਹਿਣੀ ਹੁਆ। ਤਨ੍ਹੀਅ ਜ਼ਮਾਨੇ ਮੌਂ ਤੁਕਿਸ਼ਤਾਨ ਜੇ ਸ਼ਹਰ ਬੁਖਾਰਾ ਮੌਂ ਮਿਰਾਂ ਅਲੀ ਨਾਲੇ ਕਡੇ ਵਾਪਾਰੀ ਰਹਂਦੇ ਹੋ। ਵਟਿਸਿ ਮਾਲ ਮਤਾਅ ਜੀ ਕਮੀ ਕਾਨ ਹੁੰਈ, ਪਰ ਐਲਾਦ ਕੋਨ ਹੋਸਿ। ਹਿਕਿਡੇ ਦਫੇ ਸੰਦਸਿ ਸ਼ਹਰ ਮੌਂ ਹਿਕਿਡੇ ਦਰਵੇਸ਼ ਆਯੋ। ਮਿਰਾਂ ਅਲੀਅ ਸਾਣੁਸਿ ਦਿਲ ਜੋ ਹਾਲ ਓਰਿਧੋ। ਹੁਨ ਦਰਵੇਸ਼ ਚਿਹੁਸਿ, “ਤੋਖੇ ਪੁਟ ਤ ਥੀਂਦੇ, ਪਰ ਸੋਰਹਨਿ ਸਾਲਨਿ ਜੀ ਤਮਿਰ ਮੌਂ ਤੋਖਾਂ ਜੁਦਾ ਥੀ ਵਜੀ ਪਰਡੇਹੁ ਵਸਾਈਦੋ।” ਇਨ੍ਹੀਅ ਗਾਲਿਹ ਖੇਚਿ ਦੁਖੀ ਕਥੋ, ਤ ਬਿ ਐਲਾਦ ਬਿਨਾ

ਸੁਭ ਸਮੁੜੀ ਤਹੋ ਮੰਜੂਰ ਕਧਾਈ। ਡੁਹਨਿ ਮਹਿਨਨਿ ਬਿਵਦਿ ਖੇਚਿ ਹਿਕੁ ਪੁਟ ਜਾਓ। ਸੰਦਸਿ ਨਾਲੋ ਰਖਿਧਾਈ ਇਜ਼ਤ ਬੇਗ। ਖੇਚਿ ਡਾਢੋ ਲਾਡੁ ਕੋਡ ਸਾਂ ਨਿਪਾਧਾਈ। ਇਜ਼ਤ ਬੇਗ ਜਡੁਹਿਂ ਸਾਮਾਣੇ, ਤਡੁਹਿਂ ਹਿੰਦੁਸ਼ਤਾਨ ਜੀ ਹਾਕ ਬੁਧਾਈ। ਦਿਲ ਮੌਂ ਸ਼ੌਂਕੁ ਜਾਗਿਧੁਸਿ ਤ ਵਜੀ ਹਿੰਦੁਸ਼ਤਾਨ ਜੋ ਸੈਰ ਕਰੇ ਅਚਾਂ। ਪਿਣਸਿ ਮਿਰਾਂ ਅਲੀਅ ਖੇਚਿ ਘਣੋ ਈ ਰੋਕਣ ਜੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਈ, ਪਰ ਇਜ਼ਤ ਬੇਗ ਨ ਮੁਡਿਧੋ। ਪੋਝ ਤ ਸੌਦਾਗਰੀਅ ਜੋ ਸਾਮਾਨ ਖਣੀ ਹੂ ਹਲਿਧੋ ਸਫਰ ਤੇ।

ਹਿੰਦੁਸ਼ਤਾਨ ਮੌਂ ਗੁਚੁ ਅਰਿਸੋ ਦਿਲਲੀਅ ਮੌਂ ਰਹਿਧੋ। ਜਡੁਹਿਂ ਦਿਲਲੀਅ ਜੇ ਏਸਾ ਅਸ਼ਿਰਤ ਮਾਂ ਦਿਲ ਭਰਿਜੀ ਵਿਧਿਸਿ ਤ ਲਾਹੌਰ ਡਾਂਹੁੰ ਰੁਖੁ ਕਧਾਈ। ਲਾਹੌਰ ਮਾਂ ਕੇਤਿਰਿਧੁ ਨਫੀਸ ਏਂ ਤਮਦਿਧੁ ਸ਼ਾਧੁ ਖੱਰੀਦ ਕਰੇ ਵਾਪਸ ਵਤਨ ਵਰਣ ਜੋ ਵੀਚਾਰੁ ਕਧਾਈ। ਰਸਤੇ ਤੇ ਰਾਵੀ ਏਂ ਚਿਨਾਬ ਨਦਿਧੁਨਿ ਜੇ ਦੋਆਬ ਮੌਂ ਅਡੁਧਿਲ ਗੁਜਰਾਤ ਸ਼ਹਰ ਜੀ ਰੈਨਕ ਡਿਸੀ ਤੇ ਸੈਰੁ ਏਂ ਆਰਾਮ ਕਰਣ ਲਾਇ ਤਰਸਿਧੋ।

ਸ਼ਹਰ ਜੇ ਅਮੀਰਨਿ ਸਾਂ ਡੇਠ ਕੇਠ ਥਿਧਿਸਿ ਤ ਤੁਲਾ ਕੁਂਭਰ ਜੇ ਥਾਂਵਨਿ ਜੀ ਵਾਖਾਣਿ ਬੁਧਾਈ। ਦਿਲ ਥਿਧਿਸਿ ਤ ਕੇ ਬੰਤਨ ਖੱਰੀਦ ਕਰੇ ਸੂਖਿਡੀਅ ਤੌਰ ਗੇਠ ਖਣੀ ਕਵਾਂ। ਇਨ ਕਰੇ ਪੱਹਿੰਜੇ ਨੈਕਰ ਖੇ ਖੱਰੀਦਣ ਲਾਇ ਤੁਲਾ ਕੁਂਭਰ ਜੇ ਘਰ ਮੋਕਿਲਿਧਾਈ। ਨੈਕਰ ਤੇ ਸੁਹਿਣੀ ਡਿਠੀ ਤ ਮੋਟੀ ਅਚੀ ਮਾਲਿਕ ਸਾਂ ਹੁਨ ਜੇ ਸ੍ਰੂਂ ਜੀ ਵਾਖਾਣਿ ਕਧਾਈ। ਇਜ਼ਤ ਬੇਗ ਬਿਨਾ ਡਿਠੇ ਸੁਹਿਣੀਅ ਤੇ ਮੋਹਿਤ ਥੀ ਪਿਧੋ। ਪੋਝ ਤ ਬੰਤਨ ਖੱਰੀਦ ਕਰਣ ਜੇ ਬਹਾਨੇ ਅਚੀ ਸੁਹਿਣੀਅ ਜੋ ਦੀਦਾਰ ਕਧਾਈ। ਬਸਿ, ਮੁਹਵਤ ਜੋ ਮੇਖ ਦਿਲ ਮੌਂ ਪੁਖ਼ਤੀਅ ਰੀਤਿ ਠੋਕਿਜੀ ਵਿਧੁਸਿ। ਬਿਏ ਤਰਫ ਬਿ ਸਾਗਿਧੋ ਹਾਲ ਥਿਧੋ।

ਸੋ ਵਤਨ ਵਰਣ ਜੋ ਵੀਚਾਰੁ ਤਖਾਗੇ, ਗੁਜਰਾਤ ਮੌਂ ਵੇਹੀ ਰਹਿਧੋ। ਸੁਹਿਣੀਅ ਜੇ ਇਸਕੁ ਮੌਂ ਦੀਨ ਦੁਨਿਧਾ ਜੀ ਸੁਧਿ ਬੁਧਿ ਵਿਜਾਏ ਕੇਠੇ ਏਂ ਕਡੇ ਅਘ ਤੇ ਥਾਂਵ ਖੱਰੀਦ ਕਰੇ, ਸਸਤੇ ਅਘ ਮੌਂ ਵਿਕਿਣੀ ਛਡੀਂਦੋ ਹੋ। ਆਹਿਸਤੇ ਆਹਿਸਤੇ ਸੰਦਸਿ ਧਨ ਦੌਲਤ ਖੱਤਮ ਥੀ ਵਿਧੋ। ਇਨ ਕਰੇ ਤੁਲਾ ਕੁਂਭਰ ਖੇ ਅਰਜੁ ਕਰੇ ਚਿਹੈਈ, “ਜੇਕਡੁਹਿਂ ਤਵਹੀਂ ਚਾਂਓ ਤ ਮਾਂ ਤਵਹਾਂ ਵਟਿ ਨੈਕਿਰੀ ਕਰੇ, ਸਮੂਰੋ ਕੁਝੁ ਚੁਕਤੂ ਕਰਿਧਾਂ।” ਤੁਲਾ ਕੁਂਭਰ ਸੰਦਸਿ ਗਾਲਿਹ ਮਜੀ ਖੇਚਿ ਮੌਂਹੁੰ ਚਾਰਣ ਜੋ ਕਮੁ ਸਾਂਪਿਧਾਈ। ਤਨ ਕਮ ਕਰੇ ਸੰਦਸਿ ਨਾਲੋ ਪਇਜੀ ਵਿਧੋ ‘ਮੇਹਾਰ’।



हिकिडे डींहुं शाम जो सुहिणी वथाण में आई। मेहार खेसि अकेलो डिसी साणुसि पंहिंजी दिल जो हाल ओरियो। सुहिणी सुभाव जी हलीमु हुई, तंहिं खां सवाइ मेहार जी सुहिणी शिकिल डिसी, मथिसि हिरखु हारे वेठी। पोइ त रोजु शाम जो वथाण में मेहार वटि अची विहंदी हुई ऐं बुई पाण में मुहबत वंडींदा हुआ। पर इश्कु ऐं माशूक कडहिं बि लिकण जा न आहिनि। सो सुहिणीअ जी माउ खे बिन्हीं जे प्रेम जी जाण पइजी वर्ई, सो धीउ खे समुझाइण ऐं मजाइण जी कोशिश कयाई; पर हूअ हठ ते थी बीठी। तंहिं करे माणसि लाचार थी पंहिंजे मुडिस सां गाल्हि कर्ई। तुला गिला खां बचण खातिर यकिदमु मेहार खे नौकिरीअ मां कढी छडियो ऐं सुहिणीअ खे डुम सां परिणाए छडियाई।

हेडांहुं मेहार बि महबूब खां विछुडी, नउमेद थी, झांग मुंहुं डेर्ई उथी हलियो। घुमंदो घुमंदो अची गुरु गोरखनाथ जी मढीअ में निकितो। संदसि सुहिणी शिकिल ऐं लछणनि, महंत खे मोहे विधो। मेहार महंत जी तमाम घणी खिदमत ऐं चाकिरी कर्ई। आखिर महंत मथिसि राजी थी खेसि वर घुरण लाइ चयो। मेहार पंहिंजी महबूबा सां विसाल जी ख्वाहिश डेखारी। महंत दुआ कयसि, “तुहिंजे अंदर जी आश जल्दी पूरी थींदी।”

उन बइदि मेहार चिनाब नदीअ जे किनारे ते आयो ऐं सुहिणीअ जे साहुरे घर साम्हूं नदीअ जे बिए किनारे ते अची दूँहीं दुखाए वेठो। घणेई माण्हू वटिसि पुछाणो करण ईदा हुआ। जल्दु ई संदसि हाक हंधें मागुहीं फहिलिजी वर्ई। किनारे ते रहंड मल्लाह ऐं बेले रोज मछी, मखणु, डुधु वगैरह खेसि डींदा हुआ। जडहिं उन्हीअ फ़कीर जी हाक सुहिणीअ जे कनि पेर्ई त खेसि पक थी त उहो ज़रूर मेहार हूंदो। सुहिणी नदी पार करे फ़कीर जी ज़ियारत लाइ आई। मेहार खे सुजाणे, साणुसि अहवाल ओरियाई।

पोइ त हर रोज सुहिणी रात जो पको घडो खणी, घडे जे सहारे नदी तरी मेहार वटि वेंदी हुई ऐं असुर जो वापस पंहिंजे घर मोटंदी हुई ऐं घडो घर जे बाहिरां गाह में लिकाए रखंदी हुई।

हिकिडे डींहुं सुहिणी घर खां बाहिर पिए निकिती त संदसि निणान जी निंद खुली पेर्ई। हुन संदसि पुठि वरिती ऐं सजी गाल्हि समुझी वर्ई। पंहिंजे भाउ डुम सां समूरी गाल्हि कयाई त हू अची ततो। पहिरीं त बिन्हीं जुणनि सुहिणीअ खे घणो समुझायो ऐं धमकायो, पर सुहिणी न मुडी। पोइ त हुननि सोचियो त अहिडी ज़ाल खे ख़तम करण घुरिजे; इन करे हिकिडे डींहुं संदसि निणान मंझांदि जो गाह में लिकलु पको घडो खणी, उन्हीअ जग्ह ते कचो घडो रखी छडियो।

उन डींहुं रात जो ज़बरदस्त तूफान अची लगो ऐं मींहुं बि वसिकारा करे वसण लगो। जुणु त कुदिरत बि सुहिणीअ खे मना थे कर्ई त पंहिंजो पाणु बचाए। नदीअ जे किनारे ते वेठल मुहाणनि बि सुहिणीअ खे सलाह डींदे चयो, “मत जा सुहिणी मत जा।” पर सुहिणी त महबूब सां मिलण लाइ आती हुई, सा भेरो कीअं भजे। ऊंदहि में कल ई कान पियसि त घडो कचो आहे। हूअ बिना संसे घडो खणी पाणीअ में घिडी पेर्ई। विच सीर में घडो पाणीअ में भुरी पियो। पोइ हूअ हिमथ करे हथ पेर हणण

लगी। जडहिं हथ पेर हणी निसती थी पेई, तडहिं मेहार खे पुकारण लगी : मेहार ओ मेहार! मेहार त अगे ई संदसि आसिरे में वेठो हो, सो सुहिणीअ जूं दांहूं बुधी नदीअ में घिड़ी पियो। सुहिणीअ ताईं पहुतो ई मस त हिमथ जवाब डुई वियसि। आखिर बुई साणा थी हिक बिए जे भाकुर में दरियाह में समाइजी विया।



10.2 अचो त समुद्रं



शाह साहिब पंहिंजे काव्य मार्फत हकीकी इशक (परमात्मा सां इशक) खे आम माण्हुनि खे समुझाइण लाइ मिजाजी इशक (दुनियवी इशक) जे कहाणियुनि जो सहारो वरितो आहे। इन लाइ शाह साहिब पंहिंजे काव्य में लोक कथाउनि खे शामिल कयो आहे। उन्हनि लोक कथाउनि मां हिक कथा सुहिणी मेहार जी आहे। हिन लोक कथा में शाह साहिब प्रेम ऐं त्याग खे डेखारियो आहे त मेहार सुहिणीअ जे प्यार में कीअं पंहिंजो सभु कुझु कुर्बान थो करे छडे ऐं सुहिणी बि मेहार जे सचे इशक में पंहिंजी जानि जी बि परवाह नथी करे ऐं आखिर में बुई मिली हिकु था थियनि ऐं पंहिंजो पाण खे फळा था करे छडीनि।

शाह साहिब हिन लोक कथा जरीए बुधायो आहे त परमात्मा खे कीअं पाए सघिजे थो। जेको सचो आशिक (प्रेमी) आहे ऐं उन जो मन साफ ऐं सचो आहे त खुदि परमात्मा अची उन सां मिले थो। सुहिणीअ जो घडो पाणीअ में भुरी थो वबे ऐं हूअ मेहार खे पुकारे थी त मेहार उन जो आवाज बुधी सुहिणीअ वटि पहुचे थो। शाहु सुहिणीअ खे आत्मा ऐं मेहार खे परमात्मा बुधायो आहे।



सबक बाबत सुवाल 10.1

1. सागी माना वारनि लफऱ्जनि जा जोडा मिलायो :

- | | | |
|-------------|--|------------|
| (i) नफीसु | | (अ) साराह |
| (ii) वाखाणि | | (ब) अजब |
| (iii) हलीमु | | (स) मेलापु |
| (iv) तपरस | | (द) नाजुक |
| (v) विसालु | | (य) निमाणी |

2. हेठि डिनल जुमिला कर्हिं, कर्हिं खे चया आहिनि :

- (i) “तोखे पुटु त थींदो, पर सोरहनि सालनि जी उमिरि में तोखां जुदा थी वजी परड्हेहु वसाईदो।”
- (ii) “जेकड्हिं तव्हीं चओ त मां तव्हां वटि नौकिरी करे सजो कर्जु चुकतू करियां।”
- (iii) “मत जा सुहिणी मत जा।”
- (iv) “तुंहिंजे अंदर जी आश जल्दी पूरी थींदी।”



मशिगूलियूं 10.1

- (1) शाह अब्दुल लीतफ़ जे लिखियल लोक कथाउनि जो चार्ट ठाहियो।
- (2) सुहिणी मेहार जे हिन प्रेम कहाणीअ बाबत पंहिंजा राया पेशि करियो।



तव्हीं छा सिखिया

- हिन सबक में तव्हां शाह साहिब जे लोक कथा जी सूरमी (नायिका) सुहिणीअ बाबत ज्ञाण हासिल कई त घटि पढियल एं ग्रोठाणी जिंदगी गुजारण वारी हूंदे बि कहिडी न सीरत, सूंहं, जज्बात, हक्कीकी इशक पाइण जी चाहिना रखण वारी आहे।

हुन जे जळ्बे में उमंग, उत्साह भरियल आहे। परमात्मा खे पाइण जे लाइ कोशिश कर्दे पंहिंजे मकःसद में कामियाब थी थिए।



वधीक ज्ञाण

शाह अब्दुल लतीफ़ भिटाई (1689 ई.-1752 ई.) सिंधी साहित्य जो सिरमोर कवी एं सूफी संत हो। शाह जे शाईरीअ जी भेट अंग्रेजीअ जे शाईर शेक्सपीअर सां कई वजे थी।

हिननि जी मुख्य काव्य रचना ‘शाह जो रिसालो’ आहे, जंहिं में सिंधी बोलीअ में रचियल सूफी बैत सहेडियल आहिनि।

इहे बैत सिंधु जे लोक कहाणियुनि ते बऱ्ठल आहिनि। शाह साहिब हिननि बैतनि में रुहानी खऱ्यालनि खे निहायत सादे ऐं सुहिणे अंदाज में पेश कयो आहे।

शाह अब्दुल भिटाईअ जी जिंदगी इंसानियत, मुहबत ऐं मज़हबी आदर्शनि ते बऱ्ठल हुई। हुननि जे बैतनि में परमात्मा जी बंदगी, फ़ेलसूफी ऐं आलमी प्यार जी गहराईअ खे महसूस करे सघिजे थो।



10.4 सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) सुहिणीअ जे पिता जो नालो छा हो ऐं हू कहिडो कमु कंदो हो?
- (ii) इज़त बेग जी धन दौलत कीअं खऱ्तमु थियण लगी?
- (iii) सुहिणीअ जी सीरत निगारीअ ते नोटु लिखो।
- (iv) 'सुहिणी मेहार' लोक कथा जो वर्णन पर्हिंजनि लफ़्ज़नि में करियो।

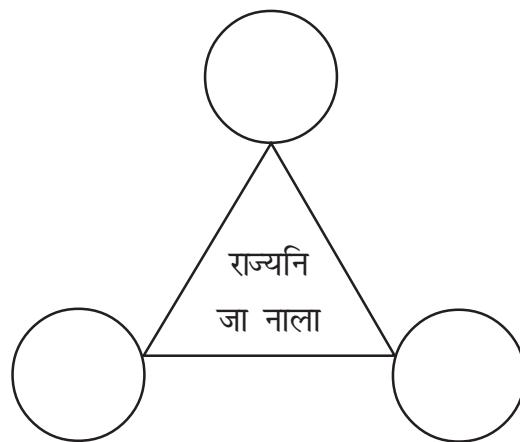
2. हेठियनि इस्तलाहनि जी माना लिखी जुमिलनि में कमि आणियो :

- (i) अखि टेट करणु
- (ii) पुछाणो करणु
- (iii) हिरखु हारे विहणु
- (iv) सेन हणणु

3. जुमिले मां लीक डिनल लफ़्ज बदिरां ब्रेकेट मां मुनासिब लफ़्जु चूंडे जुमिलो वरी लिखो :

- | | |
|--|---------------------------|
| (i) गुजरात शहर में हिकिडो <u>मशहूर</u> कुंभर रहंदो हो। | (नामियारो, नंदो, शाहूकार) |
| (ii) संदसि चेहरे मां नूरानी <u>नूर</u> पियो बऱ्हकंदो हो। | (ऊंदहि, अंधकार, रोशनी) |
| (iii) हिंदुस्तान में <u>उच्च</u> <u>अरिसो</u> दिल्लीअ में रहियो। | (साल, महीना, वक्तु) |
| (iv) हिकिडे <u>डींहुं</u> <u>शाम</u> जो सुहिणी वथाण में आई। | (सुबूह, सांझी, मंज़ादि) |

4. हेठि डिनल खाको पूरो करियो :



5. ब्रेकेट मां सही जवाब गोल्हे चौकुंडनि में लिखो :

(i) छा तव्हां कुतुब मिनार डिठो आहे?

हिन जुमिले जो किस्मु-

(हाकारी, नाकारी, सुवाली)

(ii) राजेश अंबु खाधो।

लीक डिनल लफ्जु-

(फाइलु, फइलु, मफ़ऊल)

(iii) 'नहर' जो अदद जमउ-

(नहरी, नहरूं, नहरियूं)

(iv) 'खरीद कयो'-

(हर्फु जुमिलो, फइलु, ज़मीरु)



ਸਬਕੁ ਬਾਬਤ ਸੁਵਾਲਨਿ ਜਾ ਜਵਾਬ

1. ਜੋਡਾ ਮਿਲਾਇਣੁ :
 - (i) ਨਫੀਸੁ - ਨਾਜੁਕ
 - (ii) ਵਾਖਾਣਿ - ਸਾਰਾਹ
 - (iii) ਹਲੀਮੁ - ਨਿਮਾਣੀ
 - (iv) ਤਪਰਸ - ਅਜ਼ਬ
 - (v) ਵਿਸਾਲੁ - ਮੇਲਾਪੁ
2. (i) ਹਿਕ ਦਰਵੇਸ਼ ਮਿੰਜ਼ਾ ਅਲੀਅ ਖੇ ਚਧੋ।
(ii) ਇਜ਼ਤ ਬੇਗ ਤੁਲਾ ਕੁੰਭਰ ਖੇ ਚਧੋ।
(iii) ਮੁਹਾਣਨਿ ਸੁਹਿਣੀਅ ਖੇ ਚਧੋ।
(iv) ਮਹੰਤ ਮੇਹਾਰ ਖੇ ਚਧੋ।



ਨਵਾਂ ਲਪੜ

- ਨੂਰਾਨੀ ਨੂਰ = ਰੂਹਾਨੀ ਜੋਤਿ
- ਗੁਚੁ = ਘਣੋ, ਚਡੋ
- ਝਾਰੋ = ਕਮਯਾਰ
- ਨਫੀਸੁ = ਨਾਜੁਕ
- ਮੇਖ = ਕਿਲੀ, ਸ਼ੀਖ
- ਹਲੀਮੁ = ਨਿਮਾਣੀ
- ਮੁਸ਼ਕ = ਕਸ਼ਤੂਰੀ
- ਕਾਤਿਰ = ਖਾਤਿਰ

- पाक दामन = पवित्र
- कूफ़ो = फ़कीरनि जो टोलो या मेडु
- कफ़नी = फ़कीराणा या दरवेशाण कपड़ा
- विसालु = मेलापु
- मल्लाहु = ब्रेडी हलाईदडु
- रान = टंग जो मथियों हिसो, सथर
- पछाणे = सुजाणे
- ज़र्दु = पीलो, फिको
- तपरस = अजब
- कल = ज्ञाण, ख़बर, सुधि



हिंगलाज तीर्थ

तव्हां पंहिंजनि माइटनि सां गडु कंहिं न कंहिं यात्रा धाम जा दर्शन कया हूंदा। जिते अव्हां पंहिंजी श्रद्धा एं आस्था मूजिबु पूजा पाठ पिण कया हूंदा एं यात्रा धाम जे भंडारे जो प्रसाद बि गृहण कयो हूंदो। अजु असां सिंधियुनि जे अहिडे ई हिक पवित्र तीर्थ धाम जी ज्ञाण हासिल कंदासीं, जंहिं जो नालो हिंगलाज तीर्थ आहे। जेको पाकिस्तान जे बलोचिस्तान प्रांत जे हिंगलाज में आहे एं जिते गुफा में माता हिंगलाज जी मूर्ती निद्रा अवस्था में बिराजमान आहे।



सिखण जा नतीजा

हिन सबकू खे पढण खां पोइ शार्गिर्द-

- कंहिं रचना खे पढी, उन जे समाजिक मुलहनि ते चर्चा कनि था। उन जा कारण ज्ञाण जी कोशिश कनि था। पंहिंजे कुटुम्ब खां बियनि तीर्थ स्थाननि जे बारे में सुवाल पुछनि था;
- भाषा जे बारीकियुनि / बंदोबस्त खे लिखयत में कम आणीनि था;
- इज़हार जे अलग_अलग इबारतुनि / रूपनि खे सुजाणनि था, खुदि लिखनि था;
- जुदा जुदा तीर्थ स्थाननि बाबत दोस्तनि सां चर्चा कनि था।



11.1 बुनियादी सबकू

हिंगलाज असां हिंदुनि जो हिकु कळीम तीर्थ स्थान आहे। इहो हिन वक़ित पाकिस्तान जे बलोचिस्तान प्रांत जे हिंगलाज में हिंगोल नदीअ जे किनारे ते आहे। हिन तीर्थ स्थान जी वडुनि वडुनि

संतनि, महात्माउनि, विद्वाननि, दरवेशनि, साधुनि, ऋषियुनि मुनियुनि ऐं सतिपुरुषनि यात्रा कई आहे। सिंधु जे मशहूर कवी शाह अब्दुल लतीफ़ जे शाइरीअ में बि घणनि हंधि हिंगलाज माता जो ज़िकिरु अचे थो। हीउ मंदर 51 पीठनि मां हिकु आहे। हिंदू ऐं तंहिं में बि सिंधी हिन में तमामु घणी आस्था रखंदा आहिनि। मुसलमान हिन खे 'नानी पीर' करे चवंदा आहिनि।

जिते देवी देवताऊं निवास कंदा आहिनि, उहो धाम उन्हनि जे नालनि सां मशहूर थी वेंदो आहे। जिते वडा यज्ञ ऐं हवन थींदा आहिनि, उहे बि तीर्थ स्थान बणिजी वेंदा आहिनि। अहिडनि हंधनि ते वजण सां मन प्रसन्न थी वेंदो आहे।

हिंगलाज तीर्थ ते पहिरीं पैदल या उठनि ते वजी सघिबो हो ऐं उते पहुचण में घणो वक्तु लगी वेंदो हो। पर अजुकल्ह जे मशीनी दौर में मोटरुनि गाडियुनि ज़रीए उते सवलाईअ सां पहुची सघिजे थो। सिंधु जे कराची, लस ब्लेले ऐं बलोचिस्तान खां यात्री हज़ारनि जी तादाद में हिन पवित्र स्थान ते ईदा आहिनि। हिंगलाज पहुची यात्री सुबूह जो सवेर माता जो दर्शन कंदा आहिनि। पोइ पाठ पूजा ऐं आरती कंदा आहिनि। हू ब्रह्म कुंड, तल कुंड, खीर कुंड, काली कुंड जो दर्शन कंदा आहिनि। माता जे कुंड में इशनान कंदा आहिनि।

हिंगलाज माता जी मूर्ती हिक गुफा में निद्रा अवस्था में विराजमान आहे। यात्री उन गुफा में सिरकंदे सिरकंदे दाखिल थींदा आहिनि।

हिंगलाज माता काठियावाड़ जे राजा जी कुल देवी हुई। वक्त पुजाणां राजा जे पोंयनि खे मध्य प्रदेश जे छिंदवाड़ा में लडिणो पियो। हू पाण सां गडु हिंगलाज माता जी मूर्ती खणी आया ऐं उते उन खे बिराजमान कयो। मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात ऐं बियनि प्रांतनि में बि हिंगलाज माता जा नंदा वडा मंदिर आहिनि, जिते पूरी श्रद्धा सां पूजा आराधना थींदी रहंदी आहे।



11.2 अचो त समुद्रं

सबक में हिंगलाज माता बाबत ज़िकिरु कयल आहे। हरहिक तीर्थ स्थान जी पंहिंजी महिमा आहे। हिंगलाज माता तीर्थ स्थान सदियुनि खां मशहूर आहे। इहो तीर्थ स्थान बेमिसाल आहे, जो हिंगलाज माता जी मूर्ती हिक गुफा में निंड अवस्था में विराजमान आहे। दुनिया जे जुदा जुदा हंधनि तां हिंगलाज माता देवीअ जो दर्शन करण यात्री ईदा आहिनि।



सिंधी | हिंगलाज तीर्थ





सबकृ बाबत सुवाल 11.1

हेठियनि सुवालनि जा जवाब डियो :

1. हिंगलाज तीर्थ कहिडे प्रांत में आहे?
 2. सिंधु जे कहिडे मशहूर कवीअ हिंगलाज तीर्थ जी यात्रा कर्ई?
 3. मुसलमान हिन तीर्थ खे कहिडे नाले सां पुकारींदा आहिनि?
 4. हिंगलाज माता जी मूर्ती किथे एं कहिडी अवस्था में बिराजमान आहे?



मशिग्नलियूं 11.1



तब्हीं छा सिखिया

- हिन सबक ज़रीए हिंगलाज तीर्थ जी ज्ञाण हासिल कई।
 - हिंगलाज तीर्थ कहिडे प्रदेश में आहे ऐं उते कीअं पहुचिबो आहे, उहा पिण ज्ञाण तक्हां हासिल कई।
 - हिंगलाज तीर्थ जे पूजा आराधना जे बारे में ज्ञाणी सधिया।
 - हिंगलाज तीर्थ में आयल कुंडनि खां वाकुफु थिया।
 - शागिर्दनि में भाईचारे ऐं एकता जो जज्बो जागियो।



वृथीक ज्ञाण

दुनिया जा मशहूर मंदर-

- (1) अंगकोर वट (कम्बोडिया)
- (2) स्वामी नारायण अक्षर धाम (न्यू जर्सी)
- (3) श्री रंगनाथन स्वामी मंदर (तमिलनाडू, भारत)
- (4) प्रमबानन मंदर (जावा, इंडोनेशिया)
- (5) कालिका भगवती मंदर (बैगलुंग, नेपाल)



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठि डिनल सुवालनि जा जवाब डियो :

- (i) हिंगलाज तीर्थ कहिडीअ नदीअ जे किनारे ते आहे?
- (ii) हिंगलाज तीर्थ ते यात्री कीअं पहुचंदा हुआ?
- (iii) हिंगलाज तीर्थ में आयल कुंडनि जा नाला लिखो।
- (iv) हिंगलाज माता जी मूर्ती गुफा में कहिडी अवस्था में बिराजमान आहे?
- (v) काठियावाड जो राजा कहिडे प्रदेश में वियो?

2. हेठियों टुकरु पढी, अमली कमु पूरो करियो :

हिंगलाज असां हिंदुनि जो हिकु करे चवंदा आहिनि।

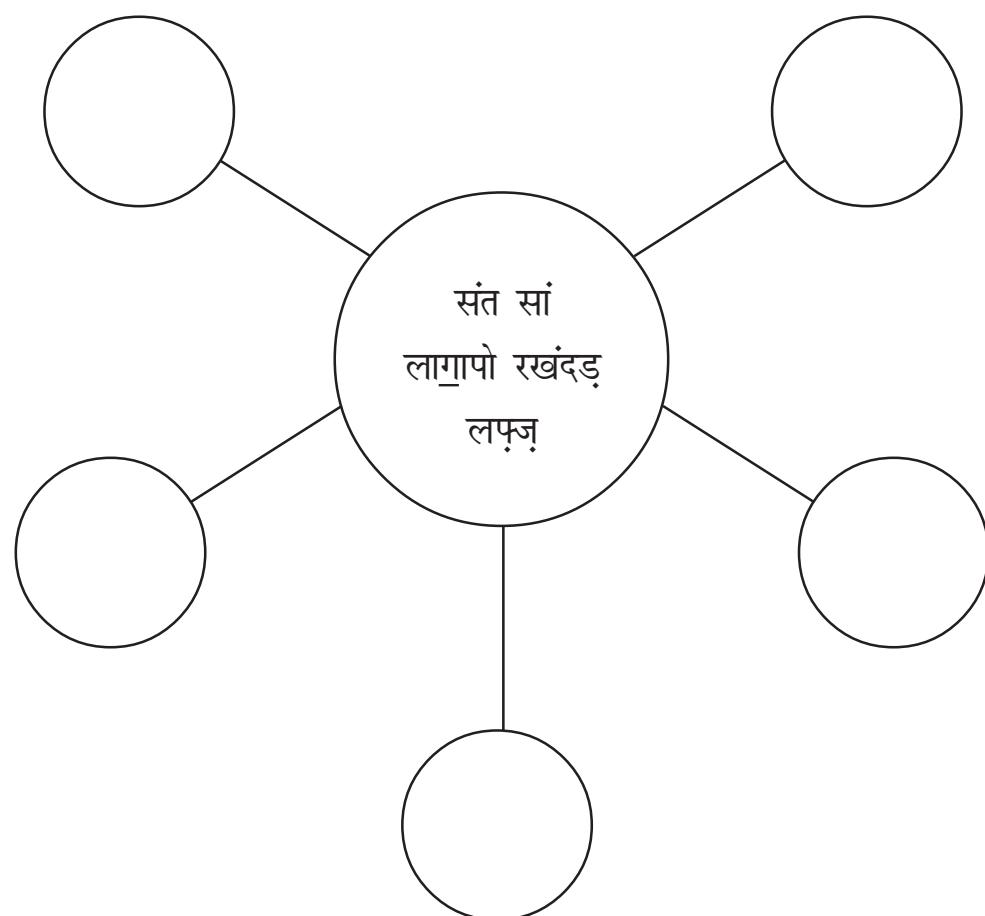
(अ) हिक लफऱ में जवाब डियो :

- | | |
|-------------------------|---------|
| (i) तीर्थ स्थान जो नालो | - |
| (ii) प्रांत जो नालो | - |
| (iii) नदीअ जो नालो | - |
| (iv) मशहूर कवीअ जो नालो | - |

(ब) खाको पूरो करियो :

अदु वाहिदु	महात्मा		घणो	
अदु जमड		असां		किनारा

(स) गोलनि में मुनासिब लफ़्ज़ लिखो :



3. ग्रामर मूजिबु हेठियां लफ़्ज़ सुजाणो :

- (i) हिकु
- (ii) मूर्ती
- (iii) आहिनि
- (iv) ऐं

4. हिंदायत मूर्जिबु ज़मान बदिलायो :

- | | |
|---|------------------------|
| (i) असां सवेल उथंदा आहियूं। | (ज़मान मुस्तक़बिल) |
| (ii) मंत्री जलसे में वक़्त सां पहुतो। | (ज़मान हाल इस्तमुरारी) |
| (iii) राजा भोज ग़रीबनि जी शेवा करे रहियो आहे। | (ज़मान माज़ी बईद) |
| (iv) तव्हां केतिरा ई किताब पढिया हुआ। | (ज़मान माज़ी) |
| (v) मुंहिंजो उस्तादु मूँखे हिसाब सेखारींदो। | (ज़मान हाल बईद) |



सबक बाबत सुवालनि जा जवाब

1. हिंगलाज तीर्थ पाकिस्तान जे बलोचिस्तान प्रांत में आहे।
2. सिंधु जे महान कवी शाह अब्दुल लतीफ हिंगलाज तीर्थ जी यात्रा कई।
3. मुसलमान हिन तीर्थ खे 'नाना पीर' जे नाले सां पुकारींदा आहिनि।
4. हिंगलाज माता जी मूर्ती हिक गुफा में निद्रा अवस्था में बिराजमान आहे।
5. हिंगलाज माता काठियावाड़ प्रदेश जे राजा जी कुल देवी हुई।
6. बलोचिस्तान खां सवाइ हिंगलाज माता जा तीर्थ ऐं मंदर मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात ऐं बियनि प्रांतनि में आहिनि।



नवां लप्तज़

- क़दीम = प्राचीन
- मशहूर = नामियारे
- शाइरी = कवीता
- ज़िक्र = वर्णन
- आस्था = विश्वास
- निवास = रिहाइश

- धाम = तीर्थ स्थान
- प्रसन्न = राजी
- दौरु = युग
- सवलाई = आसानी
- यात्री = जातरू, मुसाफिर
- तादाद = संख्या
- अवस्था = ज़मार
- सिरकणु = रिड़हणु



आज़ादी आंदोलन में सिंधियुनि जो योगदान

भारत जे आज़ादीअ जे तहरक में सिंधियुनि ऐं सिंधु सरगर्म बहिरो वरितो हो। सिंधु जे हरहिक गेठ ऐं शहर मां आज़ादीअ जो नारो गूंजियो हो। आज़ादी आंदोलन जी हरहिक हलचल, सरगर्मियुनि में सिंधु वासियुनि अहम पार्ट अदा कयो। आज़ादीअ जे अनेक लड़ाकुनि सूर सख्तियूं सठियूं केतिरनि खे जेलनि जूं सख्तु सजाऊं डिनियूं वेयूं। पर सिंधी आज़ादीअ ख़ातिर अगिते अगिते वधंदा रहिया ऐं सिर जूं सटूं डिनियूं। हिन सबक़ में सिंधियुनि जे आज़ादीअ लाइ कुर्बानियुनि जो ज़िकिरु कयल आहे।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- जुदा जुदा विषयनि ते आधार रखंड जुदा जुदा किस्मनि जे रचनाउनि खे पढ़ी, जुबानी ऐं लिखियत रूप में ज़ाहिर कनि था;
- तरह तरह जे संवेदनशील मुद्दनि / विषयनि जहिड़ोकि जाती, धर्म, रंग, जिंस, रीतियुनि रस्मुनि जे बारे में पहिंजनि मित्रनि, उस्तादनि या कुटुंब खां सुवाल पुछनि था;
- आज़ादी आंदोलन सां वाबस्ता रखंड अलग अलग किस्मनि जो मवाद (ख़बरूं, मैग़ज़नूं, कहाणी, ज्ञाण डींडड सामग्री, इंटरनेट ब्लॉग ते शाया थींदड मवाद वगैरह) खे समझी पढ़नि था ऐं उन में पहिंजी पसंदगी-नापसंदगी, रायज़नी, नतीजनि वगैरह खे ज़बानी / इशारनि जी भाषा में ज़ाहिर कनि था।



12.1 बुनियादी सबकु

सदियुनि खां असांजी भारत माता गुलामीअ जे ज़ंजीरुनि में जकिड़ियल हुई। अंग्रेज़नि जा अत्याचार सहंदे सहंदे आखिर बग़वत जी बाहि भड़िको खाधो। देश वासियुनि अंग्रेज़ी हुकूमत जे खिलाफ़ आवाज़ उथारियो। झांसीअ जी राणी लक्ष्मी बाई, तांतिया टोपे ऐं बियनि, अंग्रेज़नि खे खूब टोटा चबाया। बंगाल में बिपिन चंद्र पाल, महाराष्ट्र जे लोकमान्य तिलक ऐं पंजाब जे शेर लाला लजपतराइ, इन्हनि टिन्हीं ‘बाल-पाल-लाल’ टिमूरीअ पिण देश वासियुनि में आज़ादी हासिल करण लाइ नई सुजागी आंदी। मतलब त भारत जे जुदा जुदा प्रांतनि जे रहवासियुनि आज़ादीअ जी हलचल में बहिरो वरितो। सिंधी बि पुठिते न रहिया।

1905 ई. में बंगाल जे विरहाडे जी सिंधियुनि पिण मुख़ालिफ़त कर्दे ऐं हलचल में बहिरो वरितो। उन वक्ति ई शिकारपुर जे गोर्धन शर्मा खे सरकार जे बरखिलाफ़ लेख लिखण सबब 5 साल जेल जी सज़ा डिनी वर्दी।

1920 ई. में शुरू कयल असहकार आंदोलन में केतिरा ई नौजुवान पंहिंजा स्कूल ऐं कॉलेज छड़े हलचल में शामिल थिया हुआ। 1930 ई. में महात्मा गांधीअ पंहिंजनि साथियुनि सां लूण ठाहिण लाइ अहमदाबाद में हरिजन आश्रम खां डांडीअ डांहुं पेरें पंधु कूच कयो। उन वक्त गांधीजीअ जे ऐलान ते कराचीअ में हज़ारनि जी तादाद में सिंधी स्त्रियुनि ऐं मर्दनि समुंद मां पाणी भरे राम बाग़ में लूण जो क़ाइदो टोड़ियो। उन ई साल में विलायती कपड़े जे बहिष्कार ऐं शराब जे गुतनि ते पिकेटिंग करण लाइ मर्दनि सां गडु सिंधु जे सवें ज़ालुनि बि बहिरो वरितो।

उन वक्ति जड़हिं गंगा भेण खे पकिड़े जेल में नज़रबंद कयो वियो, तड़हिं हज़ारें सिंधी स्त्रियूं हलचल में टिपी पेयूं। उन्हनि मां जेठी सिपाहीमलाणी, सरस्वती देवी, किकी भेण लालवाणी, मोहिन लालचंद, कमला हीरानंद, ठाकुरी सलामतराइ, भेण जमना गोबिंद भाटिया ऐं बियुनि भेनरुनि न सिफ़ हलचल में बहिरो वरितो, पर जेल में पिण वेयूं।

जीअं पंजाब खे सरदार भगत सिंह ते नाज़ आहे, तीअं ई सिंधु खे हेमूं कालाणीअ ते फ़खुर आहे, जंहिं खे अंग्रेज़ी मिलेट्रीअ जी ट्रेन केराइण जी कोशिश कंदे पकिड़ियो वियो। 19 सालनि जे हिन नंदे नौजुवान देश जी आज़ादीअ सदिके फासीअ जी सज़ा बि खिलंदे खिलंदे क़बूल कर्दे। हुन मुशिकंदे मुशिकंदे ‘भारत माता जी जय’, ‘इंक़लाब ज़िदह आबाद’ जा नारा हणंदे शहादत जो जामु पीतो।

भारत जी आज़ादीअ जी हलचल में दादा जयरामदास दौलतराम, डॉक्टर चोइथराम गिदवाणी, मास्टर ताराचंद, प्रोफ़ेसर घनश्यामदास शिवदासाणी, आचार्य जे. बी. कृपलाणी, हूंदराज दुखायल, दादा

शेवक भोजराज, विश्नु शर्मा, महिराज लोकराम, हीरानंद करमचंद, नारायणदास बेचर वगैरह पिण बहिरो वरितो।

डॉक्टर चोइथराम गिदवाणीअ खे त विद्यार्थी जीवन में ई मुल्क लाइ मुहबत एं अंग्रेज़ सरकार लाइ नफ़रत हुई। हू कॉलेजी अवस्था में विद्यार्थियुनि में उत्साहु फूकींदो हो एं चवंदो हो त जेके अंग्रेज़ असांजे जुवाननि खे फासीअ ते चाढ़ीनि एं महबूब अगुवाननि खे गोलियुनि सां उड़ाईनि, तिनि खे डिसी असां जो रत थो टहिके। अहिड़नि अंग्रेज़नि खे मुल्क मां तड़े कढिजे त बहितर।

हैदराबाद सिंधु में जेल जे मेडीकल ऑफीसर जे उहिदे ते हूदे डॉक्टर चोइथराम केतिरनि ई इंक़लाबी एं कौमी कैदियुनि सां लह-विचुड़ में आयो हो एं हुन देश जे सदिके, अंग्रेज़नि जी गुलामी करण जे एवज़ि पर्हिंजे उहिदे तां इस्तीफ़ा डेर्ह छड़ी हुई। खुदि लाला लजपतराइ सिंधु जे दौरे करण वक़ित चयो हो, “हिन नंदी अवस्था में डॉक्टर चोइथराम में जेका मणिया आहे, सा डेखारे थी त आईदह हू देश जा घड़ा भरींदो। वडा भाग अहिनि सिंधु देश जा, जो वटिनि अहिड़े सपूत पैदा थियो आहे।”

आज़ादीअ जे इतिहास में सिंधी सूरवीर आचार्य जे. बी. कृपलाणीअ जी कयल कुर्बानी त सोनहरी अखरनि में लिखण लाइकु आहे। हू ‘इंक़लाबियुनि’ एं बागियुनि खे न सिफ़ पनाह डींदो हो, पर हर किस्म जी मदद पिण कंदो हो।

महिराज लोकराम ‘हिंदू जाती’ एं हीरानंद करमचंद ‘हिंदू’ अख़बार में अंग्रेज़ सरकार ते काफ़ी जुलह कई। उन्हनि बिन्हीं अख़बार जे सम्पादकनि खे केतिरा दफ़ा जेल जूं सज़ाऊं मिलियूं, पर बई कार्यकर्ता सरकार अगियां असुल न झुकिया एं अंग्रेज़ सरकार खिलाफ़ आवाज़ उथारींदा रहिया।

हूंदराज ‘दुखायल’ आज़ादीअ जे हलचल वक़ित पर्हिंजनि सुरीलनि देश भगितीअ जे गीतनि सां डफलीअ ज़रीए नौजुवाननि में जेको उत्साहु फूकियो, उन खे भला कीअं थो भुलाए सघिजे। हूंदराज ‘दुखायल’ सिंधु जे गोठ गोठ में वजी, कौमी गीत गाईदे, आज़ादी हासिल करण लाइ नई जागिरिता आंदी।

सिंधु जे जुदा जुदा शहरनि में श्री हासाराम पमनाणी, श्री गोपालदास जमयतराइ, श्री चोइथराम वलेछा, श्री जीवणदास जयरामदास, प्रोफ़ेसर ताराचंद गाजरा, श्री गोरधन शर्मा, श्री बुलदेव गाजरा एं श्री आसनदास भेरवाणीअ आज़ादीअ जी हलचल में पाणु मोखियो।

स्वामी लीलाशाह, स्वामी टेऊराम महिराज, स्वामी शांती प्रकाश महिराज एं बियनि पिण प्रवचन कंदे एं भारत भूमीअ जी महिमा गाईदे, सिंधी जनता में आज़ादीअ लाइ नई चेतना पैदा कई।

आखिर उन्हनि कौमी परवाननि जा पोरहिंग सफल थियो एं 15 आगस्ट 1947 ई. ते देश आज़ाद थियो।



12.2 अचो त समुद्घूं

असांजी आजादीअ जे आंदोलन में भारत जे कुंड कुड़िछ मां हर जातीअ जे माणहुनि पहिंजो योगदान डिनो ऐं केतिरनि देश भगतनि त जानि बि वतन लाइ कुर्बान कई। हर भाषा ऐं हर प्रांत जे माणहुनि उन में बहिरो वठी पहिंजो योगदान डिनो। इन्हीअ आजादीअ जी हलचल में सिंधु ऐं सिंधुवासी बि पुठिते न रहिया। किनि पहिंजनि लेखनि वसीले त किनि पहिंजनि क्रांतीकारी कमनि वसीले अंग्रेज़नि जी मुखालफ़त कई। केतिरनि ई वीरनि आजादीअ जी शमा ते पतंगे जियां पाणु कुर्बान कयो, जिनि खे कड़हिं बि विसारे नथो सधिजो।



सबक़ बाबत सुवाल 12.1

1. खाल भरियो :

- (i) सदियुनि खां असांजी भारत माता जे ज़ंजीरुनि में जकिड़ियल हुई।
- (ii) 1905 ई. में जो विरहाडो थियो।
- (iii) असहकार आंदोलन ई. में शुरू कयो वियो।
- (iv) कराचीअ में में लूण जो क़ाइदो टोड़ियो वियो।
- (v) खे 19 सालनि जी नंदी उमिरि में फासी डिनी वेई।
- (vi) देश ते आजाद थियो।

2. सही (✓) या ग़लत (✗) जा निशान लगायो :

- (i) आजादीअ जी हलचल में सिंधी पुठिते हुआ। ()
- (ii) सिंधु खे हेमूं कालाणीअ ते फ़खुरु आहे। ()
- (iii) लाला लजपतराइ सिंधु जो दौरो कयो। ()
- (iv) कौमी परवाननि जा पोरहिंगा सफल न थिया। ()



मशिगूलियूं 12.1

- (1) आज़ादीअ जी हलचल में बहिरो वठंड़ सिंधी अगुवाननि जा फोटू गडु करे, उन्हनि जो ऑलबम ठाहियो।
- (2) आज़ादी डींहं 15 आगस्ट बाबत पंज जुमिला लिखो।



तक्हीं छा सिखिया

- असां जो देश सदियुनि जी गुलामीअ खां आज़ाद थियो।
- आज़ादीअ जी हलचल में सिंधी स्त्रियुनि ऐं मर्दनि बहिरो वरितो।
- अंग्रेज़ असां ते अत्याचार कंदा हुआ।
- असां जो देश 15 आगस्ट 1947 ई. ते आज़ाद थियो।



वधीक ज्ञाण

भारत देश जी आज़ादीअ में घणनि ई सिंधियुनि शहादत डिनी। उन्हनि मां किनि जा नाला हेठि डिनल आहिनि-

1. मेघराज लुल्ला
2. दतात्रेय
3. हासानंद पमनाणी
4. हरचंदराय किशनचंद
5. अलाह बरखा सूमिरो
6. हेमूं कालाणी

ਭਾਰਤ ਦੇਸ਼ ਜੀ ਆਜ਼ਾਦੀਅ ਖਾਂ ਪੋਝ ਸ਼ਹੀਦ ਥਿਯਲ ਸਿਪਾਹੀ-

1. ਫਲਾਇਂਗ ਆਫੀਸਰ ਕਿਸ਼ਨ ਲਖੀਮਲ ਮਲਕਾਣੀ
2. ਏਧਰ ਮਾਰ්ਸ਼ਲ ਹਰੀਸ਼ ਮਸਦਾ
3. ਪਲਾਇਂਗ ਆਫੀਸਰ ਪ੍ਰੇਮ ਰਾਮਚੰਦਾਣੀ



ਸਬਕ ਜੇ ਆਖਿਰ ਜਾ ਸੁਵਾਲ

1. ਹੇਠਿਯਨਿ ਸੁਵਾਲਨਿ ਜਾ ਜਵਾਬ ਲਿਖੋ :

- (i) ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ਿਨੀ ਖੇ ਕਹਿਂ ਟੋਟਾ ਚਕਾਯਾ?
- (ii) ਆਜ਼ਾਦੀਅ ਜੀ ਹਲਚਲ ਮੌਕੇ ਵਿਖੇ ਵਠਦੇ ਸਤਨਿ ਜਾ ਨਾਲਾ ਲਿਖੋ।
- (iii) ਮਹਾਤਮਾ ਗਾਂਧੀਅ ਡਾਂਡੀ ਯਾਤਰਾ ਕਹਿਂ ਏਂ ਕਿਥਾਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕੰਈ?
- (iv) ਡਾਕਟਰ ਚੋਇਥਰਾਮ ਗਿਦਵਾਣੀਅ ਤਹਿਦੇ ਤਾਂ ਇਸ਼ਟੀਫ਼ਾ ਛੋ ਭਿੰਨੀ?

2. ਜਿਦ ਲਿਖੋ :

- (i) ਆਜ਼ਾਦੀ (ii) ਅਸਹਕਾਰ
- (iii) ਨੌਜ਼ਵਾਨ (iv) ਗੋਢੁ

3. ਹੇਠਿਆਂ ਲਫੜ ਕਮ ਆਣੇ ਜੁਮਿਲਾ ਠਾਹਿਯੋ :

- (i) ਸੁਜਾਗੀ (ii) ਨਜ਼ਰਬਦ
- (iii) ਫ਼ਖੂਰ (iv) ਖਿਲਾਫ਼

4. हम आवाज़ी लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

मिसालु :	जकिड़ियलु	पकिड़ियलु
(i)	भड़िको	(अ) रेल
(ii)	बहिरो	(ब) पाढ़ियो
(iii)	साथियुनि	(स) खड़िको
(iv)	चाढ़ियो	(द) पहिरो
(v)	जेल	(य) हाथियुनि

5. सबकृ मां ग्रोल्हे हिक लफ़्ज़ में जवाब लिखो :

- (i) सौ साल -
- (ii) सहकार न डियणु -
- (iii) देश में रहंड़ -
- (iv) विद्या हासिल कंदु -

6. तस्वीर सां जोड़ा मिलायो :

(i) झांसीअ जी राणी -



(ii) डॉक्टर चोइथराम गिद्वाणी -



(iii) 15 आगस्ट -



(iv) हेमूं कालाणी -



7. सही जवाब चूंडे खाल भरियो :

(i) सहंदे सहंदे बग़ावत जी बाहि भड़िको खाधो।

(मार / अत्याचार / पाप)

(ii) उहो सहकार आंदोलन ई. में शुरू थियो।

(1920 / 1930 / 1905)

(iii) गंगा भेण खे में बंद कयो वियो। (घर / रेल / जेल)

(iv) आचार्य जे. बी. कृपलाणी खे मदद कंदो हो।

(अंग्रेज़नि / बागियुनि / मुसलमाननि)



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

- | | | | |
|----|---------------|------------------|-------------------|
| 1. | (i) गुलामीअ | (ii) बंगाल | (iii) 1920 ई. |
| | (iv) राम बाग़ | (v) हेमूं कालाणी | (vi) 15.8.1947 ई. |
| 2. | (i) ✗ | (ii) ✓ | (iii) ✓ |
| | | | (iv) ✗ |



नवां लफ़ज़

- बग़ावत = बलवो, क्रांती
- मुख़ालिफ़त = विरोध, बहिष्कार
- असहकार = असहयोग
- तादाद = अंदाज़
- शहादत जो जामु पीअणु = देश या कौम सदिके जानि डियणु
- रत टहिकणु = जोश में अचणु

- तड़े कढणु = नेकाली डियणु
- घड़ा भरणु = ख़िज़मत करणु
- टोटा चबाइणु = परेशान या हैरान करणु
- सिर जूं सटूं डियणु = कष्ट सहणु, कुर्बानी डियणु
- कूच करणु = रवानो थियणु
- पिकेटिंग = ग़्लत शयुनि जे विकिरे जो विरोधु करणु
- जुलह करणु = टीका टिपिणी करणु, आवाजु उथारणु



काको लछीराम

हिन आखाणीअ में काके लछीराम जो मज़्किया ढंग सां नक्श चिटियो वियो आहे। काके जेको कमु हथ में खणंदो हो, सो सजे परिवार ऐं बियनि सभिनी खे रुझाए करे ऐं घर मां ब घर करे छडींदो हो। आखिर कमु त थी वेंदो हो, पर उन जो नुक़सान पिण थींदो हो।



सिखण जा नतीजा

हिन सबकू खे पढण खां पोइ शागिर्द-

- कंहिं रचना खे पढी, उन जे समाजिक मुलहनि ते चर्चा कनि था। उन जा कारण जाणण जी कोशिश कनि था। जीअं त पंहिंजे आसपास रहण वारनि कुटुंबनि ऐं उन्हनि जी रहिणीअ
- करिणीअ ते सोचींदे सुवाल पुछनि था;
- पढी करे अण सुजातल हालतुनि ऐं घटनाउनि जी कल्पना कनि था ऐं उन ते पंहिंजे मन में ठहंड तस्वीरुनि ऐं वीचारनि जे बारे में लिखियल नमूने या ब्रेल भाषा में ज़ाहिर कनि था;
- अलग अलग किस्मनि जो मवाद जीअं कहाणी, कवीता, लेख, रेखाचित्र, यादगीरियुनि, मज़्मून, तनज़् वगैरह खे पढंदे, उन जो अनुमान लगाइनि था, छंडछाण कनि था, खासि नुक्तनि खे गोल्हीनि था।



13.1 बुनियादी सबकू

नाराइणदास, खानचंद ऐं मां हिकिडे डांहुं वियासीं थे कर्हिं वडे सैर ते। गडिजी वेठे पह पचायासीं त पाण सां छा छा खणिजे। खानचंद उते चवण लगो, “इएं फैसिलो कीन थींदो। कमु कजे पूरे ढंग सां। नाराइण तूं कागर कढु, फळाणा! हितां पैंसिल खणिजांइ। को आहे? जारे तां हू किताबु खणु त मां यादाश्त वेही ठाहियां।” खानचंद इझो इएं हमेशा सजो बारु पाण ते खणण लाइ तैयार वेठो हूंदो आहे। रुगो पोइ खणी बियनि जे कुल्हनि ते विझंदो आहे।

असांजो काको लछीराम बि हूबहू अहिडे हूंदो हो। बसि, काके को कमु हथ में खंयो त घर मां ब्रु घर करे छडींदो हो।

हिकिडे दींहुं भिति में टंगण जो घडियाल खरीद कर्याई। भाभीअ चयो त, “पासे वारे घर में पियो कमु हले, उतां को मिस्त्री सडि त संओं करे मथे टंगे वजे।” काको चवे, “न।” चे, “तव्हीं मुंझी छो पिया आहियो? छडियो त मां थो तव्हां खे टंगे डियां।”

कोटु लाहे ब्रांहूं खंजियाई। नौकर हिकिडे खे मोकिलियाई त बाजार में त वजी कोका वठी अचु। पुठियां वरी बियो माणहू डोडायाई त मतां नंदा कोका वठी अचे। पोइ कर्याई कमु शुरू।

“टोपण! रंधिणे मां दस्तो खणी अचु; ऐं शेवक! तूं ब्रूंभे वारी डाकणि खणी आउ। कुर्सी बि हिकिडी खपंदी, माडीअ तां ज्ञान डुक पाए लाहे अचु। मोती! तूं टीकमदास जे घर वजु। चइजांसि, काको थो चवे त हाणे सूरु ढिरे अथव न? लेवल त महिरबानी करे थोरे वक्त लाइ उधारी डियो। गंगा, तूं केडांहुं खिसिकी न वजिजांइ, शमादान झलण लाइ तुंहिंजी घुरिज पवंदी। पमा! कोका आंदइ? टोपण काडे वियो? टोपण तूं घडियाल खणी डांमि।”

अजां टोपण खां घडियाल वरिताई मस त हथ मां खिसिकी वियुसि। शीशे जो टुकर हथ में लगुसि ऐं रत वहण लगुसि। चौधारी रुमाल गोल्हण लगो। रुमाल हो कोट में ऐं कोटु विसिरी वियुसि त किथे रखियो हुआई। सभु दस्तो ऐं डाकण छडे लगा कोटु गोल्हण। जेसींताई कोटु लभे, तेसींताई काके वाइवेला मचाए डिनी। चे, “हेडिडे घर मां तव्हां खे मुंहिंजो कोटु नथो लभे? छह ई जणां सजा सारा बीठा आहियो। पंज मिंट थियमि कोट लाथे, सो नथा गोल्हे सघो। आहे त तव्हां सां खैर! अहिडा वाइडा मूं कडहिं कीन डिठा।” कावडि मां कुर्सीअ तां उथी टिपो डिनो त कोटु पियो हो संदसि हेठां। सो चवण लगो त, “नेठि मूं ई गोल्हे लधो। तव्हां मां थो कमु थिए? हिते भितियूं थी बीठा डिसो।”

अधु कलाक लगी वियो काके जी आडुरि धोअण ऐं पटी ब्रधण में, ऐं पोइ वरी डाकणि, दस्तो, कोका, कुर्सी वगैरह कठा करे सजे कुटुम्ब नौकरनि सूधो तयार थी बीही वियो। बिनि कुर्सीअ खे

पकिड़ियो ऐं टिएं हथ खां वठी चाढ़ियुसि ऐं झाले बीठुसि, चोथें कोका हथ में डिनसि, पंजें दस्तो पहुचायुसि। दस्तो हिकिड़े हथ में वरिताई त बिए हथ मां कोको खिसिकी वियुसि।

“डिठुव वरी कोको किरी पियो” जणु दोहु कोके जो या कुटम्ब जो हो।

सभु लगा हेडांहुं होडांहुं कोको गोल्हण, तेसींताई काको पियो किर किर करे। “मूं खे सजी रात इते बीहारिणो अथव छा?”

कोको लधो त वरी दस्तो गुमु। “दस्तो काडे वियो? किथे रखियुमि? गाल्ह कीन खिल! सत जणा अखियुनि सजा बीठा आहिनि। एतिरो नथा डिसी सघनि त मूं दस्तो किथे रखियो!”

नेठि दस्तो लधो त भिति ते जो निशान कयो हुआई, सो गुमु थी वियुसि। हिकिड़े हिकिड़े थी असीं सभु चढ़ियासीं साणुसि गडु निशान गोल्हण। हिकिड़े हिकिड़े, त बिए बियो हंधु बुधायुसि, सभिनी खे चयाई त तव्हीं असुल बेवकूफ आहियो, लहां हेठि। रूल खणी मापूं वठण लगो ऐं हिसाब करे नेठि फैसिलो कयाई पर निशान अलबति परे हो, सो निविड़ी थे जीअं कोको ठोकियाई, तीअं ऊंधो थी अची हेठि हारमोनियम मथां किरियो ऐं संदसि रडि जहिड़े ई सुर हारमोनियम मां निकितो, पर फिटो कीन कयाई।

कुर्सी सेरे पूरे हंध ते रखी चढ़ियो मथे ऐं कोको निशान मथां रखी डसिणीअ ऐं आडूठे जे विच में झाले हंयाई दस्तो, त ठीक पूरो आडूठे जे मथां ‘ओ’ आडूठो वात में विझी चूसण लगो ऐं दस्तो जो हेठि किरियो, सो वजी कंहिं बार जे मथां पियो, जंहिं पंहिंजो रोदन मचायो। भाभी पंहिंजे सिर पुकारण लगी त अग्रिते भिति में कोको हणिणो हुजेव त मूं खे पंहिरीं हफ्ते जो नोटीस डिजो त मां वजी पेके टिकां!

“तव्हां ज़ालुनि जी त ज़े में हिमथ हारजियो वजें। असां जे मथां को सहज सुभाव कमु अची पवे त दिल पेर्ई थिए करण ते।”

वरी चढ़ियो मथे। दस्तो जो हंयाई कोके खे, सो एडो ज़ोर सां, जो कोको सजो भिति में पेही वियो पर पुठियांउसि दस्तो लघे वियो ऐं नकु वजी भिति सां लगुसि।

वरी साईं मापूं थियूं, निशान निकिता ऐं वडुनि कशालनि खां पोइ अध रात जो घड़ियाल डिंगो फिड़ो भिति में टंगियो ऐं भिति इएं पेर्ई भाएं, जो जणु त कंहिं दुशमन जी फौज गोली मार कई आहे। काको खुशि; टिड़े पियो। चे, “डिठुव? तव्हीं जेकर टको डेर्ई टांडो खणायो। माणहू अहिडा ख़सीस कम पंहिंजे हथनि सां करे।”



13.2 अचो त समुझूं



हिन सबक मां ज़रूर सिखिया हूंदा त हर कोहिं खे पंहिंजे खासि कम, जेहिं में महारत हासिल हुजे, उहो ई कमु कजे। सभिनी किस्मनि जा कम हरिको इंसान न करे सघंदो आहे। काके वांगुरु सभु कम पाण करण सां कम फहिलिजंदा वेंदा आहिनि ऐं नुकःसान बि वधीक थींदा आहिनि। हिन सबक में जीअं काके सभु कम पाण करण लाइ सभिनी परिवार वारनि खे रुधाए रखियो हो, सभु घर जा भाती अहम कम छडे करे, कोहिं हिक कम में सभेई लगी वजनि त बि उहो कमु सही तरीके सां पूरो न थिए। इंसान जेहिं बि कम में माहिर हूंदो आहे, उहो कमु उन लाइ करणु सवलो हूंदो आहे। जेको कमु संदसि न कयल हुजे, सो करण में बियनि खे बि सीड़ाईदो ऐं सुठे ढंग सां कमु बि न करे सघंदो। हिंदीअ में हिक चविणी आहे त ‘जिसका काम, उसी को साजे, और करे तो ठेंगा बाजे’। माण्हू जेको कमु सिखियलु हूंदो आहे, सो ई चडीअ तरह करे सघंदो आहे। जेहिं खे जेहिं बि कम जो हुनुरु आहे, उन लाइ सो कमु करणु तमाम सवलो थी पवंदो। पंहिंजी जाण ऐं वित आहर कमु करणु घुरिजे।



सबक बाबत सुवाल 13.1

1. खाल भरियो :

- (i) काको लछीराम बि अहिडे हूंदो हो।
- (ii) रंधिणे मां खणी अचु।
- (iii) झलण लाइ तुंहिंजी घुरिज पवंदी।
- (iv) शीशे जो टुकर में लगुसि ऐं रत वहण लगुसि।
- (v) अधु कलाक लगी वियो काके जी आडुरि धोअण ऐं में।
- (vi) माण्हू अहिडा कम पंहिंजे हथनि सां करे।



मशिगूलियूं 13.1

- (1) कंहिं बि हिक हुनुर बाबत कमि आंदल सामग्री लिखो।
मिसाल- चित्रकारी, ड्राइंग कढणु, फोटोग्राफी, संगतराशी, वाढिको कमु वगैरह।
- (2) सैर सपाटे में वजण वक्त कहिडियूं शयूं ज़रूरी आहिनि? उन्हनि जी लिस्ट ठाहियो।



तव्हीं छा सिखिया

- जंहिं कम में महारत हासिल कयल हुजे, सो ई कमु हथ में खणणु घुरिजे।
- जंहिं माणूअ खे जेको कमु करण जो डांड आहे, उहो ई उन कम खे करे सधंदो।
- घर जे सभिनी भातियुनि खे गडिजी पंहिंजी पंहिंजी दिलचस्पीअ मूजिबु कमु करणु घुरिजे।
- कंहिं कम जी जाण न हूंदे उन बाबत अजाई सलाह न डिजे।



वधीक जाण

सन 1843 ई. जडुहिं अंग्रेजनि सिंधु हासिल कई, उन वक्त सिंधी बोली साहित्य जी नसुरी दुनिया हिकु नओं रूप वरितो। उन ज़माने जा चार मुख्य थम्भा अजु बि मशहूरु आहिनि-

- (1) दीवान कौड़ोमल चंदनमल खिलनाणी (1844-1916 ई.)
- (2) मिर्जा कळीच बेग (1853-1929 ई.)
- (3) दयाराम गिदूमल शहाणी (1857-1927 ई.)
- (4) परमानंद मेवाराम (1851-1938 ई.)



सबकृ जे आखिर जा सुवाल

1. सही (✓) एं गळत (✗) जा निशान लगायो :

- (i) काके जो कमु हथ में खयो त समुझो पूरो थियो। ()
- (ii) तव्हां ज़ालुनि जी त ज़ेरे में हिमथ हारजियो वजे। ()
- (iii) एतिरो नथा डिसी सघनि त मूं घडियाल किथे रखियो। ()
- (iv) पहिंजो महीने जो नोटीस डिजो त मां वजी पेके टिकां। ()
- (v) असां जे मथां को सहज सुभाव कमु अची पवे त दिल पई थिए इंकार करण ते। ()
- (vi) वडनि कशालनि खां पोइ अध रात जो घडियाल डिंगो फिडो भिति ते टंगियो। ()

2. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) तव्हां पहिंजे घर जा नंदा वडा कम कीअं कंदा आहियो?
- (ii) पहिंजे हथनि सां कयल पंजनि कमनि जा नाला लिखो।
- (iii) काके लछीराम जी कहिडी आदत हुई?
- (iv) काके कहिडो कमु हथ में खयो हो?
- (v) काके जे कहिडे कम सजे घर खे मथे ते खयो हो?
- (vi) काके जी ज़ाल छो चयो त अगियां जडहिं बि कोको टंगियो त मूंखे हफ्ते जो नोटीस डिजो।

3. हेठियनि लफ़ज़नि जूं सिफ़तूं ठाहियो :

- | | |
|-------------|-------------|
| (i) अमीरी | (ii) सुस्ती |
| (iii) महिनत | (iv) सचाई |

4. बे, गैर एं अ, इहे अगियाड़ियूं कमि आणे हेठियनि जा जिर बदिलायो :

- (i) कामियाब - नाकामियाब
(ii) ईमान (iii) गुण
(iv) पवित्र (v) संग

5. हेठियां लफ़्ज़ कम आणे जुमिला ठाहियो :

- (i) डींहुं (ii) भिति
(iii) घड़ियाल (iv) ख़रीदी
(v) डाकणि (vi) निशान

6. सागिए आवाज़ वारनि लफ़्ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

- | | |
|------------|----------|
| (i) रत | (अ) गंज |
| (ii) ओट | (ब) सत |
| (iii) नेठि | (स) हुते |
| (iv) हिते | (द) हेठि |
| (v) काको | (य) हथां |
| (vi) मथां | (र) मामो |
| (vii) पंज | (ल) मोट |

7. हेठियनि इस्तलानि जी माना लिखी जुमिले में कमि आणियो :

- (i) बियनि जे कुल्हनि ते विझ्ञणु
(ii) हूबहू अहिड़े
(iii) मुँझी पवणु
(iv) बांहुं खींचणु
(v) ख़सीस कमु करणु
(vi) हिमथ हारणु

(vii) टको डेर्इ टांडो खणणु

(viii) पह पचाइणु

8. सही जवाब गोल्हे ख़ाल भरियो :

(यादाशत- सूची लिस्ट, पह पचाइणु- ख्यालु करणु, घर मां ब घर करणु, बांहूं खंजाइणु, टांडो, वइवेला मचाइणु)

(i) गडिजी वेरे त पाण सां छा छा खणिजे।

(ii) जारे तां हू किताबु खणु त मां वेही ठाहियाँ।

(iii) कोटु लाहे

(iv) काके को कमु हथ में खंयो त करे छडींदो हो।

(v) जेसींताई कोटु लभे, तेसींताई काके मचाए डिनी।

(vi) तव्हीं जेकर टको डेर्इ खणायो।



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

- | | |
|---------------------|------------|
| 1. (i) हूबहू | (ii) दस्तो |
| (iii) शमादान | (iv) आडुरि |
| (v) पटी <u>ब</u> धण | (vi) ख़सीस |



नवां लफ़ज़

- | | |
|----------------------------|-------------------------|
| ● सैर = घुमणु | ● ढंगु = तरीक़े |
| ● मिस्त्री = कारीगर (वाढो) | ● फिरो = घटि |
| ● खिसकणु = किरण | ● सेरणु = पासे में रखणु |
| ● कशालो = तकलीफ़ | |

पाठ्यक्रमु लेविल 'ग'

मुहागु

सिंधी भाषा सिखण एं रोज़ानी ज़िंदगीअ में इन खे मुख्तालिफ़ सतहुनि ते इस्तेमाल करणु तमामु ज़रूरी आहे। शागिर्दनि वटि माहोल मां हासिल कयल पहिंंजी भाषा आहे। शागिर्द कोर्स मवाद ज़रीए पहिंंजे आसपास वारे माहोल एं ब्राह्मी दुनिया सां राबता काइमु करे, पहिंंजी ब्रोली/भाषा खे वधाइनि था। शागिर्द, ग्राल्हाईंडड एं लिखियल भाषा जे विच में तफ़ावत खे समुझण सां लाग्नापो ठाहिण जी कोशिश कंदा आहिनि। हीअ कोशिश पहिंंजी भाषा खे तख़्लीकी अंदाजु डियण में मदद करे थी। भाषा सेखारण जी अहमियत खे नज़र में रखंदे, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग शागिर्दनि लाइ माहोलु, छोकिरियुनि जी तालीम, वैज्ञानिक नज़रियो, हिंदुस्तानी सक़ाफ़त, टेक्नालॉजीअ जा मुख्तालिफ़ रूप, ज़िंदगीअ जा हुनुर, लोक कहाणियूं, कुदरत जी तस्वीर, इंसानी मुल्ह, कौमियत, सफाई, मीडिया, लिखण जो फ़नु, सिहत एं वाधि, रांदियुनि एं आम मुफ़ीद ज़िंदगीअ लाइ काराइतनि विषयनि ते सतह 'ग' जो पाठ्यक्रम तैयार कयो वियो आहे। इन में शागिर्दनि खे बुधण एं ग्राल्हाइण जो अभ्यास कराइण सां गडु उन जे पढ़ण एं लिखण जे हुनुरनि जो बि वाधारो कयो वेंदो। दर्जे 5 ताई, शागिर्दनि खे सिंधी पढ़ण जी महारत एं मुख्तालिफ़ हवालनि में लिखण जे ज़रीए इजिहारु करण जी काबलियत हासिल कई आहे। इहे मवाद में शामिल मुख्तालिफ़ रचनातनि खे पढ़ी एं समुझी सघनि था एं उन खे पहिंंजनि तजुर्बनि सां जोडे सघनि था। इन खां सवाइ दुरुस्तु लिखण लाइ उन्हनि ग्रामर जो अभ्यास कयो आहे। इन्हीअ तरतीब में, लेविल 'ग' याने दर्जे छहें, सतें एं अठें में इन्हनि हुनुरनि जो अगिते वाधारो कयो वेंदो। हिन सतह ते इहा उमेद आहे त शागिर्द मुख्तालिफ़ किस्म जूं रचनाऊं पढ़ी, मवाद एं मुख्य नुक़तनि जी छंडछाण करे सघनि था एं पहिंंजी नुक़त नज़र वंडे सघनि था। ही कोर्स पास करण खां पोइ शागिर्द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग मां सेकंडरी लेविल जी तालीम हासिल करे सघनि था। इन्हीअ रीति, ही कोर्स प्राईमरी एं सेकंडरी लेविल जे तालीम खे ग्रांदींडड हिक कडी आहे, जंहिं खे पिण आज़ाद नमूने सां बि पढ़ी सघिजे थो।

मक़सद

हिन कोर्स खे पूरो करण बळदि शागिर्दनि में -

- बुधण, ग्राल्हाइण, पढ़ण एं लिखण जे हुनुरु जो विकास थींदो;

- रोज़ानी जिंदगीअ में वहिंवारी बोलीअ खे बहितर इस्तेमाल करण जी काबिलियत जो वाधारे थींदो;
- रोज़मरह जी जिंदगीअ में इस्तेमाल थींड़ वहिंवारी, प्रोफेशनल ऐं अमिली इलाइक़नि में इस्तेमाल थींड़ लफ़ज़नि में इज़ाफ़ो थींदो;
- ज्ञान जे वाधारे ऐं विंदुर ऐं आनंद हासिल करण लाइ अख़बारुनि, रसालनि ऐं बियनि किताबनि / मवाद पढ़ण जे तरफ़ लाड़ो वधंदो;
- खुदि पढ़ण लाइ दिलचस्पी पैदा थींदी;
- सिरजणात्मक इज़िहार जो विकास थींदो;
- कुदरत सां प्यार, जीवन-कौशल, देश-प्रेम ऐं इंसानी मुल्हनि जो विकास थींदो;
- ज़ाती तजुर्बनि जे बुनियाद ते तख़्लीक़ी बोली इस्तेमाल करण जी काबिलियत पैदा थींदी;
- गुफ़तगू, कहाणी, तक़रीर, बहस वगैरह जे मर्कज़ी गालिहयुनि खे समुझण सां उन्हनि ते जुबानी ए लिखियति में इज़िहारु करण जो हुनुर वधंदो;
- डिसण ऐं बुधण जे मवाद (मैग़ज़न, बाल-साहित्य, दूरदर्शन, कम्प्यूटर, सिनेमा, तक़रीरुं, बहस वगैरह) खे डिसी, बुधी ऐं पढ़ी, तंहिं ते आज़ाद नमूने जुबानी ऐं लिखियति नमूने में पंहिंजा वीचार इज़िहार करण जी काबिलियत पैदा थींदी;
- वीचारनि ऐं वाकिअनि जे क्रम खे ज़हन में रखंदे लिखण जी काबिलियत पैदा थींदी;
- दस्तूरी ऐं गैरु-दस्तूरी ख़त लिखण जी काबिलियत पैदा थींदी;
- सुआतल माहोल, विषयनि सां लाग़ापियल हिदायतुनि, गुफ़तगू बुधी, समुझण ऐं उन ते रदअमल करण जी लियाक़त वधंदी।

4. **लियाक़त जा शर्त**

● **उमिरि**

हिन कोर्स में दाखिला वठण लाइ सिखंड़ जी उमिरि घटि में घटि 12 साल हुअणु घुरिजे। वधि में वधि उमिरि जी हद मुकरर न आहे।

- **लियाकत**

हिन कोर्स में दाखिला वठण लाइ इहा उमेद कई वजे थी त-

- पंहिंजी रोज़ानी जिंदगीअ में गुल्हाइण, बोल्हाइण में सिंधी भाषा गुल्हाईदा आहिनि ऐं समुझांदा आहिनि;
- गुल्ह-बोल्ह में इस्तेमाल थींदड़ सिंधी लफ़्ज़ ऐं सवला जुमिला लिखी सघनि था;
- जुदा-जुदा हालतुनि में बुधायल गुल्ह खे बुधी, समुझनि था ऐं पंहिंजी गुल्ह चई सघनि था।

5. पढ़ाईअ जो माध्यम

पढ़ाईअ जो माध्यम सिंधी (देवनागरी) आहे।

6. पाठ्यक्रम जो अरिसो

कोर्स जो अरिसो 01 तालीमी सालु रहंदो।

7. पाठ्यक्रम

शागिर्दनि में बुधण, गुल्हाइण, पढण ऐं सिखण जे हुनुरनि जो वाधारो करण लाइ जुदा-जुदा किस्मनि जी सामग्री डिनी वेंदी। हेठि डिनल सामग्री ‘ख’ लेविल जो विकास करण वारी आहे ऐं चइनी हुनुरनि जो सिलसिलेवार वाधारो कंदी।

दर्जे 6

संबकु नं.	सिरो (सिंफ़)	पढाईअ जा कलाक	मुल्ह मापण लाइ तय कयल माकू
1.	अनोखी आसीस	7	8
2.	ख़तु	7	7
3.	पखीअड़ा	6	8
4.	चाणक्य	6	6
5.	मां आहियां सिंधू	6	9
6.	बादशाह ऐं कोरीअड़ो	8	7
7.	तंदुरुस्ती	8	8
8.	ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	9	8
9.	ज़ियान न करियो	9	7
10.	मशीनी माण्हू	8	8
11.	हिंदोरे में झूलि	8	7
12.	पोपटमल पोपट पकिड़ियो	9	8
13.	सियाणी नींगर	9	9
	कुल	100	100

दर्जे 7

सबकु नं.	सिरो (सिंफ़)	पढ़ाईअ जा कलाक	मुल्ह मापण लाइ तय कयल मार्कू
1.	सेवा	7	8
2.	नेक अंदेशी	7	7
3.	नीरज जी कामियाबी	6	8
4.	जीअणु छा जे वास्ते?	6	6
5.	प्रजापति	6	9
6.	अंध श्रद्धा	8	7
7.	जोकर	8	8
8.	शहीद प्रेम रामचंदाणी	9	8
9.	टे नंदिडियूं आखाणियूं	9	7
10.	ख़तु	8	8
11.	इष्टदेव झूलेलाल	8	7
12.	कहिंजो आवाज़ आ?	9	8
13.	ग्लोबल वार्मिंग	9	9
	कुल	100	100

ਦਰਜੋ 8

ਸਬਕੁ ਨं.	ਸਿਰੋ (ਸਿੰਫ)	ਪਦਾਰਥਿਆ ਜਾ ਕਲਾਕ	ਮੁਲਹ ਮਾਪਣ ਲਾਈ ਤਧ ਕਯਲ ਮਾਕੂ
1.	ਓ ਸਾਈ	7	8
2.	ਜ਼ਹਨੀ ਰੋਸ਼ਨੀ	7	7
3.	ਪੱਜਕਡਾ	6	8
4.	ਮਹਾਂਗ ਧਾਰ	6	6
5.	ਭਾਰਤ ਜਾ ਸਾਇੰਸਦਾਨ	10	10
6.	ਡਾਯਰੀ ਲਿਖਣੁ	8	7
7.	ਰਿਪੋਰਟਾਜ	8	8
8.	ਗੁਮ ਥਿਯਲ ਛੋਕਿਰੋ	7	8
9.	ਆਡੁਰਿਯੂਂ ਏਂ ਮੁੰਡੀ	9	7
10.	ਸੁਹਿਣੀ ਮੇਹਾਰ	8	8
11.	ਹਿੰਗਲਾਜ ਤੀਰਥ	8	7
12.	ਆਜ਼ਾਦੀ ਆਂਦੋਲਨ ਮੌਨ ਸਿੰਧਿਯੁਨਿ ਜੋ ਧੋਗਦਾਨ	9	8
13.	ਕਾਕੋ ਲਛੀਰਾਮ	7	8
	ਕੁਲ	100	100

8. पाठ्यक्रम जा तपःसील

दर्जे 6

● बुधणु ऐं गाल्हाइणु

शागिर्दनि में भाषा बुधण ऐं गाल्हाइण जे हुनर में रफ्तार हासिल थींदी ऐं बियनि विषयनि जी जाण हासिल कंदा। इन सां उहे रोजानी जिंदगीअ में बियनि जी गाल्ह बहितर नमूने समुझी, उनजे आधार ते शागिर्द पंहिंजी गाल्ह बहितर नमूने जाहिर करे सधंदा।

● पढणु

शागिर्दनि जे पढण जो हुनुर वधाइण लाइ नसुर ऐं नज्म जे रूप में जुदा-जुदा किस्म जी सामग्री डिनी वजे थी, उन्हनि में बैत, लेख, आत्मकथा, प्रसंग ऐं कहाणियूं शामिल आहिनि। इहा उमेद कई वजे त इहा सामग्री हिक पासे भाषा जे हुनुरनि खे वधाईदी ऐं बिए पासे साहित्य जे जुदा-जुदा सिंफुनि तरफ शागिर्दनि खे पाण डांहुं कशिश कंदियूं। सबकळनि जो मवादु आम जिंदगीअ सां लागापियलु आहे ऐं नई कौमी तालीमी योजना ऐं सिखण जे नतीजनि जे मुख्तालिफ नुकळनि खे मर्कज में रखियो वियो आहे। इन सां गडु, शागिर्दनि खे जिंदगीअ जे मुल्हनि, जिंदगीअ जे हुनुरनि, 21हीं सदीअ जे हुनुरनि, जोड़जक जे मुल्हनि खे अमल में आणण में मदद मिलंदी।

● लिखणु

लिखणु बोलीअ जो हिकु अहम पासो आहे। हिन हुनुर खे वधाइण जे मकळद सां, पाठ्यक्रम में लिखण सां लागापियलु आम अमिली ज्ञान, जहिडोकि लिखण जा आम नियम, पैराग्राफ लिखणु ऐं खऱ्हु लिखणु शामिल कया विया आहिनि।

● ग्रामर ऐं भाषा जो इस्तेमाल

वर्हिंवारी ग्रामर ऐं भाषा जो इस्तेमाल, भाषा जी सिख्या जो हिकु लाजिमी हिसो आहे। भाषा जे अमिली इस्तेमाल खे नज़र में रखंदे, सिंधी ग्रामर जे अहम नुकळनि खे नसुरी सबकळनि में शामिल कयो वियो आहे ऐं हवालनि मूजिबु नुकळा बयानु कया विया आहिनि। इन जा मुकळु नुकळा आहिनि- फळल जा किस्म, बीहक जूं निशानियूं, हम माना वारा लफ़्ज़, ज़िद, घणनि लफ़्ज़नि लाइ हिक लफ़्जु।

दर्जे 7

● बुधणु ऐं गाल्हाइणु

शागिर्दनि खे भाषा बुधण ऐं गाल्हाइण जे हुनुरु जो विकास करण सां लागृपियल खासि मालूमाति डिनी वेंदी त जीअं उहे रोज़मरह जी जिंदगीअ में बियनि जे चवण खे बहितर तरीके सां समुझी पंहिंजी राइ जो इजिहारु करे सघनि।

● पढणु

शागिर्दनि जे पढण जो हुनुर वधाइण लाइ नसुर ऐं नज्म जे रूप में जुदा-जुदा किस्म जी सामग्री डिनी वजे थी, उन्हनि में बैत, लेख, आत्मकथा, प्रसंग ऐं कहाणियूं शामिल आहिनि। इहा उमेद कई वजे त इहा सामग्री हिक पासे भाषा जे हुनुरनि खे वधाईदी ऐं बिए पासे साहित्य जे जुदा-जुदा सिंफुनि तरफ शागिर्दनि खे पाण डांहुं कशिश कर्दियूं। सबकळनि जो मवादु आम जिंदगीअ सां लागृपियलु आहे ऐं नई कौमी तालीमी योजना ऐं सिखण जे नतीजनि जे मुख्तलिफ नुकळनि खे मर्कजे में रखियो वियो आहे। इन सां गडु शागिर्दनि खे सिंधी भाषा सिखण ऐं रोज़नी जिंदगीअ में इन खे मुख्तलिफ सतहनि ते इस्तेमाल करणु तमामु ज़रूरी आहे। शागिर्दनि वटि माहोल मां हासिल कयल पंहिंजी भाषा आहे। कोर्स मवाद ज़रीए पंहिंजे आसपास वारे माहोल ऐं बाहिरीं दुनिया सां राबता काइमु करे पंहिंजी बोली/भाषा खे वधाइनि था। शागिर्द, गाल्हाईदडे ऐं लिखियल भाषा जे विच में तफावत खे समुझण सां कनेक्शन ठाहिण जी कोशिश कंदा आहिनि। हीअ तख्लीकी कोशिश पंहिंजी भाषा खे तख्लीकी अंदाज डियनि में मदद करे थी। भाषा सेखारण जी अहमियत खे नजर में रखंदे, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग शागिर्दनि खे माहोल, छोकिरियुनि जी तालीम, वैज्ञानिक नजरियो, हिंदुस्तानी सकाफ़त, टेक्नालॉजीअ जा मुख्तलिफ रूप, जिंदगीअ जा हुनुर, लोक कहाणियूं, कुदरत जी तस्वीर, इंसानी मुल्ह, कौमियत, सफाई, मीडिया, लिखण जो फ़नु, सिहत ऐं वाधि, रांदियुनि ऐं आम मुफ़ीद जिंदगीअ लाइ काराइतनि विषयनि ते सतह 'ग' जो पाठ्यक्रम तैयार कयो वियो आहे। इन में शागिर्दनि खे बुधण ऐं गाल्हाइण जो अभ्यास कराइण सां गडु उन जे पढण ऐं लिखण जे हुनुरनि जो बि वाधारे कयो वेंदो। दर्जे 5 ताई, शागिर्दनि खे सिंधी पढण जी महारत ऐं मुख्तलिफ हवालनि में लिखण जे ज़रीए इजिहार करण जी काबिलियत हासिल कई आहे। इहे मवाद में शामिल मुख्तलिफ रचनातनि खे पढी ऐं समुझी सघनि था ऐं उन खे पंहिंजनि तजुर्बनि सां जोडे सघनि था। इन खां सवाइ दुरुस्तु लिखण लाइ उन्हनि ग्रामर जो अभ्यास कयो आहे। इन्हीअ तरतीब में, लेविल 'ग' याने दर्जे छहें, सतें ऐं अठें में इन्हनि हुनुरनि जो अगिते वाधारो कयो वेंदो। हिन सतह ते इहा उमेद आहे त शागिर्द मुख्तलिफ किस्म जूं रचनाऊं पढी, मवाद ऐं मुख्य नुकळनि जी छंडछाण

करे सघनि था एं पर्हिंजी नुक़्त नज़्र शेयर करे सघनि था। ही कोर्सु पास करण खां पोइ शागिर्द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग मां सेकंडरी लेविल जी तालीम हासिल करे सघनि था। इन्हीअ रीति, ही कोर्स प्राईमरी एं सेकंडरी लेविल जे तालीम खे गुंढींदड हिक कडी आहे, जंहिं खे पिण आजाद नमूने सां बि पढी सघिजे थो।

● **लिखणु**

लिखणु बोलीअ जो हिकु अहमु पासो आहे। हिन हुनुर खे वधाइण जे मकःसद सां, पाठ्यक्रम में लिखण सां लागापियलु आमु अमिली ज्ञान, जहिडोकि लिखण जा आम नियम, पैराग्राफ लिखणु एं ख़तु लिखणु शामिल कया विया आहिनि।

● **ग्रामर एं भाषा जो इस्तेमाल**

वहिंवारी ग्रामर एं भाषा जो इस्तेमाल, भाषा जे सिग्या जो हिकु लाजिमी हिसो आहे। भाषा जे अमिली इस्तेमाल खे नज़्र में रखंदे, सिंधी ग्रामर जे अहम नुक़तनि खे नसुरी सबक़नि में शामिल कयो वियो आहे एं हवालनि मूजिबु नुक़ता बयानु कया विया आहिनि। इन जा मुक़रु नुक़ता आहिनि-फ़इल जा किस्म, बीहक जूं निशानियूं, हम माना वारा लफ़्ज़, ज़िद, घणनि लफ़्ज़नि लाइ हिकु लफ़्जु, अग्कथी suffix ख़तु लिखणु, पैराग्राफ लिखणु।

दर्जे 8

● **बुधणु एं गाल्हाइणु**

हिन यूनिट जो मकःसद शागिर्दनि खे भाषा बुधण एं गाल्हाइण जे हुनुर जो विकास करण सां लागापियल खासि मालूमात डियणु आहे त जीअं उहे रोजानी जिंदगीअ में बियनि जे चवण खे बहितर तरीके सां समुझी पर्हिंजी राइ जो इजिहारु करे सघनि।

● **पढणु**

शागिर्दनि जे पढण जो हुनर वधाइण लाइ नसुर एं नज़्म जे रूप में जुदा-जुदा किस्म जी सामग्री डिनी वजे थी, उन्हनि में नज़्म, तंज़, ड्रामा, जीवनी, मज़मून एं कुझु कहाणियूं शामिल आहिनि। इहा उमेद कई वजे त इहा सामग्री हिक पासे भाषा जे हुनुरनि खे वधाईदी एं बिए पासे साहित्य जे जुदा-जुदा सिंफुनि तरफ शागिर्दनि खे पाण डांहुं कशिश कंदियूं। सबक़नि जो मवादु आम जिंदगीअ सां लागापियलु आहे एं नई कौमी तालीमी योजना एं सिखण जे नतीजनि जे मुख्तलिफ नुक़तनि खे मर्कज़ में रखियो वियो आहे। इन सां गडु, शागिर्दनि खे जिंदगीअ जे मुल्हनि, जिंदगीअ जे हुनुरनि, 21हीं सदीअ जे हुनुरनि, जोड़जक जे मुल्हनि खे अमल में आणण में मदद मिलंदी।

● लिखण

लिखण **बोलीअ** जो हिकु अहमु पासो आहे। हिन हुनुर खे वधाइण जे मकःसद सां, पाठ्यक्रम में लिखण सां लागूपियलु आम अमिली ज्ञान, जहिडोकि लिखण जा आम नियम, पैराग्राफ़ लिखण ऐं खऱ्हतु लिखण शामिल कया विया आहिनि।

● ग्रामर ऐं भाषा जो इस्तेमाल

वहिंवारी ग्रामर ऐं भाषा जो इस्तेमाल, भाषा जी सिख्या जो हिकु लाजिमी हिसो आहे। भाषा जे अमिली इस्तेमाल खे नज़र में रखंदे, सिंधी ग्रामर जे अहम नुकःतनि खे नसुरी सबकःनि में शामिल कयो वियो आहे ऐं हवालनि मूजिबु नुकःता बयानु कया विया आहिनि। इन जा मुकःरु नुकःता आहिनि- फ़इल जा किस्म, बोहक जूं निशानियूं, लफ़्ज़ जो तारुफु, जुमिले जी साखऱ्हत में ग़लतियूं, मुरकब ऐं मज़मून लिखण।

9. सिखण ऐं सेखारण जी योजना

इहो पाठ्यक्रम घर वेठे तालीमी माध्यम द्वारा डिनो वेंदो। पाठ्यक्रम बुनियादी तौर 'पाण अभ्यास करण' ते आधार रखंदडे आहे। शागिर्द जे ज़हिनी ऐं मानसिक सतह खे ध्यान में रखंदे मवादु तैयार कयो वियो आहे। सबकःनि में ज़िंदगीअ जा मुल्ह जहिडोकि महिनत, ईमानदारी, कुर्बानी, दया, भलाई, जीअण जो इरादो, इज़त, हमदर्दी वगैरह खे शामिल कयो वियो आहे। इन खां सवाइ ज़िंदगीअ जे हुनुरनि ते पिण ज़ोरु डिनो वियो आहे। जहिडोकि जागिरिता, आपसी रिश्ता, शफ़ी सोच, दबाव खे संभालणु, मसइला हलु करणु वगैरह।

इन खां सवाइ शागिर्दनि जी असिराइती सिख्या लाइ हेठियां बंदोबस्त पिण कया पिया वजनि-

- सिख्या मवाद में तस्वीरूं, QR कोड, ई-पब जो बंदोबस्तु
- ऑडियो ऐं वीडियो प्रोग्रामनि जो बंदोबस्तु
- सिखंदडनि लाइ स्टडी सेंटरनि ते राबते लाइ क्लासनि जो बि बंदोबस्तु आहे। उन्हनि राबते वारनि क्लासन में, शागिर्द पंहिंजे विषयनि सां लागूपियल मसइलनि जो हलु हासिल करे सघंदा। इन्हीअ सां गडु उन्हनि मसइलनि ते बियनि शागिर्दनि सां ग्राल्ह बोल्ह करे सघंदा।
- हर सबक़ जे विच में पाठ बाबत सुवाल ऐं मशक़ सुवाल आखिर में डिना विया आहिनि त जीअं पढ़ंदडे जे हासिल करण जी सलाहियत पैदा थी सघे। इन सां गडु लिखण ऐं सोचण जी सलाहियत बि वधणु घुरिजे।

10. मुल्ह मापण योजना

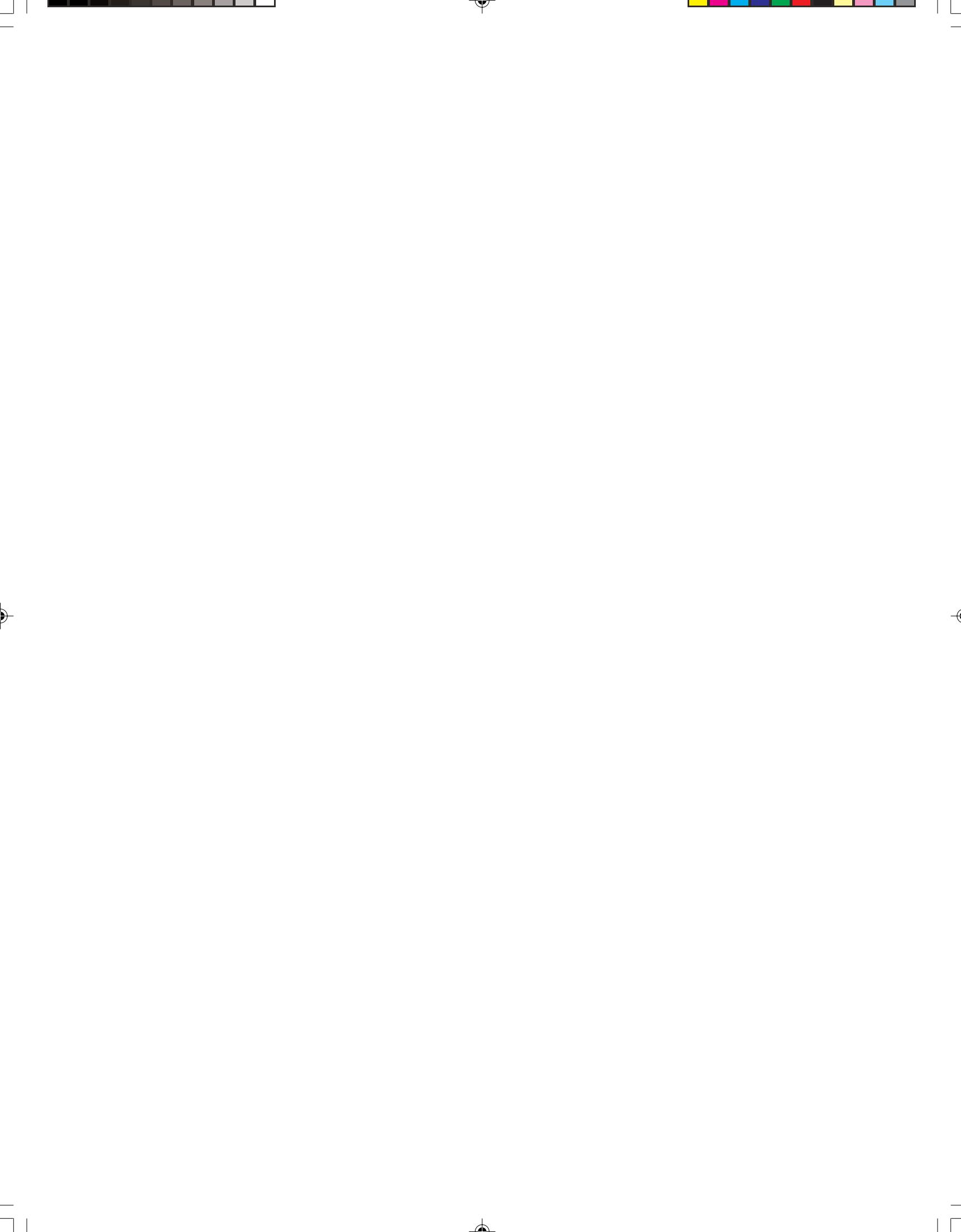
खुदि मुल्ह मापण-

खुद मुल्ह मापण हिकु लागीती क्रिया आहे, जंहिं में भाषा जी सिख्या वधंदी रहे थी। कोर्स में डिनल जुदा-जुदा किस्मनि जा सुवाल, मशिगूलियूं हल करे शागिर्द पंहिंजो मुल्हु पाण मापे सघनि था। इन्हीअ सां गडु हर क्लास लाइ आखिरी सबक खां पोइ हिकु सुवालनामो डिनो वियो आहे। सुवालनामे में समूर्नि सबकनि सां लागापियल सुवाल पुछिया विया आहिनि। शागिर्द उन्हनि सुवालनि जा जवाब डर्ंदा। आखिर में टेस्ट पेपर जा सही जवाब डिना विया आहिनि। शागिर्द पंहिंजनि जवाबनि खे सही जवाबनि सां मिलाए, पाण खे जाचण जारी रखंदा। अहिडीअ तरह, कोर्स में खुदि मुल्ह मापण जो तरीके अखित्यारु कयो वियो आहे।

बाहिरियां मुल्ह मापण-

कोर्स पूरो करण बझदि शागिर्दनि जो इम्तहान वरितो वेंदो। सर्टीफिकेट लाइ इम्तहानु फ़कति क्लास 8 खां पोइ रखियो वेंदो। मुल्ह मापण जा ब्रु तरीका हूंदा- अंदिरियों मुल्हु मापण (20% या 20 मार्कू) ऐं बाहिरियों मुल्हु मापण (80% या 80 मार्कू)। अंदिरियों मुल्हु मापण में जुबानी इम्तहान, मशिगूलियूं प्रोजेक्ट हूंदा। टर्म जे पछाडीअ में रिथियल इम्तहानु वरितो वेंदो, जंहिं में 80 मार्कू रखियल हूंदियूं।

मुल्हु मापण सभिनी क्लासनि में थींदो पर सर्टीफ़िकेशन अठें दर्जे में थियल इम्तहान जे बुनियाद ते कयो वेंदो। हिन इम्तहान जो मुदो 3 कलाक हूंदो। सबक ते आधारित सुवाल हूंदा। सुवाल वस्तुनिष्ठ हूंदा, तमामु मुख्तसर जवाबु ऐं मुख्तसर जवाबनि जा हूंदा त जीअं शागिर्दनि जी भाषा समुझणु, मसइला हलु करणु ऐं ख्याली सघ जे वाधारे जो मुल्हु मापण कयो वेंदो।



सबकाने ते तब्बाजी रद्दअमल

पहिरयो मोड

सबकः नव्हर	सबकः जो नाले	पहियल सामग्री	भाषा	कहाणे सामग्री रेजानी हयतीज संवासद्वार आहे	तस्कीरः	मशिगुलियूँ	तब्बाजी चा सिल्वा
	सबली	डबी	सबली	डबी	हा	डबी	उपयोगी वांदडू ए॒ उपयोगी वांदडू ए॒ उपयोगी वांदडू ए॒ उपयोगी न अणू-उपयोगी तमाम उपयोगी कुज्ञ उपयोगी
1.	ओ साई						
2.	जळहनी रोशनी						
3.	पंजकडू						
4.	मंगल यान						
5.	भारत जा साइंसद्वान						
6.	डायरी						
7.	रिपोर्टाज						
8.	गुम थियल छाकिरो						
9.	आडुरियू ए॒ मुंडी						
10.	सुहिणी मेहर						
11.	हिंगलाज तीर्थ						
12.	आजादी आंदोलन में सिध्युनि जो योद्धान						
13.	काको लछीराम						

चोथां मोड

टियां मोड

च्यारा शांगिदू,

उमेद आहे त मुक्त बेसिक शिक्षा जी हीअ सामग्री पढी तब्बाजे आनंद आयो हूदो। असा पहण जी सामग्रीअ खे वक्ताइतो उपयोगी ए॒ वणंडडू बणाइण जी पूरी कोशिश कई आहे। हिननि सबकूनि जरीए तब्बाजे हयतीअ जी कृतिविलयत वधाइण जी कोशिश कई वेई आहे। सबकू सां गडू ए॒ सबकू जे पछाडूअ जा सुवाल इनकरे ई डिना विया आहिनि, जीअं तब्बाज विषय खे समझी रेजानी हयतीअ में उनजो इस्तेमाल करे सधो।

तब्बाजे रद्दअमल जे आधार ते असौं इन में सुधारो कंदासौं कुर्बु करे, कुसु वक्तु करी, हीउ फार्म भरे करे असांखे मोकिलियो। तब्बाजे सहकार लाई शुक्राना।
तइलीमी आफीसर (सिंधी)

बियां मोड

अव्हांजा राया

चा अव्हां सिंधीअ जो को बियो किताब पढियो आहे?

हा / न

जेकडहिं हा, त उन बाबति कुळ्यु लिखो-

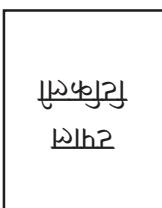
नालो : _____

विषय : _____

रोल नम्बर : _____

किताब नम्बर : _____

ऐड्रेस : _____



फृ- 201309

फृ-62, मिश्र (मात्र अंडा)

प-24-25, बाजार मार्ग विमानगार,

गोवा भारत फोन: 91-98222-22222

फृ

मुकुट एवं प्राप्त

हिन सां लग्नुल स्वीकार कोन्हे